RNI.No. — GUJHIN/2012/45192

सूरत भूमि

हिन्दी दैनिक

संपादक : संजय आर. मिश्रा

श्री 1008 महामंडलेश्वर
श्री स्वामी रामानंद दासजी महाराज
श्री रामानंद दास अन्नक्षेत्र सेवा ट्रस्ट, तपोवन आश्रम

स्व. पं. पू.1008 श्री रामानन्द जी
तपोवन मंदिर, मोरा गांव, सूरत

वर्ष-12 अंक:146 ता. 29 नवम्बर 2023, बुधवार, कार्यालय:114, न्यु प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेंट, डिंडोली, डिंडोली, उधना सूरत (गुजरात) मो. 9327667842, 9825646069 पृष्ठ: 8 कीमत: 2:00 रुपये

ho@suratbhumi.com /Suratbhumi.com /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi /Suratbhumi

जो भी करा बहुत कम करा, पुलिस अधिकारी को धमकाने पर बोले असदुद्दीन ओवैसी के भाई अकबरुद्दीन

हैदराबाद। हैदराबाद में रैली के दौरान पुलिसकर्मी को धमकाने के मामले में AIMIM नेता अकबरुद्दीन ओवैसी ने फिर प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा कि जो करा कम करा। इस दौरान उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रचार अभियान पर भी सवाल उठाए। अकबरुद्दीन AIMIM चीफ असदुद्दीन ओवैसी के भाई हैं। घटना का वीडियो सामने आने के बाद उनके खिलाफ कई धाराओं के तहत मामला दर्ज हुआ था। उन्होंने घटना को लेकर भी मीडिया पर सवाल उठाए। इंडिया टुडे की रिपोर्ट के अनुसार, तेलंगाना में एक जनसभा के दौरान अकबरुद्दीन ने कहा, जैसा भी, जो भी करा, बहुत कम करा, मेरा हक है, मैं बोल सकता हूं, 10 बजे तक परमिशन है...। उन्होंने कहा, अगर मोदी बोल रहे होते और पुलिसकर्मी आ जाता, तो भी क्या मीडिया इस तरह ही बात करती? उन्होंने आगे कहा, वे पुलिसकर्मी से ही सवाल करते कि वह कैसे आ गया? वह क्यों आया? उसे नहीं आना चाहिए था...।

क्या था मामला

22 नवंबर को अकबरुद्दीन तेलंगाना में प्रचार अभियान में थे। वह हैदराबाद में भाषण दे रहे थे और इसी बीच एक पुलिस अधिकारी वहां पहुंचे और उन्हें आदर्श आचार संहिता के तहत रैली खत्म करने के लिए कहा। इसे लेकर वह काफी नाराज हो गए थे। उन्होंने पुलिस अधिकारी को घड़ी दिखाते हुए जाने के लिए कहा था। पीटीआई भाषा के अनुसार, वीडियो में देखा जा सकता है कि अकबरुद्दीन ने जब देखा कि मंच के पास एसएचओ उनकी ओर आ रहे हैं तो उन्होंने उंगली दिखाकर पुलिस अधिकारी की ओर इशारा किया और उनसे वहां से चले जाने को कहा। औवेसी पुलिस अधिकारी की ओर बढ़ते हुए उनसे कहते नजर आ रहे हैं, इंस्पेक्टर साहब मेरे पास एक घड़ी है। क्या मैं अपनी घड़ी आपको दे दूं। आप (यहां से) चले जाइए। औवेसी को कहते हुए सुना जा सकता है, क्या तुम्हें लगता है कि मैं चाकुओं और गोलियों को झेलने के बाद कमजोर हो गया हूं। मुझमें अभी भी बहुत हिम्मत है। अभी पांच मिनट बाकी हैं और मैं बोलूंगा... मुझे कोई नहीं रोक सकता। अगर मैं इशारा कर दूं तो तुम भागने को मजबूर हो जाओगे।

भंग करो शिंदे समिति, मराठा आरक्षण पर अपनी ही सरकार का विरोध करने लगे मंत्री छगन भुजबल

एनसीपी नेता और महाराष्ट्र सरकार में मंत्री छगन भुजबल ने कहा है कि अब शिंदे समिति को भंग कर देना चाहिए। उन्होंने कहा कि सारे मराठाओं को ओबीसी का दर्जा देना ठीक नहीं है।

मुंबई। मराठा आरक्षण की चर्चा जोरों पर है और इसे जल्द से जल्द मराठाओं को ओबीसी का दर्जा दिलवाने के लिए जस्टिस शिंदे कमेटी बनाई गई है जो कि पूरे राज्य में सर्वे कर रही है। कैबिनेट की बैठक में शिंदे कमेटी को मंजूरी दी गई थी। हालांकि सरकार में शामिल अजित पवार की अगुआई वाली एनसीपी के नेता और राज्य में मंत्री छगन भुजबल ने इस कमेटी और सभी मराठाओं को आरक्षण देने के पुरजोर विरोध शुरू कर दिया है। उनका कहना है कि इस कमेटी को भंग कर देना चाहिए। सभी मराठाओं को ओबीसी का दर्जा दे देना ठीक नहीं है। केवल कुनबी प्रमाणपत्र धारकों को ही आरक्षण देना चाहिए। वहीं इस बात की भी जांच जरूरी है कि फर्जी प्रमाणपत्र तो नहीं बनवाए जा रहे हैं।

बता दें कि छगन भुजबल ने पहले कुनबी प्रमाणपत्र जारी करने की प्रक्रिया को

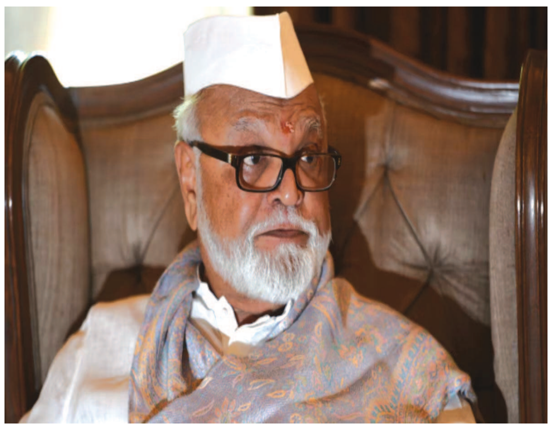

हालांकि सरकार में शामिल अजित पवार की अगुआई वाली एनसीपी के नेता और राज्य में मंत्री छगन भुजबल ने इस कमेटी और सभी मराठाओं को आरक्षण देने के पुरजोर विरोध शुरू कर दिया है। उनका कहना है कि इस कमेटी को भंग कर देना चाहिए। सभी मराठाओं को ओबीसी का दर्जा दे देना ठीक नहीं है। केवल कुनबी प्रमाणपत्र धारकों को ही आरक्षण देना चाहिए। वहीं इस बात की भी जांच जरूरी है कि फर्जी प्रमाणपत्र तो नहीं बनवाए जा रहे हैं।

रोकने की मांग की थी। उन्होंने कहा कि सभी मराठाओं को आरक्षण देने का वह विरोध करते रहेंगे। भुजबल ने कहा कि मराठा समुदाय को पूर्ण आरक्षण देना कानून के हिसाब से सही नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि मराठा समुदाय को ओबीसी श्रेणी में नहीं लाया जा सकता क्योंकि यह कोई पिछड़ी जाति नहीं है।

बता दें कि अजित पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी मराठा आरक्षण का समर्थन कर रही है, वहीं भुजबल इसके विरोध में हैं। एनसीपी का कहना है कि संविधान में सरकार को अधिकार दिया गया है कि जरूरत पड़ने पर किसी समुदाय को अलग से आरक्षण दिया जा सकता है। भुजबल ने कहा कि पहले मांग थी की जो मराठा कुनबी हैं उन्हें प्रमाणपत्र दिया जाए। निजाम के समय के दस्तावेजों की जांच करके प्रमाणपत्र जारी किया जाए। तेलंगाना से भी सबूत ढूंढे जा रहे थे। समिति ने काम करना शुरू किया। पहले 5 हजार लोगों को रिकॉर्ड मिले। इसके बाद समिति ने पश्चमी महाराष्ट्र, उत्तरी महाराष्ट्र और विदर्भ के साथ पूरे महाराष्ट्र में सर्वे शुरू कर दिया। ऐसे सारे मराठा आरक्षण ले लेंगे। मराठवाड़ा में काम खत्म होने के बाद शिंदे समिति को बर्खास्त कर देना चाहिए।

भुजबल को मिली धमकी

छगन भुजबल के बयान के बाद उन्हें मराठा संगठन के सदस्य ने धणकी दी है और उसने कहा कि अगर आरक्षण का विरोध बंद नहीं किया गया तो उनका महाराष्ट्र में घूमना मुश्किल हो जाएगा। बता दें कि वह सरकारी गेस्ट हाउस में थे तभी एक व्यक्ति उनकी गाड़ी के पास नारेबाजी करने लगा। इस शख्स का नाम धनंजय जाधव बताया गया है।

मुख्यमंत्री ने चार दिवसीय 6वीं विश्व आपदा प्रबंधन अंतरराष्ट्रीय कांग्रेस सम्मेलन का किया शुभारंभ

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने चार दिवसीय 6वीं विश्व आपदा प्रबंधन अंतरराष्ट्रीय कांग्रेस सम्मेलन (डब्लूसीडीएम) का मंगलवार को ग्राफिक एरा में शुभारम्भ किया। चार दिवसीय सेमिनार में 70 देशों के डेलीगेट्स शामिल हो रहे हैं। कुल 70 सेशन में अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय स्तर के वक्ता आपदा प्रबंधन,पुनर्वास और पुनर्निर्माण कार्यों पर चर्चा पर मंथन करेंगे। मंगलवार सुबह ग्राफिक एरा यूनिवर्सिटी के सिल्वर जुबली कनवेंशन सेंटर में मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी और लद्दाख और अंडमान निकोबार के लेफ्टिनेंट गवर्नर डीके जोशी ने संयुक्त से दीप प्रज्ज्वलित कर चार दिवसीय कार्यक्रम का उद्घाटन किया। इस दौरान अतिथियों को पुष्पगुच्छ देकर और पहाड़ी टोपी पहनाकर स्वागत किया गया। सम्मेलन के तकनीकी सत्र एक साथ 20 से अधिक स्थानों पर चलेंगे और विश्वविद्यालय के ग्राउंड में आपदा प्रबंधन पर एक भव्य प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। सदी के महानायक अमिताभ बच्चन ने इस सम्मेलन को बहुत महत्वपूर्ण बताते हुए इसकी सफलता के लिए मुख्यमंत्री धामी और उत्तराखंड के लोगों को बधाई व शुभकामनाएं दी हैं। इस सम्मेलन में जलवायु परिवर्तन और आपदा जोखिम, डिजास्टर रिस्क रिडक्शन एंड रेसिलिएंस, अर्लीवार्निंग सिस्टम एंड प्रिपेरडनेस, रिस्पॉस, रिकवरी और आपदा के बाद किए जाने वाले पुनर्वास व पुनर्निर्माण कार्यों पर चर्चा की जाएगी। इस सम्मेलन को उत्तराखंड को विश्व पटल पर स्थापित करने की एक बड़ी पहल के रूप में देखा जा रहा है। छठे विश्व आपदा प्रबंधन सम्मेलन में करीब 70 देशों के आपदा क्षेत्र में कार्य करने और रणनीति बनाने वाले शीर्ष वैज्ञानिक, विशेषज्ञ, शिक्षाविद, नीति निर्धारक और शोधकर्ता शामिल हो रहे हैं। इस अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन में विश्वास में आपदाओं पर हुए अध्ययनों, शोध और अनुभवों को साझा किया जाएगा। आपदाओं का समग्र समाधान खोजने के प्रयास होंगे। चार दिन चलने वाले इस अन्तरराष्ट्रीय सम्मेलन में करीब 350 शोध पत्र प्रस्तुत किए जाएंगे और समापन समारोह में आपदा प्रबंधन पर देहरादून डिक्लेरेशन जारी किया जाएगा। माउंटेन इको सिस्टम एंड कम्युनिटीज पर केंद्रित इस वर्ष के विश्व आपदा प्रबंधन सम्मेलन का मुख्य विषय स्ट्रेंथनिंग क्लाइमेट एक्शन एंड डिजास्टर रेजिलिएंस है। इसके बाद तैयार होने वाले देहरादून डिक्लेरेशन में विश्व स्तर पर आपदा प्रबंधन के संबंध में महत्वपूर्ण विचारों,प्रतिक्रियाओं और सुझावों का संकलन किया जाएगा।

बालाघाट पोस्टल बैलेट मामले में दिग्विजय की कलेक्टर को निलंबित करने की मांग

भोपाल। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने राज्य के बालाघाट में पोस्टल बैलेट से जुड़े मामले में कलेक्टर को निलंबित करने की मांग की है।

श्री सिंह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा, बालाघाट ज़िले में पोस्टल बैलेट की प्राप्ति व गिनती में केंद्रीय चुनाव आयोग के नियम व निर्धारित प्रक्रिया का उल्लंघन हुआ है। जिसकी पूरी जवाबदेही ज़िला कलेक्टर व पोस्टर बैलेट के रिटर्निंग ऑफ़िसर की होती है। इसलिए दोनों अधिकारियों का तत्काल निलंबन कर अन्यत्र स्थानांतरित किया जाए। केवल नोडल अफ़सर का निलंबन करना पर्याप्त नहीं है।

बालाघाट जिले से जुड़ा कल एक वीडियो सोशल मीडिया पर

● सिंह ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा, बालाघाट ज़िले में पोस्टल बैलेट की प्राप्ति व गिनती में केंद्रीय चुनाव आयोग के नियम व निर्धारित प्रक्रिया का उल्लंघन हुआ है। जिसकी पूरी जवाबदेही ज़िला कलेक्टर व पोस्टर बैलेट के रिटर्निंग ऑफ़िसर की होती है। इसलिए दोनों अधिकारियों का तत्काल निलंबन कर अन्यत्र स्थानांतरित किया जाए। केवल नोडल अफ़सर का निलंबन करना पर्याप्त नहीं है।

वायरल हुआ था, जिसमें कुछ कर्मचारी मतपत्रों को रखते हुए नजर आ रहे थे। कांग्रेस ने आरोप लगाया था कि बालाघाट जिले के इस वीडियो में कर्मचारी पोस्टल बैलेट पत्रों की गिनती कर रहे हैं। वहीं प्रशासन का तर्क था कि बैलेट पत्रों को व्यवस्थित तरीके से रखा जा रहा है। इस मामले में एक तहसीलदार का निलंबन भी हो चुका है।

कांग्रेस के एक प्रतिनिधिमंडल ने कल इस मामले में निर्वाचन आयोग में शिकायती पत्र भी सौंपा था। प्रदेश कांग्रेस के उपाध्यक्ष एवं संगठन प्रभारी राजीव सिंह और उपाध्यक्ष एवं चुनाव आयोग कार्य प्रभारी जे पी धनोपिया ने कांग्रेस के प्रतिनिधि मंडल के साथ यहां निर्वाचन कार्यालय पहुंचकर इस संबंध में एक शिकायती पत्र सौंपा था। कांग्रेस का आरोप था कि बालाघाट कलेक्टर गिरीश कुमार मिश्रा द्वारा पोस्टल वोट में कथित तौर पर गड़बड़ी की है। उन्होंने कलेक्टर सहित उक्त कार्य में शामिल सभी कर्मचारियों को निलंबित किये जाने की मांग की थी। पत्र में कांग्रेस प्रतिनिधि मंडल ने कहा कि बालाघाट से कांग्रेस प्रत्याशी द्वारा एक वीडियो भेजकर शिकायत प्रेषित की गई है, जिसमें कलेक्टर बालाघाट एवं अन्य कर्मचारियों द्वारा पोस्टल वोट में कथित गड़बड़ी किया जाना सामने आया है। उक्त घटना का वीडियो चित्रण भी पत्र के साथ निर्वाचन आयोग को सौंपा गया है।

कोहरे की आशंका से अजमेर-सियालदह एक्सप्रेस के कुछ फेरे निरस्त रहेंगे

कोटा। रेलवे ने आगामी कुहांसे के मौसम में दिसम्बर से फरवरी माह तक अजमेर- सियालदह के कुछ फेरे निरस्त करने का फैसला किया है।

कोटा मंडल के अधिकारिक सूत्रों ने बताया कि प्रतिदिन भरतपुर होकर जाने वाली गाड़ी संख्या 12987/12988 अजमेर-सियालदह-अजमेर एक्सप्रेस दिसम्बर से फरवरी 2024 में सप्ताह में मंगलवार, गुरूवार एवं शनिवार को अजमेर से एवं बुधवार, शुक्रवार एवं रविवार को सियालदह से निरस्त रहेगी। उक्त अवधि में दोनों दिशाओं में सप्ताह में केवल चार दिन चलेगी।

सूत्रों ने बताया कि अजमेर-सियालदह-अजमेर एक्सप्रेस के अजमेर से 2, 5, 7, 9, 12, 14, 16,19, 21,23,26,28 एवं 30 दिसम्बर, 2,4,6,9,11, 13,16, 18, 20, 23, 25, 27 एवं 30 जनवरी, 1, 3, 6, 8, 10, 13, 15, 17, 20, 22, 24, 27 एवं 29 फरवरी को निरस्त रहेगी।

सूत्रों ने बताया कि सियालदह से 3, 6,8,10, 13, 15, 17, 20, 22, 24, 27, 29 एवं 31 दिसम्बर, 3,5,7, 10, 12, 14, 17, 19, 21, 24, 26, 28 एवं 31 जनवरी, 2,4,7, 9, 11, 14, 16, 18, 21, 23, 25 एवं 28 फरवरी,1 जनवरी को निरस्त रहेगी।

गाड़ी संख्या 12987/12988 अजमेर-सियालदह-अजमेर एक्सप्रेस दिसम्बर से फरवरी 2024 में सप्ताह में मंगलवार, गुरूवार एवं शनिवार को अजमेर से एवं बुधवार, शुक्रवार एवं रविवार को सियालदह से निरस्त रहेगी।

बच्चों के बीमार होने पर रखें नजर, चीन में रहस्यमयी बुखार पर सरकार अलर्ट; राज्यों को हिदायत

नई दिल्ली। चीन में रहस्यमयी बुखार और निमोनिया से भारत सरकार भी सतर्क है। केंद्र सरकार ने सभी राज्यों से बच्चों को होने वाली सांस संबंधी तकलीफ के मामलों की जानकारी देने को कहा है। सरकार का कहना है कि इन्फ्लुएंजा वायरस जैसी बीमारी और सांस लेने की समस्या के मामलों को जिला स्तर पर रिपोर्ट किया जाए। इसके बाद पूरी जानकारी केंद्र सरकार को दी जाए। दरअसल चीन में रहस्यमयी बुखार और निमोनिया की चपेट में ज्यादातर युवा और बच्चे ही आ रहे हैं। इसके चलते दुनिया भर में लोग डरे हुए हैं। खासतौर पर पड़ोसी देश भारत में इसे लेकर चिंता पैदा हो गई है। इन

सैंपल्स को जांच के लिए लेबोरेट्री भेजा जाएगा ताकि यह पता चल सके कि यह बीमारी सामान्य है या फिर कोई नया वायरस पैर पसार रहा है। केंद्र सरकार के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया, यह पूरी तरह से किफायती फैसला है। अब तक चिंता की कोई बात सामने नहीं आई है, लेकिन सतर्क रहना जरूरी है। कोरोना के बाद से ही सांस लेने संबंधी परेशानी वाले मामलों की निगरानी के लिए एक व्यवस्था बनी हुई है। अब तक ऐसा कुछ नहीं है, जिससे पता चले कि भारत में कोई खतरा है। फिर भी सरकार कोई रिस्क नहीं लेना चाहती है। खासतौर पर बच्चों और युवाओं के ही शिकार बनने से भी चीन समेत कई देशों की नींद उड़ी हुई है। हालांकि एम्स के एक डॉक्टर ने कहा कि यह चिंता की बात नहीं है। सर्दियों के मौसम में अकसर लोग सर्दी, जुकाम की समस्या से पीड़ित होते हैं। इन समस्याओं के जोर पकड़ने पर कुछ लोगों को सांस लेने में भी थोड़ी परेशानी हो जाती है, लेकिन यह किसी भी तरह की चिंता की बात नहीं है। फिर भी स्वास्थ्य मंत्रालय ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से कहा है कि वे कोरोना के दौर में तय गाइडलाइंस को फिर से लागू करें। इससे निगरानी व्यवस्था बेहतर होगी। विश्व स्वास्थ्य संगठन का भी कहना है कि अक्टूबर 2023 के मध्य से ही चीन में बच्चों और युवाओं में सांस की बीमारी के मामले सामने आए हैं। इन केसों में लगातार इजाफा भी हुआ है। इसलिए हम निगरानी कर रहे हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने चीन से कुछ और जानकारी मांगी है, जिससे तय हो सके कि बीमारी बढ़ने की वजह क्या है। कुछ जानकार इसे लेकर आशंका जता रहे हैं कि क्या यह एक नई महामारी की दस्तक है? हालांकि अब तक इसे लेकर कुछ भी ठोस तौर पर नहीं कहा जा सकता।

बारिश और बर्फबारी बढ़ाएगी ठिठुरन, दिल्ली-यूपी समेत इन राज्यों में असर दिखाएगा पश्चिमी विक्षोभ

नई दिल्ली। राजधानी दिल्ली और आसपास के इलाकों में हल्की बारिश हुई। हालांकि इस बारिश से प्रदूषण से राहत नहीं मिली। पश्चिमी उत्तर प्रदेश और हरियाणा में भी छिटपुट वर्षा हुई। मौसम विभाग का अनुमान है कि अगले 24 घंटे में फिर से दिल्ली आसपास के इलाकों में बारिश हो सकती है। बदली और बारिश की वजह से ठंड में इजाफा जरूर हुआ है। मौसम विभाग का कहना है कि हरियाणा, पंजाब और दिल्ली में 30 से 50 किलोमीटर की रफ्तार से हवाएं चल सकती हैं।

स्काइमेट वेदर के मुताबिक पाकिस्तान और पश्चिमी राजस्थान में चक्रवाती हवाओं का क्षेत्र बना हुआ है। इसके अलावा मध्य प्रदेश के कुछ हिस्सों में भी चक्रवाती हवाओं का क्षेत्र है। गुजरात के कुछ हिस्सों चक्रवाती परिसंचरण है। इसी की वजह से गुजरात में दो दिन भारी बारिश हुई। गुजरात में बारिश और बिजली गिरने से कम से कम 24 लोगों की मौत हो गई। इसके अलावा 71 मवेशी भी मारे गए हैं।

कहां होगी बारिश

अगले 24 घंटे में तटीय तमिलनाडु, तटीय आंध्र प्रदेश, अंडान निकोबार और मध्य प्रदेश में हल्की से मध्यम बारिश होने की संभावना है। इसके अलावा पश्चिमी हिमालय में बर्फबारी भी हो सकती है। बर्फबारी की वजह से उत्तर भारत में ठंड बढ़ेगी। वहीं उत्तर प्रदेश, तमिलनाडु, केरल,

● स्काइमेट वेदर के मुताबिक पाकिस्तान और पश्चिमी राजस्थान में चक्रवाती हवाओं का क्षेत्र बना हुआ है। इसके अलावा मध्य प्रदेश के कुछ हिस्सों में भी चक्रवाती हवाओं का क्षेत्र है। गुजरात के कुछ हिस्सों चक्रवाती परिसंचरण है।

लक्षद्वीप और आंध्र प्रदेश में भी हल्की बारिश के आसार हैं। अंडमान निकोबार में 28 और 29 नवंबर को तेज हवाओं के साथ भारी बारिश भी हो सकती है।

मौसम विभाग का कहना है कि हिमाचल, उत्तराखंड, मध्य प्रदेश, छत्तीसगढ़ और महाराष्ट्र में भी गरज-चमक के साथ बौछार पड़ सकती है। मौसम विभाग का कहना है कि अगले 5 दिनों में उत्तर भारत का न्यूनतम तापमान 5 डिग्री तक गिर सकता है। वहीं राजधानी दिल्ली में एक-दो दिन नहीं बल्कि पांच दिन मौसम खराब रह सकता है। इस दौरान छिटपुट वर्षा के आसार हैं। मौसम विभाग का कहना है कि दिल्ली पर पश्चिमी विक्षोभ का प्रभाव हना हुआ है। इसके अलावा दिल्ली एनसीआर, उत्तर प्रदेश, पंजाब और हरियाणा में कोहरा भी बढ़ सकता है।

अग्निवीर का प्रशिक्षण ले रही युवती ने की आत्महत्या

–परेशानी से तंग आकर लड़की ने फांसी लगाई

मुंबई, । मुंबई में नौसेना में अग्निवीर का प्रशिक्षण ले रही एक 20 वर्षीय लड़की ने आत्महत्या कर ली। प्रेम प्रसंग के तनाव के चलते युवती द्वारा फांसी लगाकर आत्महत्या करने की बात सामने आई है। मृत लड़की का नाम अपर्णा है. मलाड की मालवणी पुलिस इस मामले में जांच कर रही है। मिली जानकारी के मुताबिक युवती का एक युवक से प्रेम प्रसंग चल रहा था. प्रेम संबंध ठीक नहीं चलने के कारण युवती काफी समय से तनाव में थी। कहा जा रहा है कि इसी परेशानी से तंग आकर लड़की ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली. युवती का हाल ही में अग्निवीर योजना के तहत चयन हुआ था। यह घटना तब हुई जब लड़की प्रशिक्षण के लिए आईएनएस हमला पर सवार थी। घटना की सूचना मिलते ही नेवी के डॉक्टरों को बुलाया गया। प्रारंभिक जांच के बाद डॉक्टरों ने युवती को मृत घोषित कर दिया. युवती की आत्महत्या के बाद पुलिस मामले की जांच कर रही है. उस लड़की का किसके साथ अफेयर चल रहा था? प्रेम संबंध में तकरार की वजह क्या थी? पुलिस इन सभी पहलुओं पर जांच कर रही है।

लिव इन पार्टनर से नाबालिग बेटी का दुष्कर्म कराने वाली मां को 40 साल की सजा

तिरुवनंतपुरम। हालात कैसे भी रहें लेकिन एक मां अपने बच्चों की सुरक्षा के लिए खुद की जान देने में कतई नहीं हिचकती। इससे ठीक विपरीत एक मां का ऐसा कारनामा सामने आया है जो चौंकाता है और उसकी हरकत से नफरत करने को मजबूर करता है। तिरुवनंतपुरम की एक अदालत इस महिला को 40 साल की सजा, 20 हजार का जुर्माना और 6 माह का साश्रम कारावास की सजा सुनाई है। इस महिला ने अपने लिव इन पार्टनर को खुद की 7 साल की मासूम बेटी से रेप करने की सहमति दी। अपराध इतना घिनोना था कि महिला का पार्टनर और मुख्य आरोपी शिशुपालन ने आत्महत्या कर ली। प्रोटेक्शन ऑफ चिल्ड्रन फॉम सेक्सुअल एब्यूज (पॉक्सो) मामले में पीड़िता की मां को ही कानूनी कार्रवाई का सामना करना पड़ा। मामला केरल का है। आरोप थे कि महिला ने अपने प्रेमी के नाबालिग बेटी का बलात्कार करने की अनुमति दे दी थी। कोर्ट ने महिला को 40 साल की जेल, 20 हजार रुपये जुर्माना और 6 महीने का सश्रम कारावास की सजा सुनाई है। आरोप थे कि महिला ने तब 7 साल की बच्ची का रेप करने में लिव–इन पार्टनर की मदद की थी। तिरुवनंतपुरम स्पेशल फास्ट ट्रेक कोर्ट ने महिला को मातृत्व के नाम पर कलंक भी बताया है। साथ ही कहा कि वह दया कि अधिकारी नहीं है और अधिक से अधिक सजा का समर्थन किया। खास बात है कि अगर महिला जुर्माने की राशि नहीं दे पाती है, तो उसे 6 महीने और जेल में रहना होगा। घटना मार्च 2018 से सितंबर 2019 के बीच की है। दोषी महिला उस दौरान मानसिक रूप से बीमार अपने पति से अलग रह रही थी। वह इस मामले में मुख्य आरोपी रहे पुरुष मित्र शिशुपालन के साथ रह रही थी। उनके साथ 7 साल की बेटी भी रहती थी। कोर्ट ने पाया कि शिशुपालन ने लड़की का बलात्कार किया है, जिसके चलते उसे कई गंभीर चोटें आई हैं। खबर है कि शिशुपालन ने पीड़िता की मां की मिलिभगत से 2018 और 2019 के बीच कई बार यौन हिंसा को भी अंजाम दिया। इतना ही नहीं आरोपी ने पीड़िता की 11 वर्षीय सौतेली बहन को भी शिकार बनाया। दोनों बच्चों को धमकाया गया कि यह बात किसी को भी न बताएं। हालांकि, दोनों बच्चियां बाद में भागकर अपनी दादी के घर पहुंच गईं थीं। घटना सुनते ही दादी ने बच्चियों को बालगृह में भेजा, जहां दोनों ने अपने साथ हुई दरिंदगी के बारे में बताया।

हरियाणा में बढ़ रहे इन्फ्लूएंजा एच9एन2 वायरस के मामले

–खटटर सरकार हुई सतर्क

चंडीगढ़ । हरियाणा में चीन के उत्तरी क्षेत्र में तेजी से फैल रहे एवियन इन्फ्लूएंजा एच9एन2 वायरस के तेजी से बढ़ रहे मामलों को लेकर हरियाणा में अलर्ट जारी किया है। बच्चों में सांस की बीमारी और निमोनिया के मरीजों की मॉनिटरिंग शुरू हो गई है। स्वास्थ्य विभाग की महानिदेशक ने सूबे के सभी सीएमओ को तैयारियों की समीक्षा का निर्देश दिया है। इसके साथ ही बच्चों में निमोनिया के मामलों की निगरानी बढ़ाने और कोरोना के समय जारी की गई सभी हिदायतों के पालन को कहा गया है। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा अलर्ट जारी करने के बाद खटटर सरकार ने सभी सीएमओ को अलर्ट रहने के ऑर्डर जारी किए गए हैं। डीजी हेल्थ की ओर से जारी ऑर्डर में कहा गया है कि प्रदेश के सभी सरकारी और निजी अस्पतालों में बच्चों में निमोनिया के मामलों की निगरानी बढ़ाई जाए। साथ ही इसकी रिपोर्ट लगातार मुख्यालय भेजी जाए। वहीं, अस्पतालों में बच्चों से संबंधित दवाइयों, ऑक्सीजन आदि की व्यवस्था के लिए भी समीक्षा करके मुख्यालय को रिपोर्ट भेजी जाए। मुख्यालय की ओर से कहा गया है कि इस मामले में किसी प्रकार की कोई लापरवाही नहीं बरती जाए। केंद्र की ओर से कहा गया है कि इन्फ्लूएंजा संक्रमण के लक्षण कोरोना वायरस से काफी समान हैं। इसके बाद सभी राज्यों को कोरोना संक्रमण को लेकर पहले से जारी दिशा–निर्देशों का पालन करने को कहा गया है। इस बारे में स्वास्थ्य विभाग की महानिदेशक डॉ. सोनिया त्रिखा खुल्लर ने कहा कि देश में कहीं भीइन्फ्लूएंजा संक्रमण के मामले की पुष्टि नहीं हुई है। केंद्र सरकार की गाइडलाइन के बाद प्रदेशभर के सीएमओ को अलर्ट रहने का निर्देश दिया है। किसी को भी घबराने की जरूरत नहीं है। अभिभावक अपने बच्चों का ध्यान रखें और लगातार बुखार आने पर तुरंत डॉक्टरों से संपर्क करें।

केसीआर के मंत्री के बिगड़े बोल....पूरे हिन्दुस्तान पर तेलुगु लोगों का राज होगा

हैदराबाद । बॉलीवुड फिल्म एनिमल के कार्यक्रम में पहुंचे तेलंगाना के मंत्री मल्ला रेड्डी के बयान ने नया विवाद खड़ा कर दिया है। केसीआर के मंत्री का कहना है कि पूरे हिन्दुस्तान पर तेलुगु लोगों का राज होगा। खास बात है कि रेड्डी का बयान उस समय पर आया है, जब तेलंगाना में विधानसभा चुनाव में महज एक–दो दिनों का ही समय बचा है। सोशल मीडिया पर मंत्री के बयान का वीडियो आते ही प्रतिक्रियाओं का दौर भी शुरू हो गया है। मंच पर मंत्री ने कहा, रणबीर जी आपको एक बात बोलना चाहता हूं। अगला पांच साल में हिन्दुस्तान को, बॉलीवुड, हॉलीवुड पर राज करेगा हमारा तेलुगु लोग। आप भी एक साल के बाद हैदराबाद शिफ्ट होना पड़ता। क्यों बोले तब बॉम्बे पुराना हो गया। बेंगलुरु में ट्रैफिक जाम हो गया। हिन्दुस्तान में एक ही शहर है, वहां है हैदराबाद। इस दौरान उन्होंने फिल्मी कलाकारों की तारीफ की। सोशल मीडिया पर एक ओर जहां रणबीर के शांत मिजाज की तारीफ की जा रही है। वहीं, कुछ लोग मंत्री के बयान से नाखुश नजर आ रहा है। एनिमल 1 दिसंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होने जा रही है। रणबीर के अलावा रश्मिका मंदाना, बॉबी देओल, अनिल कपूर सहित कई कलाकार फिल्म में अहम किरदार निभाते नजर आएंगे।

हिंदु त्यौहार में छुटटी कम, मोहम्मद नीतीश और मोहम्मद लालू की सरकार बिहार में : गिरिराज

पटना । बिहार में अगले साल स्कूलों में रक्षाबंधन, मकर सक्रांति की छुट्टियां नहीं मिलेंगी। तीज, जिउतिया और गांधी जयंती की छुट्टी भी खत्म की गई है। नीतिश सरकार ने गर्मी और ईद–बकरीद और मुहर्रम की छुट्टियों में इजाफा किया गया है। इसके अलावा दिवाली और छठ की छुट्टियां भी कम कर दी गई हैं। बिहार सरकार के शिक्षा विभाग के अपर मुख्य सचिव केके पाठक ने सरकारी स्कूलों में छुट्टी का कैलेंडर जारी किया। इस पर केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ने कहा कि जिस तरह से लालू यादव और नीतीश सरकार हिंदुओं पर हमला कर रही है, भविष्य में उन्हें मोहम्मद नीतीश और मोहम्मद लालू के नाम से जाना जाएगा। शिक्षा विभाग के मुताबिक, गर्मी की छुट्टी 20 से बढ़ाकर 30 दिनों की कर दी गईहै, लेकिन गर्मी की छुट्टी के दौरान शिक्षक और कर्मचारी अन्य दिनों की तरह स्कूल में मौजूद रहने वाले हैं। दिवाली में एक दिन और छठ में तीन दिनों की छुट्टी रहेगी। तीज की दो और जिउतिया पर एक दिन की छुट्टी भी खत्म कर दी गई है। मुस्लिम स्कूलों–मदरसों की साप्ताहिक छुट्टी शुक्रवार कर दी गई है। दरअसल, बिहार सरकार ने इस बार उर्दू और सामान्य स्कूलों के लिए छुट्टी को लेकर अलग–अलग कैलेंडर जारी किया है। पिछले साल ईद की छुट्टी 22 अप्रैल को थी, जबकि इस साल ईद की छुट्टी 10, 11 और 12 अप्रैल को दी गई है। पिछले साल बकरीद में 2 दिनों की छुट्टी थी, इस इस साल बढ़कर 18, 19 और 20 जून यानी तीन दिनों की कर दी गई है। पिछले साल मुहर्रम की छुट्टी एक दिन थी, जबकि इस साल 17 और 18 जुलाई को छुट्टी दी गई है।

प्रियंका ने बीआरएस को बताया फार्महाउस से शासन करने वाली पार्टी

–तेलंगाना में चुनावी रैली को संबोधित करते हुए केसीआर सरकार पर साधा निशाना

हैदराबाद (एजेंसी)। तेलंगाना में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाद्रा ने मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव के नेतृत्व वाली तेलंगाना सरकार पर हमला बोला है। इस दौरान प्रियंका ने आरोप लगाया कि बीआरएस के बड़े नेता फार्महाउस में बैठकर सरकार चला रहे हैं। उन्होंने कहा कि राज्य में गरीब और गरीब होता जा रहा है तथा सत्तारूढ़ पार्टी अमीर होती जा रही है। उन्होंने यहां से लगभग 50 किलोमीटर दूर भोंगिर में एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए आरोप लगाया कि अगर बीआरएस फिर से सत्ता में आई तो सरकार फार्महाउस से चलेगी और भू-शराब माफिया राज्य पर शासन करेगा तथा रोजगार का कोई अवसर उपलब्ध नहीं होगा। बता दें कि यहां तीस नवंबर को होने वाले विधानसभा चुनाव में लोगों से कांग्रेस को वोट देने की अपील करते हुए उन्होंने पार्टी द्वारा घोषित छह गारंटी का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि तेलंगाना के बड़े नेता अपनी हवेलियों और फार्महाउस में बैठे हैं तथा सरकार चला रहे हैं। बीआरएस के सभी नेता बड़ी हवेलियों में बैठे हैं। उनकी सभी नीतियां केवल बड़े व्यवसायियों के लिए हैं।

कांग्रेस महासचिव ने कहा कि तेलंगाना के गरीब और गरीब होते जा रहे हैं तथा बीआरएस पार्टी अमीर होती जा रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि चाहे भाजपा हो या बीआरएस, उनकी नीति सिर्फ सत्ता में बने रहने और अमीर बनने की है तथा इन दलों के नेता भी धनी हो रहे हैं। कांग्रेस नेता ने कहा कि जब जब भी चुनाव आते हैं, तो वे चुनाव प्रबंधन शुरू कर देते हैं। उन्हें सबक सिखाया जाना चाहिए कि तेलंगाना के लोग बिकने के लिए नहीं हैं। उन्होंने कहा कि बीआरएस सरकार में ऊपर से नीचे तक हर स्तर पर भ्रष्टाचार है, यहां तक कि कालेश्वरम सिंचाई परियोजना सहित कोई भी परियोजना वास्तविक रूप से पूरी नहीं हुई है।

कांग्रेस महासचिव ने कहा कि भाजपा तेलंगाना में बीआरएस सरकार का समर्थन करती है, जबकि बीआरएस दिल्ली में भाजपा सरकार का समर्थन करती है तथा उनके तीसरे दोस्त असदुद्दीन ओवैसी के नेतृत्व वाली एआईएमआईएम राज्य में दोनों का समर्थन करती है। उन्होंने कहा कि एआईएमआईएम अन्य राज्यों में 40 से 50 सीट पर लड़ती है, लेकिन तेलंगाना में वह केवल नौ सीट पर उम्मीदवार उतारती है। कांग्रेस नेता ने कहा कि ये तीनों दल एक तरफ हैं और कांग्रेस दूसरी तरफ है। उन्होंने दावा किया कि भाजपा दुनिया की सबसे अमीर पार्टी बन गई है और उसने देश की संपत्ति अपने उद्योगपति मित्रों को दे दी है।

अगले जलवायु शिखर सम्मेलन में ठोस कार्रवाई पर जोर देने की जरुरत : निर्मला

नई दिल्ली । वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने आगामी वैश्विक जलवायु शिखर सम्मेलन में जलवायु वित्त पोषण और प्रौद्योगिकी हस्तांतरण को लेकर ठोस कार्रवाई पर जोर देने की जरुरत बताई है। गौरतलब है ?कि संयुक्त राष्ट्र के वार्षिक जलवायु शिखर सम्मेलन का 28वां संस्करण 30 नवंबर से 12 दिसंबर तक संयुक्त अरब अमीरात में आयोजित किया जाएगा, जिसमें जलवायु प्रभावों, जीवाश्म ईंधन के उपयोग, मीथेन उत्सर्जन, और ग्लोबल वार्मिंग उत्सर्जन को कम करने समेत विभिन्न मुद्दों पर गहन चर्चा की उम्मीद है। साथ ही जलवायु परिवर्तन के अनुकूल बनने के लिए अमीर देशों की तरफ से विकासशील देशों को मुआवजे के तौर पर वित्तीय सहायता दिए जाने के मुद्दे पर भी चर्चा हो सकती है। 'इंडिया ग्लोबल फोरम मिडिल ईस्ट एंड अफ्रीका' 2023के उद्घाटन समारोह में डिजिटल सत्र के दौरान सीतारमण ने कहा कि इस जलवायु सम्मेलन में देशों को दिशा दिखाई जानी चाहिए। वित्त मंत्री सीतारमण ने कहा ?कि आगामी वैश्विक जलवायु शिखर सम्मेलन में जलवायु वित्तपोषण और प्रौद्योगिकी हस्तांतरण पर ठोस कार्रवाई की जरुरत है। उन्होंने कहा कि सम्मेलन में कोरी बयानबाजी के स्थान पर ठोस कार्रवाई पर जोर दिया जाना जरुरी होगा।

पन्नू मामले में भारत की अमेरिका ने की तारीफ, कनाडा को लगाई फटकार

नई दिल्ली (एजेंसी)। हाल ही में अमेरिका ने दावा किया था कि खालिस्तानी गुरपतवंत सिंह पन्नू की अमेरिका में एक साजिश के तहत हत्या हो सकती थी। इस साजिश को अमेरिका ने नाकाम करने की बात कही थी। इसको लेकर भारत की प्रतिक्रिया भी सामने आई है। कनाडा में भारतीय उच्चायुक्त संजय कुमार वर्मा ने कहा है कि अमेरिका ने तो फिर भी पन्नू के मामले में लीगली प्रजेंटेबल इनपुट भारत को दिए हैं लेकिन कनाडा ने केवल मनगढ़ंत आरोप ही लगाए हैं। उन्होंने कहा कि जैसा कि अमेरिका ने साजिश के पीछे इंडियन कनेक्शन बताया है तो उसका मतलब यह कतई नहीं हुआ कि भारत का हाथ है बल्कि बहुत सारे भारतीय मूल या फिर भारत के लोग हैं जिनका हाथ हो सकता है। अमेरिका ने भारत सरकार की बात नहीं की है।

कनाडा के एक इंटरव्यू में वर्मा ने कहा कि जब आप अमेरिका से मिले इनपुट्स की बात करते हैं तो यह इनपुट गैंगस्टर्स, ड्रग तस्कर, आतंकवादी, हथियार बेचने वालों के बारे में हैं कि यूएस में रहते हैं। माना जा रहा है कि इसमें भारत का कनेक्शन हो सकता है। इसका मतलब यह नहीं कि भारत सरकार का कनेक्शन, भारत में 140 करोड़ की आबादी है इसलिए कोई भी भारतीय कनेक्शन हो सकता है। इसकी जांच चल रही है। उन्होंने कहा, भारत और अमेरिका के संबंध काफी अच्छे हैं। इसलिए हम मानते हैं कि उधर से सही जानकारी ही मिलेगी।

खालिस्तानी आतंकी निज्जर की हत्या को लेकर भारत और कनाडा के संबंध तनावपूर्ण हैं। इसी बीच अमेरिका में खालिस्तानी गुरपतवंत सिंह पन्नू की हत्या की साजिश की भी बात सामने आई। कनाडा में भारती उच्चायुक्त संजय कुमार वर्मा ने कहा कि अमेरिका ने तो फिर भी लीगली प्रजेंटेबल इनपुट भारत को दिए हैं लेकिन कनाडा ने केवल मनगढ़ंत आरोप ही लगाए हैं। उन्होंने कहा कि जैसा कि अमेरिका ने साजिश के पीछे इंडियन कनेक्शन बताया है तो उसका मतलब यह कतई नहीं हुआ कि भारत का हाथ है बल्कि बहुत सारे भारतीय मूल या फिर भारत के लोग हैं जिनका हाथ हो सकता है। अमेरिकाने भारत सरकार की बात नहीं की है।

पहली बार किसी भारतीय सीनियर अधिकारी ने कनाडा और अमेरिका द्वारा दिए गए इनपुट में अंतर बताया है। बता दें कि खबरों के मुताबिक अमेरिकी धरती पर पन्नू को मारने की साजिश को लेकर रिपोर्ट के बाद भारत ने कहा था कि इनपुट्स को गंभीरता से लिया जा रहा है और इसकी जांच शुरू हो चुकी है। वहीं जब कनाडा के प्रधानमंत्री जस्टिन ट्रूडो ने निज्जर की हत्या के आरोप लगाए थे तब भारत का रुख एकदम अलग था। भारत ने आरोपों को सिरे से खारिज करते हुए इन्हें मनगढ़ंत और बेहूदा बताया था।

भारतीय उच्चायुक्त ने कहा कि कनाडा और भारत के अधिकारियों के बीच बात हुए लेकिन हमें कोई पुख्ता सबूत चाहिए जिससे कि कानूनी संस्थाओं के पास जाकर हम जांच करवा सकें। जब तक कोई पुख्ता इनपुट नहीं मिलता हम जांच नहीं कर सकते। जब उनसे पूछा गया कि निज्जर की हत्या के मामले में भारत सहयोग करेगा या नहीं तो उन्होंने कहा, सहयोग की बात करने का मतलब है कि हम मान रहे हैं कि निज्जर की हत्या में भारत का हाथ है। जबकि ऐसा नहीं है। हमने कहा है कि पुख्ता सबूत दीजिए तब हम इस मामले को देखेंगे।

अफगानिस्तान ने भारत में बंद किया दूतावास, चुनौतियों का दिया हवाला

–भारत में रह रहे अफगानियों पर इससे कोई असर नही पड़ेगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। अफगानिस्तान ने भारत में अपना दूतावास बंद कर दिया है। इसके पीछे कई तरह की चुनौतियां बताई जा रही हैं। हालांकि भारत ने तालिबान को मान्यता नहीं दी है, एक वजह यह भी बताई जा रही है। वहां पर तालिबान का राज आने के बाद से उथल-पुथल मची हुई है। चरमपंथी रवैये की वजह से दुनिया के कई देश तालिबान को सरकार के तौर पर मान्यता देने से बच रहे हैं। भारत भी उनमें से एक है। तालिबानी हुकूमत को नहीं मानने की वजह से ये सारा फसाद खड़ा हुआ। दसअसल भारतीय विदेश मंत्रालय तालिबान के आने से पहले भारत में तैनात अफगान राजदूत को ही देश का असल राजदूत मानती रही। इस बीच तालिबान ने अपने आदमी को एंबेसी इंचार्ज बना दिया। अब भारत के सामने उलझन ये हुई कि अगर वो साल 2021 वाले एंबेसेडर से ही राजनयिक संबंध रखता तो तालिबान नाराज हो जाता। वहीं मान्यता न देने की वजह से वो तालिबानी राजनयिक को भी नहीं मान सकता था। ये डिप्लोमेटिक नियमों से अलग हो जाता। इसी वजह से कई तरह के तकनीकी मुश्किलें आने लगीं।

वहीं तालिबान का कहना है कि एंबेसी ने माना कि उसे जरूरी सपोर्ट नहीं मिल पा रहा है। हालांकि जरूरी सपोर्ट का खुलासा उसने नहीं किया। अफगानिस्तान के हितों को पूरा करने की उम्मीदों पर खरा न उतर पाना भी एक वजह बताई गई। तालिबान एंबेसी ने माना कि उसके पास लोगों और संसाधनों की कमी हो रही है। यहां तक वीजा रिन्यूअल भी समय पर नहीं हो पा रहा। बाकी देशों में तालिबान की एंबेसी नहीं है। चूंकि कोई भी देश तालिबान को नहीं मानता है, इसलिए उसके पास आधिकारिक सरकारी दर्जा ही नहीं है। ऐसे में वो राजदूत अपॉइंट नहीं कर सकता। तालिबान ने इसके लिए बीच का रास्ता निकालकर फॉरेन मिशन नाम से अपने लोगों को विदेशों में तैनात कर रहा है। जानकार बता रहे हैं कि यहां जिस झंडे का उपयोग हो रहा है, उसे इस्लामिक एमिरेट्स ऑफ अफगानिस्तान कहा जाता है, जबकि अफगानिस्तान सरकार इस्लामिक रिपब्लिक ऑफ अफगानिस्तान के नाम से काम किया करती थी। हालांकि ये कोई डिप्लोमेटिक टेंशन नहीं, जिसकी वजह से तालिबान को ऐसा करना पड़ा। ऐसी स्थिति में भारत में बसे अफगानियों को कोई समस्या नहीं होगी। हां, वीजा या जिन जरूरतों के लिए वे लोग एंबेसी से संपर्क करते थे, उस प्रोसेस में जरूर कोई बदलाव आ सकता है। हो सकता है कि उनका कोई डिप्लोमेटिक मिशन या छोटा हिस्सा यहां काम करता रहे ताकि अपने लोगों को समय पर उचित सलाह दे सके।

पाठ्यंक्रम तय करना सरकार का काम : सुप्रीम कोर्ट

–स्कूलों में सीपीआर पढ़ाने की याचिका को सर्वोच्च न्यायालय ने किया खारिज

नई दिल्ली (एजेंसी)। स्कूली में बच्चों को क्या पढ़ाना, क्या नहीं पढ़ाना यह सरकार का काम है, इस संबंध में कोर्ट कोई निर्देश नहीं दे सकती है। बता दें कि हार्ट अटैक से जान बचाने में कारगर सीपीआर तकनीक को स्कूली पाठ्यक्रम में शामिल करने की मांग को लेकर एक याचिका लगाई थी, जिसपर सुप्रीम कोर्ट ने सुनवाई से इंकार कर दिया है। सुनवाई के दौरान सीजेआई जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा कि याचिका में की गई मांग सरकार के नीतिगत मसलों के तहत आती है। सरकार को तय करना है कि स्कूली बच्चों का पाठ्यक्रम क्या हो। ऐसी अनगिनत चीजे़ हो सकती हैं जिनकी जानकारी बच्चों को पढ़ाई के दौरान ही होनी चाहिए पर कोर्ट अपनी ओर से उन सब को पाठ्यक्रम में शामिल करने का निर्देश नहीं दे सकता। हालांकि सुप्रीम कोर्ट ने याचिकाकर्ता से कहा कि इस बाबत आप चाहें तो सरकार को ज्ञापन दे सकते हैं। बता दें कि सीपीआर सिखाने की मांग करने वाली याचिका पर याचिकाकर्ता ने मांग की थी कि हाल के समय में हार्ट अटैक से मौत के बढ़ते मामलों को देखते हुए स्कूलों में बच्चों को हृदय रोग संबंधी शिक्षा दी जानी चाहिए।

याचिका में आपातकालीन स्थिति में सीपीआर के जरिए मरीज की सहायता कैसे की जाए, इसकी भी मांग की गई थी। लेकिन कोर्ट ने इस पर सुनवाई करने से इनकार कर दिया। सीजेआई ने कहा कि बच्चे क्या पढ़ें, यह हम तय नहीं कर सकते। बताया गया ?कि बीते कुछ महीनों से ऐसी कई घटनाएं सामने आ रही हैं जिसमें स्कूली बच्चे भी हार्ट अटैक के शिकार हुए हैं। इसी साल पिछले सितंबर माह में लखनऊ के सिटी मांटेसरी स्कूल में नौवीं कक्षा के एक छात्र की अचानक मौत हो गई थी। उस छात्र की मौत को भी हार्ट अटैक से मौत माना गया था। इसी तरह अक्टूबर के महीने में राजस्थान के बीकानेर में एक मासूम की देखते ही देखते तबीयत खराब हुई और उसकी मौत हो गई। इस तरह के कई और मामले देखे गए हैं।

विधानसभा से सस्पेंड हुए भाजपा नेता सुवेंदु अधिकारी, स्पीकर के अपमान का आरोप

कोलकाता (एजेंसी)। भाजपा नेता और विपक्ष के नेता सुवेंदु अधिकारी को मंगलवार को पश्चिम बंगाल विधानसभा से निलंबित कर दिया गया। उन्हें विधानसभा के शीतकालीन सत्र से निलंबित कर दिया गया था। उन पर विधानसभा अध्यक्ष के खिलाफ कथित तौर पर अपमानजनक टिप्पणी करने का आरोप लगाया गया है। सत्ता पक्ष के विधायक तापस राय ने सुवेंदु को निलंबित करने का प्रस्ताव विधानसभा से लाया था। उन्होंने अपने प्रस्ताव में कहा कि संविधान दिवस पर एक संकल्प पर चर्चा के दौरान अधिकारी ने सदन के अंदर नारे लगाये। इसके बाद, वह और अन्य भाजपा विधायक अध्यक्ष की चेतावनी के बावजूद सदन से बाहर चले गये।

सोमवार को राज्य विधानसभा में तृणमूल कांग्रेस और भारतीय जनता पार्टी के बीच राजनीतिक खींचतान देखने को मिली। सूत्रों के मुताबिक, केंद्र बिंदु बीजेपी का प्रस्ताव था। बीजेपी ने राज्य सरकार की नीतियों पर चर्चा का प्रस्ताव रखा, लेकिन प्रस्ताव को मंजूरी नहीं मिली। केवल प्रस्ताव पढ़ने की अनुमति दी गई, जिसके बाद भाजपा ने वॉकआउट कर दिया। विधानसभा कक्ष के बाहर बीजेपी विधायकों ने धरना दिया। तृणमूल के सभी लोगों पर चोर होने का आरोप लगाते हुए नारे लगाये गये। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) और तृणमूल कांग्रेस के नेताओं ने एक-दूसरे के खिलाफ नारे लगाए और जुबानी हमले किए। तृणमूल के आरोपों का जवाब देते हुए उन्होंने कहा, 'क्या जनता ने हमें यहां झगड़ा करने या वेतन वसूलने के लिए भेजा है? इसलिए, हमने वही किया है जो भाजपा कर रही है।'

पश्चिम बंगाल में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) इकाई के समर्थकों ने सोमवार को पार्टी के एक कार्यकर्ता की गिरफ्तारी के विरोध में पश्चिम बंगाल के पूर्व मेदिनीपुर जिले के खेजुरी में राज्य राजमार्ग को अवरुद्ध कर दिया और रैलियां निकालीं। भाजपा ने अपने 12 घंटे के बंद के आह्वान के समर्थन में विरोध प्रदर्शन किया। एक अधिकारी ने कहा कि खेजुरी में सड़क से वाहनों की आवाजाही सुनिश्चित करने के लिए अवरुद्ध हटाने के प्रयास किए जा रहे हैं। राज्य राजमार्ग को अवरुद्ध करने के लिए प्रदर्शनकारियों ने मार्ग पर लट्ठे डाल दिए। भाजपा ने खेजुरी में 12 घंटे के बंद का आह्वान किया है और आरोप लगाया कि पुलिस द्वारा पार्टी कार्यकर्ताओं को मनगढ़ंत मामलों में गिरफ्तार किया जा रहा है।

उपराष्ट्रपति धनखड़ ने पीएम मोदी की कुछ ज्यादा ही कर दी तारीफ, विपक्ष ने घेरा

नई दिल्ली । उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने इस बार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तारीफ कुछ ज्यादा ही कर दी। नतीजा ये हुआ कि धनखड़ विपक्ष के निशाने पर आ गए। दरअसल धनखड़ ने जैन गुरु और दार्शनिक श्रीमद राजचंद्रजी को समर्पित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि मैं आपको एक बात बताना चाहता हूं। बीती सदी के महापुरुष महात्मा गांधी थे। इस सदी के युगपुरुष नरेंद्र मोदी हैं। उन्होंने कहा कि महात्मा गांधी ने सच्चाई और अहिंसा से हमें ब्रिटिशों की गुलामी से आजाद कराया था। प्रधानमंत्री मोदी ने हमें प्रगति की राह पर आगे बढ़ाया, जिसे हम हमेशा देखना चाहते थे। उपराष्ट्रपति ने कहा कि महात्मा गांधी और पीएम मोदी दोनों ने श्रीमद राजचंद्रजी की शिक्षा को दर्शाती हैं।

धार्मिक स्थलों पर यूपी सरकार का एक्शन, उतरवाए गए अवैध रूप से लगे लाउडस्पीकर

लखनऊ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश में राज्य पुलिस ने धार्मिक स्थानों सहित सार्वजनिक स्थानों पर लाउडस्पीकरों के खिलाफ एक महीने का अभियान शुरू किया है, जिसमें डेसिबल स्तर और वैधता की जांच की जा रही है। पहले दिन 3,238 अवैध लाउडस्पीकर हटाए गए और 7,288 लाउडस्पीकरों का डेसिबल स्तर कम किया गया। अवैध रूप से लगाए गए लाउडस्पीकरों के खिलाफ पिछले अदालती फैसलों के बाद इस अभियान का आदेश दिया गया है। अकेले आगरा में 187 लाउडस्पीकर हटा दिए गए और 79 लाउडस्पीकरों का डेसीबल स्तर कम कर दिया गया। उत्तर प्रदेश सरकार के निर्देशों के अनुपालन में, कानपुर पुलिस ने 26 नवंबर को शुरू हुए एक अभियान में 300 लाउडस्पीकरों को हटा दिया, जो निर्धारित मानदंडों का उल्लंघन कर रहे थे। कानपुर पुलिस की यह कार्रवाई उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा मानदंडों के विरुद्ध या निर्धारित डेसिबल सीमा से अधिक चलने वाले लाउडस्पीकर या ध्वनि एम्पलीफायरों को हटाने के आदेश पारित करने के बाद आई है। एक वीडियो में, हिंदू और मुस्लिम समुदायों के धार्मिक नेताओं को कानपुर पुलिस कर्मियों की मौजूदगी में मंदिरों और मस्जिदों से लाउडस्पीकर हटाते हुए देखा जा सकता है। कानपुर पुलिस की मुहिम को देखकर शहर भर के कई धर्मगुरुओं ने भी खुद ही लाउडस्पीकर हटा दिए हैं। अपने अभियान में, पुलिस ने शहर भर के कई मंदिरों, मस्जिदों और अन्य धार्मिक स्थानों से लगभग 300 लाउडस्पीकर हटा दिए। पिछले साल अप्रैल में राज्य सरकार ने भी पूरे राज्य में धार्मिक स्थलों से लाउडस्पीकर हटाने के लिए इसी तरह का अभियान चलाया था। उल्लंघन करने वालों को नोटिस दिया गया और कड़ी कार्रवाई की चेतावनी दी गई। महीने भर चलने वाले अभियान के लिए हर जिले में वरिष्ठ अधिकारियों की पुलिस टीमें गठित की गई हैं।

राज्य पुलिस मुख्यालय से प्राप्त विवरण के अनुसार सोमवार को अभियान के पहले दिन राज्य भर में सार्वजनिक/धार्मिक स्थानों पर लगे 61,399 लाउडस्पीकरों की जांच की गई। अधिकारियों ने कहा कि 3238 अवैध लाउडस्पीकरों को हटा दिया गया, जबकि 7288 लाउडस्पीकरों का डेसीबल स्तर, जो अनुमेय सीमा से अधिक था, कम कर दिया गया। इलाहाबाद उच्च न्यायालय और उसकी लखनऊ पीठ ने कई मौकों पर राज्य सरकार को अवैध रूप से लगाए गए लाउडस्पीकरों के खिलाफ कार्रवाई करने का निर्देश दिया था। अदालत ने बदायूँ जिले के एक निवासी की याचिका को खारिज करते हुए यह आदेश पारित किया था, जिसने शिकायत की थी कि जिले की बिसौली तहसील के उप-विभागीय मजिस्ट्रेट (एसडीएम) ने अजान के लिए लाउडस्पीकर का उपयोग करने के उनके अनुरोध को अस्वीकार कर दिया था।

विश्व का सबसे बड़ा ग्लेशियर टूटकर हुआ अलग

- ग्रेटर लंदन से भी है बड़ा साइज

लंदन । ग्रेटर लंदन से ज्यादा आकार वाला विश्व का सबसे बड़ा ग्लेशियर अब टूट कर अलग हो चुका है। यह पहले अंटार्कटिका का हिस्सा था, और अब अलग हो गया है। इससे जुडे खतरे पर वैज्ञानिकों की नजर इस पर टिकी है। इसका नाम ए23ए ग्लेशियर रखा गया है। यह ग्लेशियर साल 1986 में अंटार्कटिक के तट से अलग हो गया था। हाल के महीनों में हवाओं और धाराओं के कारण ग्लेशियर ए23ए की बहाव की गति में तेज़ी आ गई है। इसने ज़मीन पर आकर एक प्रकार का 'बर्फ द्वीप' बना दिया है। बताया जा रहा है कि, 'इसकी हलचल जल्द ही इसे अंटार्कटिक जलक्षेत्र से आगे ले जा सकती है।' ग्लेशियर ए23ए का क्षेत्रफल लगभग 4000 स्क्वार किलोमीटर है। इसका आकार ग्रेटर लंदन से दोगुना से भी अधिक है। 1986 में जब यह अंटार्कटिका से अलग हुआ तो इस पर एक सोवियत संघ का अनुसंधान केंद्र था, लेकिन ग्लेशियर ए23ए अंटार्कटिका से अलग होने के बाद वेडेल सागर में 'समा' गया था, लेकिन 40 साल तक अपनी जगह पर रहने के बाद यह फिर से आगे की ओर बढ़ने लगा है। ब्रिटिश अंटार्कटिक सर्वेक्षण के रिमोट सेंसिंग विशेषज्ञ डॉ एंड्रयू फ्लेमिंग ने बताया, 'मैंने अपने कुछ सहकर्मियों से ग्लेशियर ए23ए आए बदलाव के बारे में पूछा था। मुझे लगा कि क्या शेल्फ़ के पानी के तापमान में कोई संभावित बदलाव था, जिसने इसे बहाव उकसाया होगा।' इसने साल 1986 में टूटने के बाद किसी प्राकार की गतिविधि करना बंद कर दिया था। धीरे-धीरे इसका आकार (आकार में) इतना कम हो गया कि इसकी पकड़ ढीली हो गई और यह फिर से हिलना शुरू कर दिया था। 2020 में पहली बार इसमें हलचल दिखाई दी थी। हाल के महीनों में हवाओं और धाराओं के कारण ए23ए की गति तेज़ हो गई है। ऐसी भविष्यवाणी की जा रही है कि यह अटलांटिक महासागर के दक्षिणी भाग में दक्षिण जॉर्जिया नामक द्वीप को डूबा देगा। यह द्वीप लाखों सील, पेंगुइन और अन्य पक्षियों का घर है।

18 साल बाद भी भारत-अमेरिका असैन्य परमाणु करार नहीं ले सका मूर्त रूप

वाशिंगटन । 18 साल से अधिक समय के बाद भी भारत और अमेरिका के बीच असैन्य परमाणु समझौता मूर्त रुप नहीं ले सका है। इसके पीछे अनेक कारण बताए जा रहे हैं। एक शीर्ष अमेरिकी विशेषज्ञ ने कहा है कि टाटा चेयर फॉर स्ट्रेटेजिक अफेयर्स और प्रतिष्ठित 'कार्नेगी एनडाऊमेंट फॉर इंटरनेशन पीस' के वरिष्ठ शोधवेत्ता एशले जे टेलिस ने कहा कि भारत ने अभी तक उन बाधाओं को दूर नहीं किया है जो अमेरिका से परमाणु रिएक्टरों की खरीद को रोकती हैं, वहीं अमेरिका दूरदर्शिता के साथ नीति पर खरा नहीं उतर सका है। उन्होंने 'कार्नेगी एनडाऊमेंट फॉर इंटरनेशन पीस' के सोमवार को प्रकाशित मुखपत्र में लिखा कि 2005 में हुए असैन्य परमाणु समझौते को अंतत: लागू करने की अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन की महत्वाकांक्षा भारत को अमेरिकी परमाणु रिएक्टरों की बिक्री के साथ खत्म नहीं हो सकती है। उन्होंने कहा कि इसके बजाय लंबे समय से चली आ रहीं अमेरिकी नीतियों में संशोधन होने तक विस्तार करना चाहिए जो भारत के परमाणु हथियार कार्यक्रम के अस्तित्व को गहन तकनीकी सहयोग कर सके। इस पर टेलिस ने कहा कि जहां तक भारत की बात है तो वह परमाणु करार के लागू होने के दौरान की गईं लिखित प्रतिबद्धताओं के अनुरूप उन अवरोधों को लंबे समय से दूर नहीं कर पाया है जो अमेरिका से परमाणु रियेक्टरों की उसकी खरीद को रोक रहे हैं। जहां तक अमेरिका की बात है तो एक अलग ही तरह की चुनौती है कि वह दूरदर्शिता के साथ नीतियों पर खरा नहीं उतर रहा। उन्होंने कहा कि बाइडन की सितंबर में हुई भारत यात्रा के बाद संयुक्त घोषणापत्र में कहा गया कि दोनों नेताओं ने परमाणु ऊर्जा में भारत-अमेरिका सहयोग को सुविधाजनक बनाने के अवसरों का विस्तार करने के लिए दोनों पक्षों की संबंधित संस्थाओं के बीच गहन विचार-विमर्श का स्वागत किया, जिसमें सहयोगात्मक रूप से अगली पीढ़ी के छोटे मॉड्यूलर भी शामिल किए गए है।

दक्षिणपूर्व ब्राज़ील में वाहनों की दुर्घटना में 6 की मौत

रियो डी जनेरियो । दक्षिणपूर्वी ब्राजील में इगारेपे पर्वत श्रृंखला में एक राजमार्ग पर हादसा होने के समाचार हैं। यहां पर 13 वाहनों की आपसी टक्कर में सोमवार को कम से कम छह लोगों की मौत हो गई। स्थानीय मीडिया ने अग्निशमन विभाग की रिपोर्ट के आधार पर यह जानकारी दी। दुर्घटना मिनस गेरैस राज्य की राजधानी बेलो होरिज़ोंटे के महानगरीय क्षेत्र में उस समय हुयी। उस समय 27 टन लोहा ले जा रहा एक ट्रक स्पष्ट रूप से नियंत्रण खो बैठा और दो अन्य भारी वाहनों से टकरा गया और यह हादसा हो गया। पुलिस जांच में जुटी हुई है।

यूक्रेन में आया बफ़ीला तूफ़ान, 5 की मौत, 19 हुए घायल

कीव । यूक्रेन में बर्फीला तूफान आने से 5 लोगों की मौत हो गई जबकि 19 लोग घायल हो गए। इस बात की पुष्टि यूक्रेन के राष्ट्रपति वलोदिमोर ज़ेलेंस्की ने सोमवार देर रात की। उन्होंने कहा कि देश के दक्षिणी क्षेत्र ओडेसा में भीषण तूफ़ान के कारण कम से कम पांच लोगों की मौत हो गई है और 19 घायल हो गए हैं। इस मामले में अधिकारियों ने कहा कि यूक्रेन में सोमवार रात भयंकर बर्फीला तूफान आया, जिससे 17 क्षेत्रों में यातायात बुरी तरह से बाधित हुआ और बिजली गुल हो गई। वहीं देश के ऊर्जा मंत्रालय ने सोशल मीडिया पर जारी पोस्ट में कहा कि तेज हवाओं ने बिजली ग्रिड को नुकसान पहुंचाया है। लिहाजा देश में 1,500 से अधिक बस्तियों में बिजली गुल हो गयी। ऊर्जा मंत्रालय ने कहा कि दक्षिणी ओडेसा और मायकोलाइव क्षेत्र, मध्य निप्रॉपेट्रोस क्षेत्र और उत्तरी कीव क्षेत्र बफ़ीले तूफ़ान से सबसे अधिक लोग प्रभावित हुए।

न्यूयॉर्क में मां को ही चाकू दिखाकर मौत के घाट उतार देने की धमकी

वॉशिंगटन । अमेरिका के न्यूयॉर्क शहर से हैरान कर देने वाला मामला सामने आया है। यहां शख्स ने अपनी मां को ही चाकू दिखाकर मौत के घाट उतार देने की धमकी दी। रिपोर्ट के अनुसार, शख्स ने अपनी मां को जान से मारने की धमकी देकर जबरदस्ती पास के एटीएम में बाल खींचकर घसीटने की कोशिश की और मां को बेरहमी से पीटा। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। रिपोर्ट में घटनास्थल पर मौजूद लोगों के हवाले से बताया कि, आरोपी एक बिल्डिंग से बाहर आया और उसने अपनी मां के बाल पकड़ लिए, इसके बाद आरोपी ने आसपास खड़े लोगों को दूर रहने का निर्देश दिया। वह कथित तौर पर चिल्लायास मेरे पास मत आओ, मैं उसे मारने जा रहा हूं। वहां मौजूद लोगों ने बताया कि आरोपी के हाथ में चाकू था, वह अपनी मां के बालों को पीछे से पकड़े हुए था। इसके बाद उसने उन्हें सड़क पर धक्का दे दिया। आरोपी को गिरफ्तार करते समय पुलिस को मुठभेड़ का सामना करना पड़ा है। उसकी गिरफ्तारी के दौरान 2 पुलिस अधिकारियों को चोटें आईं। संदिग्ध को निहत्था करते समय एक अधिकारी के हाथ में कट लगा और दूसरे को घुटने में चोट लगी।

रूसी विदेश मंत्री ने जयशंकर का समर्थन कर कहा, दुनिया सिर्फ यूरोप से कहीं अधिक

मॉस्को । रूसी विदेश मंत्री सर्गेई लावरोव ने वैश्विक संरचना और बहुध्रुवीयता में आए बदलाव के बारे में विस्तार से बात करते हुए भारत के विदेश मंत्री एस जयशंकर की बात का समर्थन किया है। उन्होंने कहा, दुनिया यूरोप से कहीं अधिक है और दुनिया पश्चिम से भी कहीं अधिक है। रूसी विदेश मंत्रालय ने विदेश मंत्री लावरोव के हवाले से कहा, दुनिया में मौजूदा समय में कई ध्रुव बने हैं। वर्तमान संस्करण का मुख्य अंतर वास्तव में वैश्विक अनुपात हासिल करने का मौका है और संयुक्त राष्ट्र चार्टर के मूल सिद्धांत पर भरोसा करना है, जिसमें राज्यों की संप्रभुता एक समान है। पहले, वैश्विक महत्व के निर्णय स्पष्ट कारणों से, पश्चिमी समुदाय से आने वाली प्रमुख आवाज वाले देशों के एक छोटे समूह द्वारा लिए जाते थे। गौरतलब है कि यूक्रेन में संघर्ष के बीच रूसी तेल खरीदने के भारत के रुख का बचाव कर विदेश मंत्री जयशंकर ने भी इस तरह का बयान दिया था। जयशंकर ने कहा था, यूरोप को इस मानसिकता से बाहर आना होगा कि यूरोप की समस्याएं दुनिया की समस्याएं हैं, लेकिन दुनिया की समस्याएं यूरोप की समस्याएं नहीं हैं। लावरोव ने कहा कि आज ग्लोबल साउथ और ग्लोबल ईस्ट का प्रतिनिधित्व करने वाले नए खिलाड़ियों ने अंतरराष्ट्रीय राजनीतिक मंच पर कदम रखा है और उनकी संख्या लगातार बढ़ रही है। रूसी विदेश मंत्री ने कहा, हम उचित रूप से उन्हें वैश्विक बहुमत कहते हैं।

यरुशलेम में गाजा में बंधक बनाए गए इजरायली बंधकों के पोस्टर देख रहे लोग। हमास ने सोमवार को गाजा में बंद इजरायली बंधकों के चौथे बैच को रिहा कर दिया आने वाले दिनों में इजरायल और अन्य देशों के बंधकों के मुक्त होने की उम्मीद है।

ब्रिटेन में एच1एन2 से संक्रमित हुआ एक शख्स, स्वास्थ्य सुरक्षा एजेंसी हुई सतर्क

लंदन । दुनिया के कई देश इन दिनों खतरनाक बीमारियों से जूझ रहे हैं। एक ओर जहां चीन में निमोनिया ने कोहराम मचा रखा है। वहीं अब स्वाइन फ्लू के एच1एन2 ने ब्रिटेन की चिंता को बढ़ा दिया है। सूअरों में मिलने वाले यह स्ट्रेन एक इंसान में मिलने का पहला मामला सामने आया है। यूके स्वास्थ्य सुरक्षा एजेंसी ने इसकी पुष्टि की है। सांस संबंधित परेशानी होने पर युवक का टेस्ट किया गया था। इस दौरान उसके अंदर स्वाइन फ्लू स्ट्रेन एच1एन2 पाया गया। बता दें कि यह वायरस सूअरों में पाया जाता है। लेकिन किसी इंसान में फ्लू के इश स्ट्रेन का ब्रिटेन में यह पहला मामला है। शख्स के अंदर स्वाइन फ्लू के हल्के लक्षण थे और वह पूरी तरह से अभी ठीक है। हालांकि अभी ये नहीं पता चल पाया है कि स्वाइन फ्लू का यह स्ट्रेन कितना खतरनाक है। स्वाइन फ्लू का यह स्ट्रेन जिस व्यक्ति में मिला है, उसका सूअरों के साथ काम करने का या कोई संपर्क रहने की भी बात सामने नहीं आई है। वहीं यूकेएचएसए ने कहा कि इस स्ट्रेन से महामारी फैलने की संभावना पर अभी कुछ भी टिप्पणी करना जल्दबाजी होगा। संस्था ने कहा कि स्वास्थ्य अधिकारी लगातार संक्रमण के सोर्स का पता लगाने में जुटे हुए हैं। लेकिन अभी इसका सोर्स नहीं मिला है। पिछले 20 वर्षों में दुनिया भर में ए(एच1एन2)वी के 50 मानव मामले सामने आए हैं। यूके स्वास्थ्य सुरक्षा एजेंसी (यूकेएचएसए) ने कहा कि मरीज को हल्की बीमारी का अनुभव हुआ था और वह पूरी तरह से ठीक हो गया है। नियमित राष्ट्रीय फ्लू निगरानी के दौरान संक्रमण का पता चला था और संक्रमण का स्रोत का पता नहीं चला। यूकेएचएसए में निदेशक मीरा चंद ने कहा, 'फ्लू की नियमित निगरानी और जीनोम सीक्वेंसिंग जारी रखने की वजह से हम इस वायरस का पता लगाने में कामयाब रहे।

मानवाधिकार संस्था का बड़ा आरोप, मानव अंगों को चुरा रहे इजराइली सैनिक

-कई शवों से किडनी, लीवर, हार्ट और कॉर्निया नहीं

गाजा (एजेंसी)। मिडिल-ईस्ट और नॉर्थ अफ्रीका एवं यूरोप में मानवाधिकारों के लिए काम करने वाली संस्था यूरो-मेड ह्यूमन राइट्स मॉनिटर ने आरोप लगाया है कि इजरायली सेना गाजा संघर्ष में मारे गए फिलिस्तीनियों की लाशों से उनके अंगों को चुरा रही है। मानवाधिकार संस्था ने मामले की स्वतंत्र अंतरराष्ट्रीय जांच का आह्वान किया है। संस्था का आरोप है कि इजरायली सुरक्षा बल के जवान कब्र खोदकर भी फिलिस्तीनी लाशों से अंग चुरा रहे हैं।

रिपोर्ट में कहा गया है कि मानवाधिकार संस्था ने इजरायली सेना द्वारा उत्तरी गाजा पट्टी में अल-शिफा मेडिकल कॉम्प्लेक्स और इंडोनेशियाई अस्पताल से दर्जनों शवों को जब्त करने और तथाकथित सुरक्षित गलियारे - सलाह-अल-दीन और उसके आसपास से अन्य शवों को जब्त करने का दस्तावेजीकरण किया है। जिनेवा स्थित संगठन के अनुसार, इजरायली सेना ने अल-शिफा अस्पताल के एक प्रांगण में सामूहिक कब्र से शवों को खोदकर भी निकाला है। रिपोर्ट में कहा गया है कि दर्जनों लाशों को रेड क्रॉस की अंतर्राष्ट्रीय समिति को भी सौंपा गया है, जिसमें उन्हें दफनाने की प्रक्रिया को पूरा करने के लिए दक्षिणी गाजा पट्टी में पहुंचाया गया है। वहां भी इजरायली सेना ने दर्जनों शवों को अपने पास रखा हुआ है।

मीडिया रिपोर्ट में कहा गया है कि मानवाधिकार

संगठन ने गाजा पट्टी में तैनात कई चिकित्सा पेशेवरों की रिपोर्ट का हवाला देकर लाशों से अंग चोरी के बारे में चिंता व्यक्त की है। इन चिकित्सकों ने कुछ शवों की जांच की थी। रिपोर्ट में कहा गया है कि जांच में पाया गया कि कोक्लीयर (कान के पार्ट) और कॉर्निया (आंख के पार्ट) के गायब होने के साथ-साथ लिवर, किडनी और हार्ट जैसे अन्य महत्वपूर्ण अंग भी शामिल हैं।

गाजा पट्टी में कई फिलिस्तीनी अस्पतालों के डॉक्टरों ने यूरो-मेड मॉनिटर टीम को बताया कि अंग चोरी को केवल फोरेंसिक चिकित्सा जांच से साबित या अस्वीकार नहीं किया जा सकता है, क्योंकि मौत से पहले कई शरीरों की शल्य चिकित्सा की जाती है।

मीडिया रिपोर्ट्स में कहा गया है कि इजरायल का मृत फिलिस्तीनियों के शवों को अपने पास रखने का इतिहास रहा है। इजराइल ने करीब 145 फ़िलिस्तीनियों के अवशेषों को अपने मुर्दाघरों में और लगभग 255 को जॉर्डन की सीमा के पास अपने तथाकथित नंबर्स कब्रिस्तान में रख रखा है, जो जनता की पहुंच से बाहर है। इसके अलावा इजरायल ने 75 लापता लोगों के अवशेष भी रख रखे हैं जिनकी पहचान अबतक नहीं की गई है।

समुद्र के अंदर सीक्रेट सुरंग बनाने की तैयारी में रूस और चीन

-यह सुरंग रूस को क्रीमिया से जोड़ेगी

वाशिंगटन (एजेंसी)। रूस और चीन साथ मिलकर समुद्र के अंदर एक सीक्रेट सुरंग बनाने पर चर्चा कर रहे हैं। 17 किलोमीटर (11 मील) लंबी यह सुरंग रूस को क्रीमिया से जोड़ेगी। रिपोर्ट के मुताबिक दोनों देशों के कारोबारी ने रूस-क्रीमिया टनल प्रोजेक्ट पर बातचीत की है। रूस और चीन की नजदीकियां किसी से छुपी नहीं हैं, लेकिन यहां हैरानी की बात है कि चीन उस इलाके में प्रोजेक्ट पर रूस का साथ देने की सोच रहा है, जिसे चीन मान्यता नहीं देता। दरअसल, रूस ने 2014 में क्रीमिया पर कब्जा कर लिया था। चीन ने अब तक कब्जे को मान्यता नहीं दी है। चीन अब भी क्रीमिया को रूस का हिस्सा नहीं मानता है।

रिपोर्ट के मुताबिक, रूस और चीन समुद्र के अंदर जिस सीक्रेट सुरंग को बनाने पर चर्चा कर रहे हैं, उस कर्च ब्रिज के विकल्प के तौर पर देखा जा रहा है। दरअसल, रूस-यूक्रेन जंग के बीच 8 अक्टूबर 2022 को यूक्रेनी सैनिकों ने कर्च ब्रिज पर हमला कर दिया था। धमाके में पुल का एक हिस्सा गिर गया था। रिपोर्ट के मुताबिक चाइनीज रेलवे कंस्ट्रक्शन कॉर्पोरेशन (सीआरसीसी) ने बताया कि उनके कर्मचारी क्रीमिया में रेलवे और सड़क बनाने से जुड़े प्रोजेक्ट पूरे करने के लिए तैयार हैं। सीआरसीसी चीन की सरकारी कंपनी है। रिपोर्ट में रूसी कारोबारी व्लादिमिर कलयुजनी के ई-मेल के हवाले से कहा गया कि उन्होंने सुरंग परियोजना के लिए ठेकेदार के रूप में काम करने में रुचि जाहिर किया है। हालांकि कलयुजनी ने इस बात को खारिज किया। उन्होंने रूस और सीआरसीसी के बीच किसी भी तरह के सहयोग पर बात करने से साफ इंकार कर दिया।

कर्च ब्रिज सैन्य रूप से रूस के लिए बेहद अहम है। इसका बदला लेने के लिए रूस ने यूक्रेन के कई शहरों में 80 से ज्यादा मिसाइलें दागी थीं। रूस ने 2014 में यूक्रेनी इलाके क्रीमिया को अपने कब्जे में ले लिया था। इसके बाद इस इलाके को रूस से जोड़ने केलिए समंदर में कर्च पुल को बनाया था। इस ब्रिज को क्रीमिया पर रूस के कब्जे के प्रतीक के तौर पर देखा जाता है। रूस को क्रीमिया से जोड़ने वाले कर्च ब्रिज यूरोप का सबसे लंबा ब्रिज है। इसकी लंबाई 19 किलोमीटर है।

तानाशाह के जासूसी सैटेलाइट ने खींची, व्हाइट हाउस, पेंटागन और अमेरिकी नौसैनिक स्टेशनों की तस्वीरें

सोल (एजेंसी)। उत्तर कोरिया और उसके तानाशाह नेता किम जोंग उन हमेशा सुर्खियों में रहते हैं। इस बार फिर उत्तर कोरिया अपने जासूसी सैटेलाइट को लेकर चर्चा में है। उ.कोरिया ने दावा किया कि उसका पहला जासूसी सैटेलाइट अंतरिक्ष में स्थापित हो गया है, इस पिछले सप्ताह कक्षा में लांच किया गया था। इस जासूसी सैटेलाइट ने व्हाइट हाउस, पेंटागन और आसपास के अमेरिकी नौसैनिक स्टेशनों की तस्वीरें ली हैं। रिपोर्ट के अनुसार प्रमुख अमेरिकी साइटें उन क्षेत्रों की सूची में शामिल हो गई हैं, जिनका दावा है कि उत्तर कोरिया ने 21 नवंबर को शुरू की गई अपनी टोही जांच का उपयोग करके तस्वीरें खींची हैं। राज्य के आधिकारिक मीडिया ने कहा कि नेता किम जोंग उन ने रोम, गुआम में एंडरसन वायु सेना बेस, पर्ल हार्बर और अमेरिकी नौसेना के कार्ल विंसन विमान वाहक की पिछली तस्वीरों के साथ लेटेस्ट फोटो देखी हैं। मालूम हो कि दक्षिण कोरिया ने इस साल की शुरुआत में एक असफल प्रक्षेपण के बाद उ.कोरिया के जासूसी सैटेलाइट में से एक को बचा लिया और निष्कर्ष निकाला कि इस तकनीक का सैन्य महत्व बहुत कम था। जबकि सियोल का मानना है कि उत्तर कोरिया का कोई भी सैटेलाइट अल्पविकसित होगा, ऐसी तकनीक किम के शासन को अपने लक्ष्यीकरण में मदद कर सकती है, क्योंकि इससे परमाणु हमला करने की क्षमता बढ़ जाती है। उ.कोरिया ने कहा था कि सैटेलाइट कुछ ठीक ट्यूनिंग के बाद 1 दिसंबर से औपचारिक रूप से अपना टोही मिशन शुरू करेगा, लेकिन लोकल मीडिया ने कहा कि 'उपग्रह की ठीक ट्यूनिंग प्रक्रिया को एक या दो दिन पहले समाप्त करने के लिए जल्दबाजी की जा रही है।

दो दिन और बढ़ा संघर्ष विराम, 50 इजराइली समेत 69 बंधकों को छोड़ा

तेल अवीवी (एजेंसी)। तमाम मान मनोव्वल के बाद इजरायल ने दो दिन और संघर्ष विराम की घोषणा की है। अब मंगलवार और बुधवार को इजराइल गाजा पर हमला नहीं करेगा। भविष्य में जिस तरह की सहमति बनती है उसी के मुताबिक आगे रणनीति बनेगी। हमास ने मूल रूप से चार दिवसीय युद्ध विराम समझौते के तहत अदला-बदली के चौथे दौर में 11 इजराइली महिलाओं एवं बच्चों को रिहा किया, जो सोमवार रात को इजराइल पहुंचे।

युद्ध विराम समझौते के तहत 50 इजराइली बंधकों एवं अन्य देशों के 19 बंधकों को रिहा किया जा चुका है। इसके अलावा इजराइली जेलों से 117 फलस्तीनियों को रिहा किया गया है। हमास और अन्य आतंकवादियों के कब्जे में अब भी 175 बंधक होने की आशंका है और यह संख्या युद्धविराम को संभावित रूप से ढाई सप्ताह तक बढ़ाने के लिए पर्याप्त हैं लेकिन इन बंधकों में कई सैनिक शामिल हैं और हमास उनकी रिहाई के एवज में अपनी मांग बढ़ा सकता है।

इसके अलावा इजराइल द्वारा रिहा किए गए 33 फलस्तीनी कैदी मंगलवार तड़के वेस्ट बैंक के रामल्ला में पहुंचे थे। इन कैदियों की बस जैसे ही वेस्ट बैंक की सड़कों पर पहुंची, लोगों की भीड़ ने इसका स्वागत किया। यह समझौता शुक्रवार से प्रभावी हुआ था और

सोमवार को इसकी अवधि समाप्त होनी थी। कतर ने युद्ध विराम समझौते की अवधि को दो और दिन बढ़ाए जाने की घोषणा की है, जिससे इसके और आगे बढ़ने की उम्मीदें पैदा हो गई हैं। इसके कारण गाजा में और मदद पहुंचाई जा सकेगी।

इजराइली बमबारी और जमीनी हमले के कारण फलस्तीन के 23 लाख लोग बुरी तरह प्रभावित हुए हैं। इजराइल ने कहा है कि प्रत्येक अतिरिक्त 10 बंधकों की रिहाई के लिए युद्ध विराम की अवधि को एक दिन आगे बढ़ाया जा सकता है। अमेरिका और मिस्त्र के अलावा संघर्ष में अहम मध्यस्थ कतर ने "इसी शर्त के तहत दो और दिन के विस्तार पर सहमति बनने की घोषणा की। इजराइल का कहना है कि वह उस पर हमास द्वारा किए गए सात अक्टूबर के हमले के बाद से इस आतंकवादी समूह को नष्ट करने और गाजा में उसके 16 साल के शासन को समाप्त करने के लिए प्रतिबद्ध है।

भारतीय राजदूत के साथ गुरुद्वारे में हुई बदसलूकी, भड़क गया अमेरिकी सिख संगठन

वाशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका स्थित एक सिख संगठन ने न्यूयॉर्क में एक गुरुद्वारे की यात्रा के दौरान खालिस्तानियों द्वारा अमेरिका में भारतीय राजदूत तरणजीत सिंह संधू के साथ दुर्व्यवहार की कड़ी निंदा की है। इसने मंदिर प्रबंधन से इसमें शामिल लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने का भी आह्वान किया ताकि श्रद्धालु ÷बिना किसी डर या दबाव के÷ प्रार्थना कर सकें। एक समाचार एजेंसी की रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिका के सिखों ने सोमवार को जारी एक बयान में कहा कि गुरुद्वारों को व्यक्तिगत राजनीतिक विचारों से मुक्त होना चाहिए क्योंकि वे पूजा स्थल हैं। संधू रविवार (स्थानीय समय) पर लॉन्ग आइलैंड के हिक्सविले गुरुद्वारे में गुरुपर्व प्रार्थना में शामिल हुए। पीटीआई ने सूत्रों के हवाले से बताया कि गुरुद्वारे में उनका गर्मजोशी से स्वागत किया गया।

भारत के राजदूत तरणजीत सिंह संधू के साथ हुआ दुर्व्यवहार

अमेरिका की एक सिख संस्था ने सप्ताहांत में न्यूयॉर्क गुरुद्वारे की यात्रा के दौरान अमेरिका में भारत के राजदूत तरणजीत सिंह संधू के साथ दुर्व्यवहार की निंदा की तथा गुरुद्वारा प्रबंधन से इसमें शामिल लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की। सिख ऑफ अमेरिका नामक संस्था ने सोमवार को जारी एक बयान में कहा कि गुरुद्वारा पूजा स्थल हैं, लोगों को यहां व्यक्तिगत राजनीतिक विचारों से मुक्त रहना चाहिए। संधू ने रविवार को गुरुपर्व के मौके पर न्यूयॉर्क के लॉन्ग आईलैंड में स्थित हिक्सविले गुरुद्वारे में प्रार्थना की थी।

गुरुद्वारे में संधू के साथ धक्का-मुक्की किए जाने की निंदा

संधू के साथ हुई घटना का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल है। वीडियो में खालिस्तानी समर्थकों का एक समूह गुरुद्वारे के भीतर संधू के साथ धक्का-मुक्की करते तथा खालिस्तानी अलगाववादी हरदीप सिंह निज्जर के बारे में सवाल करते हुए नजर आ रहा है। निज्जर, इस साल जून में कनाडा में मारा गया था।

घटना के बाद सिख समुदाय के लोगों ने उपद्रवियों को गुरुद्वारे से बाहर निकाला। सिख ऑफ अमेरिका के संस्थापक और अध्यक्ष जसदीप सिंह जस्सी और इसके अध्यक्ष कंवलजीत सिंह सोनी ने एक संयुक्त बयान में कहा, हम गुरुद्वारा साहिब के प्रबंधन से इन उपद्रवियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने की मांग करते हैं, ताकि न्यूयॉर्क में शांतिप्रिय सिख समुदाय बिना किसी डर या दबाव के स्वतंत्र रूप से गुरुद्वारों में आ सकें।

उन्होंने कहा, राजदूत संधू गुरुद्वारा साहिब में प्रार्थना करने गए और यहां के प्रबंधन ने उन्हें सरोपा साहिब से सम्मानित किया। उसके बाद, चंद

उपद्रवियों ने उनका अनादर करने की कोशिश की और गुरुद्वारा साहिब की शांति और पवित्रता को भंग किया। गुरुद्वारा पूजा स्थल हैं और लोगों को यहां व्यक्तिगत राजनीतिक विचारों से मुक्त रहना चाहिए। बयान में कहा गया, अमेरिका का प्रमुख सिख संगठन सिख ऑफ अमेरिका, कल न्यूयॉर्क में भारतीय राजदूत तरणजीत सिंह संधू के अपमान की कड़ी निंदा करता है। खालिस्तानियों के विरोध के बावजूद संधू का हिक्सविले गुरुद्वारे में गर्मजोशी से स्वागत हुआ।

संपादकीय

अच्छा है कि आपकी समस्या का समाधान हो गया है

मानव स्वयं अपने दु:ख व कर्मों का कर्ता है । समस्या का होना व उसका सही से समाधान होना उसके हाथ में होता है । समस्या कैसी भी क्यूँ न हो उसका समाधान होता है। जटिल से जटिल बिमारी का भी सही से यथोचित निदान होता है। पर्वत का सीना चीरकर भी सुरंग बनायी है आदमी ने । परिस्थिति के आगे घुटने नहीं टेकने वाला ही महान् होता है। वाणी व्यक्ति की पहचान है। ज्ञान व विचारों का आदान प्रदान का माध्यम है । वाणी का दुरुपयोग रण भूमि का निर्माण कर सकती है । तो अमन शान्ति का पैगाम बन, चन्दन की शीतल सुहास फैला सकती है। सोये हुए का शौर्य जगा सकती है तो बहके हुए को सद राह ला सकती है। वाणी में वह शक्ति है जो सुख साम्राज्य बसा सकती है ।तो असद उपयोग से हाहाकार भी मचा सकती है। इसी लिए कहा है महापुरुष ज्ञानी ने – बोलो मित, मिष्ट, प्रियसत्य और समय और जगह देख कर बोलो। निकले शब्द ,तरकश से छूटे बाण की तरह फिर लौटके नहीं आते। कभी – कभी हम देखते है मौन से भी अनेक समस्या का हो जाता है समाधान ।वाणी का हो सदा समोचित सद उपयोग अन्यथा समस्या का पड़ने सकता है भोग। समस्याएं पैदा भी हमारा दिमाग करता है और उनका समाधान भी दिमाग ही करता है ।कोई मरकर भी जीता है तो कोई जिंदा रहते हुए भी अपने चिंतन ही से मरता है । यदि हम अपने चिंतन को सही सकारात्मक रक्खेंगे तभी तो इस जीवन को जीने का स्वाद चक्खेंगे । आसक्ति है सबसे बड़ा बंधन। आसक्ति से मुक्ति का सही से उपाय है आत्म दर्शन। जिसके मन में कोई चाह नहीं वह कही पर भी रह सकता है प्रसन्न ।हमारी सुरक्षा है हमारे ही भीतर ।संयम है सबसे बड़ा सुरक्षा कवच ।जहां संयम होता है वहां अभय की सही से चेतना स्वत: हो जाती जागृत। संयम सधता जाएगा जैसे – जैसे होगा ममत्त्व विसर्जन ।जहां भय है वहां हिंसा है निश्चित ।दो जगत है एक पदार्थ का व एक आत्मा का जगत ।पदार्थ जगत के है तीन परिणाम– भय,तनाव और अतृप्ति। आत्मा के भी है तीन परिणाम–अभय,तनाव–मुक्ति और सहज तृप्ति। कुछ देर अपने भीतर देखने का करें हम अभ्यास। कितनी ही समस्याओं का स्वत: समाधान अपने आप हो जाएगा प्राप्त। समस्या और दु:ख एक नहीं है। समस्या आये तो सुलझाएं आनंद के साथ। देख समस्या को न घुटने टेकें और न ही मनोबल गिराएं । संयम का करें विकास। अनासक्ति का करें विकास। जीवन का ऐसा कोई क्षेत्र नहीं जहाँ समस्या नहीं पर ऐसी कोई समस्या नही की जिसका समाधान न प्राप्त किया जा सके। यद्यपि हर मर्ज की दवा है मगर समस्या यहाँ पर आती है कि मर्ज क्या है ?

प्रदीप छाजेड़
(बोरावड़)

आज का राशीफल

मेष — व्यावसायिक समस्या सुलझाने में आप सफल होंगे। वाणी की सौम्यता आपके लिए लाभदायी होगी। शासन सत्ता का सहयोग रहेगा। आर्थिक लाभ होगा। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा।

वृषभ — जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें।

मिथुन — पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें। कोई महत्वपूर्ण निर्णय न लें। प्रणय संबंधों में प्रगाढ़ता आयेगी। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे।

कर्क — पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। निजी संबंधों में प्रगाढ़ता आयेगी। वाहन प्रयोग में सावधानी अपेक्षित है।

सिंह — दाम्पत्य जीवन सुखमय होगा। राजनैतिक महत्वाकांक्षा की पूर्ति होगी। आय और व्यय में संतुलन बना कर रखें। आपके प्रभाव तथा वर्चस्व में वृद्धि होगी। तनाव व टकराव की स्थिति आपके लिए हितकर नहीं होगी।

कन्या — शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। भाग्यवश कुछ ऐसा होगा जिसका आपको लाभ मिलेगा। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। व्यर्थ की भागदौड़ रहेगी।

तुला — पारिवारिक जीवन सुखमय होगा। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा। आपके पराक्रम तथा वर्चस्व में वृद्धि होगी। आय के नए स्त्रोत बनेंगे। स्वास्थ्य के प्रति सचेत रहें।

वृश्चिक — बेरोजगार व्यक्तियों को रोजगार मिलेगा। आय के नवीन स्त्रोत बनेंगे। नेत्र विकार की संभावना है। किया गया परिश्रम सार्थक होगा। पिता या उच्चाधिकारी का सहयोग मिलेगा। व्यर्थ की उलझनें रहेंगी।

धनु — व्यावसायिक योजना सफल होगी। धन, पद, प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। उदर विकार या त्वचा के रोग से पीड़ित रहेंगे। मनोरंजन के अवसर प्राप्त होंगे। ससुराल पक्ष से लाभ होगा। धार्मिक प्रवृत्ति में वृद्धि होगी।

मकर — जीवनसाथी का सहयोग व सानिध्य मिलेगा। खान–पान में सावधानी रखें। क्रोध व भावुकता में लिया गया निर्णय कष्टकारी होगा। किया गया पुरुषार्थ सार्थक होगा। भाई या पड़ोसी से वैचारिक मतभेद हो सकते हैं।

कुम्भ — पारिवारिक जनों के मध्य सुखद समय गुजरेगा। कार्यक्षेत्र में रुकावटों का सामना करना पड़ेगा। वाणी की सौम्यता बनाये रखें। शासन सत्ता का सहयोग मिलेगा। नए अनुबंध मिलेंगे। संतान के संबंध में सुखद समाचार मिलेगा।

मीन — शिक्षा प्रतियोगिता के क्षेत्र में आशातीत सफलता मिलेगी। भाई या पड़ोसियों से अकारण विवाद हो सकता है। यात्रा देशाटन की स्थिति सुखद व लाभप्रद होगी। उपहार व सम्मान का लाभ मिलेगा।

तकनीक निर्माताओं को जवाबदेह बना घटेगा जोखिम

जो नियम-कायदे इसके लिए बने हैं, यह तकनीक उन्हीं को गच्चा देने की समर्था रखती है। एआई का समावेश सामाजिक व्यवस्था के विभिन्न पहलुओं में करने से कानून एवं व्यवस्था लागू करवाने में नई-नई चुनौतियां दरपेश हैं। ऐसी एक चिंता है तकनीक के जरिए हेराफेरी कर किसी का चरित्र हनन। ऐसे कृत्यों में सबसे आगे है एआई से बनी डीप-फेक पोस्ट्स, जो हैरानकुन वास्तविकता वाली छद्म वीडियो और ऑडियो क्लिप बनाने में सक्षम है। ऐसे डीप-फेक उत्पादों से नागरिकों की सूचना की विश्वसनीयता और प्रशासन पर यकीन घटने का बहुत बड़ा खतरा बन गया है और साथ ही कानून लागू करवाने वाली एजेंसियों के लिए असली-नकली के बीच फर्क कर पाना बहुत मुश्किल हो चला है।

शरद सत्य चौहान

पिछले दिनों प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने डीप–फेक को लेकर चिंता जताई थी, उन्होंने आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का उपयोग करके डीप–फेक बनाने को समस्यापूर्ण बताया। प्रधानमंत्री ने मीडिया से आह्वान किया कि वह लोगों को इससे संलग्न जोखिमों के बारे में शिक्षित करें। हालिया वर्षों में, एआई तकनीक में हुई तेजी से तरक्की ने नागरिक कानून एवं व्यवस्था बनाए रखने में बेहतर मौके देने के साथ–साथ नई चुनौतियां भी पेश कर दी हैं। जहां एआई तकनीक विभिन्न सामाजिक मुद्दों पर नये हल बताती है, वहीं इसने कुछ नए खतरे भी बना डाले हैं। इसमें डीप–फेक निर्माण और इसके जरिए सोशल मीडिया पर भ्रम फैलाने से जुड़े जोखिम की चुनौतियां भी शामिल हैं। एआई से चुनौती न केवल इससे जनित समस्याओं की है बल्कि इसका एक जन्मजात अवगुण यह है कि सैद्धांतिक तौर पर इनको नियंत्रित करना लगभग असंभव है। जो नियम–कायदे इसके लिए बने हैं, यह तकनीक उन्हीं को गच्चा देने की समर्था रखती है। एआई का समावेश सामाजिक व्यवस्था के विभिन्न पहलुओं में करने से कानून एवं व्यवस्था लागू करवाने में नई–नई चुनौतियां दरपेश हैं। ऐसी एक चिंता है तकनीक के जरिए हेराफेरी कर किसी का चरित्र हनन। ऐसे कृत्यों में सबसे आगे है एआई से बनी डीप–फेक पोस्ट्स, जो हैरानकुन वास्तविकता वाली छद्म वीडियो और ऑडियो क्लिप बनाने में सक्षम है। ऐसे डीप–फेक उत्पादों से नागरिकों की सूचना की विश्वसनीयता और प्रशासन पर यकीन घटने का बहुत बड़ा खतरा बन गया है और साथ ही कानून लागू करवाने वाली एजेंसियों के लिए असली–नकली के बीच फर्क कर पाना बहुत मुश्किल हो चला है। यूं तो सोशल मीडिया का एआई एल्गोरिदम प्रयोगकर्ता के उपयोग अनुभवों में इजाफा करता है, लेकिन इससे तथ्यों से छेड़छाड़, गलत सूचनाएं और सामाजिक रार पैदा करने का खतरा भी पैदा हो गया है। एआई द्वारा चालित बॉट्स और एल्गोरिदम से बैर करने वाली सामग्री से लोगों की सोच बदलने और समाज के विभिन्न तबकों के बीच ध्रुवीकरण बढ़ाया जा सकता है। लिहाजा ऑनलाइन खतरों के इस परिदृश्य से निपटने के लिए प्रतिरोधी नीतियों में निरंतर बदलाव करते रहना अनिवार्य बन गया है। भ्रामक सूचना फैलाने वाले अभियानों में, एआई चालित तकनीकें बहुत बड़े पैमाने पर दुष्प्रचार का निर्माण और प्रसार आसान बना रही हैं। जैसे–जैसे एआई तकनीक का एकीकरण महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे और सार्वजनिक व्यवस्था में हो रहा है, साइबर अटैक का जोखिम बढ़ रहा है, अतएव ऐसे अत्याधुनिक उपाय करने जरूरी हो जाते हैं, जो गतिशील एआई–चालित नीतियों के जरिए निरंतर प्रतिरोधात्मक उपाय कर सके। एआई निर्णय–निर्माण प्रक्रिया में जवाबदेही न होने से नागरिकों के भरोसे का ह्रास हो सकता है। इससे कानून–व्यवस्था लागू करवाने को यकीनी बनाने की खातिर किसी एआई मॉडल की मंशा को वक्त रहते समझ में आने योग्य समर्था पास होने की अहमियत को बल मिलता है। पक्षपातपूर्ण एल्गोरिदम से बनी चिंताएं, एआई मॉडल्स का अबाध इस्तेमाल और फेशियल रिकॉग्निशन तकनीक नागरिक निजता की स्वतंत्रता बरकरार रखने हेतु एक क्रियाशील तंत्र और नैतिकतापूर्ण एआई की स्थापना के महत्व को रेखांकित करती है। वीडियो आधारित निगरानी में एआई का समावेश बेशक निगरानी व्यवस्था में क्षमता में इजाफा होता है लेकिन इससे नई चुनौतियां भी बन रही हैं, मसलन, फुटेज में छेड़छाड़। दृश्य–प्रमाणों की विश्वसनीयता बनाए रखने को सत्यापना एवं सुरक्षा रणनीति बनाना जरूरी है। अनुमान आधारित पुलिस तैनाती, एआई एल्गोरिदम के जरिए अपराधी के संभावित वारदात–स्थल का पूर्वानुमान लगाने संबंधित प्रणाली में एक चुनौती यह भी है कि कहीं ऐसा न हो कि मौजूदा असमानता भरी प्रवृत्ति पक्षपाती एल्गोरिदम बनाने में भी कायम रहे। नागरिकों का कानून–व्यवस्था में भरोसा बनाए रखने के लिए पूर्वानुमान आधारित पुलिस तैनाती मॉडल का पक्षपात रहित रहना जरूरी है। एआई प्रणाली के अंदर एल्गोरिदम की जवाबदेही और पक्षपात रहित रहना एक चुनौती बना हुआ है, क्योंकि किन्हीं खास समूहों को निशाना बनाने और अन्यायपूर्ण शिनाख्त की संभावना है। फिर निजता संबंधी चिंताएं, खासकर फेशियल रिकॉग्निशन तकनीक से कानून व्यवस्था बनाए रखने में एआई का उपयोग और किसी व्यक्ति की निजता के बीच संतुलन कितना हो, इस पर सवाल पैदा हो रहा है। विचारपूर्ण चिंतन और क्रियान्वयन सावधानियां अनिवार्य हैं। एआई चालित निगरानी प्रणाली के व्यापक उपयोग से 'हरेक पर हर वक्त' नज़र रखने वाला निज़ाम बन जाने की भी चिंताएं पैदा हो रही हैं। नागरिक सुरक्षा और व्यक्तिगत निजता की आजादी के बीच संतुलन रखना, संभावित सामाजिक अराजकता से बचाने में महत्वपूर्ण होगा।कानूनी फैसलों की प्रक्रिया में एआई का समावेश होने पर भी जवाबदेही, पारदर्शिता और ईमानदारी बाबत सवाल उठने लगे हैं। कानूनी फैसले लेने में दक्षता बढ़ाने को एआई को अधिमान और समानता एवं पारदर्शिता बनाए रखने के बीच संतुलन बनाना प्रशासन के लिए चुनौती होगा। स्वतंत्र रूप से काम करने वाली प्रणालियां, जैसे कि एआई युक्त ड्रोन या वाहन, नागरिक सुरक्षा पर चिंता पैदा कर रहे हैं, क्योंकि दुष्ट प्रवृत्ति लोगों द्वारा इनको हैक करके दुरुपयोग की संभावना रहेगी। एआई में यह संभावना भी है कि वह कानूनी नुक्तों का दोहन और दुरुपयोग करके खुद कानून को ही गुमराह करने वाले कानूनी कमजोरियों को पहचान ले, विशेषकर साइबर अपराध नियंत्रण और एआई नियमन में। क्योंकि एआई तकनीक आभासीय गणना और मॉडलिंग के जरिए कानूनी तंत्र में मौजूद कमजोरियों को ढूंढने, खामियों और कमियों की सटीक शिनाख्त करके उन्हें उजागर करने की योग्यता रखती है। इसका स्वचालित कानून विश्लेषण, नैसर्गिक भाषा प्रसंस्करण और मशीन लर्निंग क्षमता कानून की किताबों की छानबीन करके कमजोर बिंदुओं की पहचान कर उनका दोहन किए जाने की संभावना और उन क्षेत्रों की बारीकी से पहचान कर सकती है, जहां कहीं कानून में अस्पष्टता हो। सुरक्षा की जांच करने में, एआई चालित तकनीकी उपाय साइबर अपराध और एआई नियमन से संबंधित डिजिटल व्यवस्था में व्याप्त कमज़ोरियों को उजागर करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। इस तरीके से हमें संभावित खतरों की समझ बनाने और प्रभावशाली प्रतिरोधी उपाय विकसित करने में मदद मिलेगी। एडवरसैरियल एआई तकनीक से इस खोज कार्य में एक अतिरिक्त परत जुड़ जाती है, जहां पर अनुसंधानकर्ता ऐसे एआई मॉडल बनाने में लगे हैं जो मौजूदा सुरक्षा उपायों को गच्चा देने योग्य एआई की शिनाख्त कर सके। एआई कानून–व्यवस्था लागू करवाने के स्वरूपों का पूर्व–विश्लेषण करने में भी सहायक है। पिछले समय के कानून पालना डाटा का विश्लेषण करते हुए एआई व्यवस्था पालना करवाने में चलनों और खामियों की शिनाख्त कर लेती है, यह उन गतिविधियों की बारीकी से शिनाख्त कर सकती है, जो अन्यथा नज़रअंदाज रहती हैं। यह सूक्ष्म पहचान नीति निर्धारकों को चुनौतियों से निपटने में नियामक तंत्र को परिष्कृत एवं सुदृढ़ करने में मार्गदर्शन करती है। वर्ष 2018 में कार्यबल द्वारा दी रिपोर्ट पर काम करते हुए नीति आयोग ने फरवरी, 2021 मे 'जवाबदेह एआई सिद्धांत' दस्तावेज बनाने का प्रस्ताव किया था। वर्तमान में, सरकार एआई को डिजिटल अर्थव्यवस्था, विभिन्न क्षेत्रों में उन्नति हेतु एक उत्प्रेरक की तरह लेती है और निजता संबंधी कानून, डाटा सुरक्षा, बौद्धिक संपदा एवं साइबर सुरक्षा के जरिए नियमन प्रणाली बनाने की योजना रखती है। इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना तकनीक मंत्रालय एआई को डिजिटल इंडिया अभियान के अंग के तौर पर ले रहे हैं, तो सरकार ने कौशल उन्नयन, स्वास्थ्य, रक्षा, कृषि और अंतर्राष्ट्रीय सहयोग में विकासशील पहलकदमी की है। भले ही एआई के वर्तमान फायदे संभावित खतरों पर भारी हैं, लेकिन भविष्य में दुरुपयोग और नियमन को चुनौतियों का खतरा भी है।

खामोश रहकर खुद को तपाने में ही कामयाबी

'प्राचीन समय की बात है। एक बार एक नौजवान लड़के ने बुजुर्ग से पूछा कि मुझे विस्तार से बताएं कि वास्तव में सफलता का रहस्य क्या है? बुजुर्ग युवक का सवाल सुनकर जोर से हंसे और बोले कि तुम कल मुझे नदी के किनारे मिलो, तुम्हारे सवाल का जवाब वहीं दूंगा। अगले दिन बुजुर्ग और नौजवान नदी किनारे मिले। तभी बुजुर्ग ने नौजवान से उसके साथ नदी की मंझधार की तरफ बढ़ने को कहा। बुजुर्ग की बात का विश्वास करके युवक ने ऐसा ही किया।

डॉ. योगेन्द्र नाथ शर्मा 'अरुण'

यह हमारे दौर का बड़ा संकट है कि लोग रातो–रात कामयाबी हासिल करने के सपने देखने लगते हैं। लेकिन उसके लिये जो परिश्रम व धैर्य हमारी सफलता के लिए चाहिए होता है, उसके लिए हम पूरी तरह प्रतिबद्ध नजर नहीं आते। यह वक्त की विडंबना ही कही जाएगी कि हर किसी व्यक्ति को हर चीज फटाफट ही चाहिए होती है। आज जाने क्या हो गया है नई पीढ़ी को कि हम हर समय सफलता पाने के लिए 'शार्ट कट' ढूंढ़ने लगे हैं। सब जानते हैं कि सफलता 'परिश्रम की चेरी' होती है, लेकिन फिर भी मन यही चाहता है कि 'हींग लगे न फिटकरी, रंग चोखा आ जाए।'

यह सर्वविदित तथ्य है कि कड़े परिश्रम से ही सफलता का आलिंगन किया जा सकता है। इस तथ्य को नई पीढ़ी भूलने लगी है। विश्व साहित्य में सम्मिलित हिन्दी महाकाव्य 'कामायनी' में महाकवि जयशंकर प्रसाद ने प्रलय के पश्चात 'चिंता' में डूबे मनु को यही तो संजीवनी मंत्र दिया था, जिसे आज की भौतिकतावादी भागदौड़ में हमने भुला दिया है :–

'तपस्वी! क्यों इतने हो क्लांत?
वेदना का यह कैसा वेग?
आह, तुम कितने अधिक हताश,
बताओ, कैसा यह उद्वेग?'

जीवन का सबसे बड़ा सच तो यही है न कि जब हम हिम्मत हार जाते हैं, तो सफलता दूर छिटक जाती है। सही मायने में हिम्मत और दृढ़ विश्वास से हारी बाजी भी जीत में बदल जाती है। सारे दुनिया जहान को फक्कड़ मस्त कबीर तो युगों से चेताता आ रहा है :–

'करता था तो क्यों किया, अब करि क्यों पछताय।
बोया पेड़ बबूल का, आम कहां से खाय।'

कहने का अभिप्राय यह है कि यदि हमने अपनी सफलता के अच्छे बीज बोये तो जीवन की बगिया में निश्चित रूप से फलदार वृक्ष फलों से लद जाएंगे। लेकिन यदि हमने बुराई और अकर्मण्यता के बीज बोये तो मीठे फलों की कैसे उम्मीद कर सकते हैं?

आज फिर एक शुभचिंतक ने मुझे 'सफलता' का रहस्य समझाने वाली बड़ी रोचक बोधकथा भेजी है। जो इतनी प्रेरक व अनुकरणीय है कि इस पाठकों के साथ साझा किया जाना दायित्व बनता है।

'प्राचीन समय की बात है। एक बार एक नौजवान लड़के ने बुजुर्ग से पूछा कि मुझे विस्तार से बताएं कि वास्तव में सफलता का रहस्य क्या है? बुजुर्ग युवक का सवाल सुनकर जोर से हंसे और बोले कि तुम कल मुझे नदी के किनारे मिलो, तुम्हारे सवाल का जवाब वहीं दूंगा। अगले दिन बुजुर्ग और नौजवान नदी किनारे मिले। तभी बुजुर्ग ने नौजवान से उसके साथ नदी की मंझधार की तरफ बढ़ने को कहा। बुजुर्ग की बात का विश्वास करके युवक ने ऐसा ही किया। और जब, आगे बढ़ते–बढ़ते नदी का पानी युवक के गले तक पहुंच गया, तो अचानक बुजुर्ग उस लड़के का सिर पकड़ कर पानी में डुबोने लगा और युवक छटपटाने के साथ ही बुजुर्ग के पंजे से बाहर निकलने के लिए संघर्ष करने लगा। हुआ यह कि बुजुर्ग ताकतवर था और उसने युवक को तब तक डुबोये रखा, जब तक वो मरणासन्न नहीं हो गया। फिर बुजुर्ग ने उसका सिर पानी से बाहर निकाल दिया। सिर बाहर निकलते ही जो चीज उस लड़के ने सबसे पहले की, वो थी 'हांफते–हांफते तेजी से सांस लेना'। बुजुर्ग ने उसकी पीठ सहलाते हुए पूछा, 'जब तुम डूब रहे थे, तो तुम सबसे ज्यादा क्या चाहते थे?'

लड़के ने उत्तर दिया, 'सिर्फ सांस लेना।' इस पर उन बुजुर्ग ने कहा, 'बस, यही सफलता का रहस्य है। जब तुम सफलता को भी उतनी ही बुरी तरह और शिद्दत से चाहोगे, जितना कि तुम 'सांस लेना' चाहते थे, तो सफलता तुम्हें मिल जाएगी।' इसके सिवाय और कोई रहस्य सफलता पाने का संसार में नहीं है।' नि:संदेह, यह उदाहरण आज भी प्रासंगिक है। यह सोलह आने सच है कि अपने जीवन में जिस चीज़ को पाने के लिए हम प्राणों को बचाने जैसा परिश्रम करने का जज्बा खुद में पैदा कर लेंगे, निश्चय जानिए कि वो चीज हम को अवश्य मिल जाएगी। कहने का अभिप्राय- यह है कि सफलता पाने के लिये प्राणपण से जुटना पड़ता है। तभी कहा जाता है सफलता परिश्रम की दासी होती है। इसके अलावा हमारी सफलता के मूल में कई घटक भी होते हैं। सच यह भी है कि सफलता पाने के लिए मन और कर्म की एकाग्रता बहुत ज़रूरी है। सफलता को पाने की जो चाहत है, उसमें ईमानदारी होना बहुत ज़रूरी है। जब आप वो एकाग्रता और ईमानदारी पा लेते हैं, तो सफलता आपको मिल ही जाती है! तो, आइए, आज अपने प्रयत्नों में निश्चित रूप से सफलता पाने के लिए हम भी दृढ़ता से कर्म करने का संकल्प लें।

'जो सिर्फ शोर मचाते हैं भीड़ में,
वे भीड़ ही बन कर रह जाते हैं।
वही पाते हैं कामयाबी दुनिया में,
जो खामोशी से खुद को खपाते हैं।'

विचार मंथन

चार धाम यात्रा के 53 प्रोजेक्ट में राम नाम की लूट

(लेखक- सनत जैन)

- अरबों रुपए के भ्रष्टाचार की गंगोत्री

उत्तराखंड में उत्तरकाशी के सिलक्यारा सुरंग में 17 दिन से मजदूर जिंदगी और मौत के बीच झूलते रहे हैं। इन 41 मजदूरों का जीवन संकट में फंसा रहा है। 17 दिन से बचाव और राहत कार्य युद्ध स्तर पर चलाया गया है। मौसम विभाग ने 24 घंटे के अंदर बारिश और ओले पड़ने की संभावना जताई, जिस कारण मजदूरों को निकालने के प्रयास में बाधा आने की आशंका भी जाहिर की गई। सरकार इस घटना को एक इवेंट की तरह देख रही है। गोदी मीडिया के सारे चैनल पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव और मतदान के दौरान जिस तरह से इस बचाव कार्य को दिखा रहे हैं उसमें मतदान को प्रभावित करने के लिए इवेंट के तौर पर देखा जा रहा है। सरकार चुनाव जीतने के लिए क्या इस तरीके के इवेंट कर सकती है? क्या भ्रष्टाचार का यह स्वरूप हो सकता है? यदि इसके स्वरूप को जानने की कोशिश करें तो हर आदमी का दिल दहल जाएगा। उत्तराखंड में चार धाम यात्रा के लिए जो प्रोजेक्ट तैयार किया गया है। केंद्रीय पर्यावरण मंत्रालय की स्वीकृति न लेना पड़े, इसके लिए सबसे बड़ा पहला अपराध केंद्र सरकार की ओर से किया गया है। इतनी बड़ी परियोजना के लिए केंद्रीय पर्यावरण मंत्रालय की मंजूरी ना लेना पड़े इसके लिए प्रोजेक्ट को 53 हिस्सों में बांट दिया। ऐसा करने से पर्यावरण की अनुमति और सर्वेक्षण की जरूरत नहीं रही। इसके बाद संवेदनशील हिमालय क्षेत्र के 53 प्रोजेक्ट जिन्हें काम का अनुभव नहीं है, ठेके पर दिए गए। ठेकेदार वहां पर काम नहीं कर रहे हैं। उन्होंने सब लेट करके कई ठेकेदार खड़े कर दिए हैं। मोटा मुनाफा बिना काम किये ठेकेदार खा रहे हैं। जिन कंपनियों ने ठेके लिए हैं वो कम पैसे में प्रोजेक्ट को पूरा कर रहे हैं। अर्थात सरकार भुगतान ज्यादा कर रही है, लेकिन ठेकेदार को बहुत कम पैसा मिल रहा है। जिसके कारण परियोजना में लापरवाही के साथ घटिया काम किया जा रहा है। जिस परियोजना में 41 मजदूर फंसे हुए हैं, उसको नवयुग कंस्ट्रक्शन कंपनी उप ठेकदार के रूप में कर रही है। सुरंग बनाने के लिए जो सुरक्षा के इंतजाम किए जाने थे, वह इस कंपनी द्वारा नहीं किए गए। जगह–जगह पर ह्यूम पाइप लगाए जाते हैं, ताकि उनसे गैस मलमा निकल सके। आपातकालीन परिस्थितियों में उनके माध्यम से बचाव कार्य किया जा सके। हर तीन किलोमीटर की दूरी पर एग्जैक्ट बनाए जाते हैं। जहां से सुरंग में सुरक्षा की दृष्टि से यदि बचाव कार्य की आवश्यकता होती है, तो वह किया जा सके। जो यहां पर नहीं बनाए गए। सब लेट में काम लेकर जो कंपनियां काम करती हैं, वह मुनाफा कमाने के लिए और कम राशि में प्रोजेक्ट को पूरा करने के लिए इस तरह की लापरवाही करने के लिए मजबूर होते हैं। जहां पर यह हादसा हुआ है, वहां 15 दिन पहले से ही ऊपर से मलमा गिरना शुरू हो गया था। मजदूरों ने इसकी शिकायत कंपनी से की थी। कंपनी के इंजीनियरों ने जुगाड़ तकनीकी का सहारा लेकर गार्डर का टेका लगाकर मलमा गिरने से रोकने का काम किया था। यह जुगाड़ कामयाब नहीं रहा, पहाड़ का मलमा भर–भराकर सुरंग के अंदर भर गया। जिसके कारण मजदूर सुरंग में फंसकर रह गए। इस परियोजना में सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए कोई काम ही नहीं किया गया है। पर्यावरण विशेषज्ञ अतुल सती के अनुसार चार धाम यात्रा के लिए जो प्रोजेक्ट तैयार किए गया हैं, उसमें आपराधिक कृत्य सरकार से लेकर ठेकेदार कंपनी और सब ठेका लेने वाली कंपनियों द्वारा सतत किया जा रहा है। इस परियोजना के लिए कोई सर्वे नहीं कराया गया। भौगोलिक और पर्यावरण की दृष्टि से सुरक्षा के उपाय किए जाने चाहिए थे, वह उपाय यहां पर नहीं किए गए। जियोलॉजिकल फिजिकल सर्वे भी नहीं किया गया। सुरक्षा के लिए सब्लेट कंपनियों के पास कोई राशि उपलब्ध नहीं है। जो सुरक्षा के इंतजाम पहले होने चाहिए थे, वह अब मजदूरों को निकालने के लिए किये जा रहे हैं। यह बहुत बड़ा अपराधिक कृत्य है। जिसमें सभी की भूमिका हैं। इस ठेके का काम नवयुग कंस्ट्रक्शन कंपनी द्वारा किया जा रहा है। यह कंपनी बड़े–बड़े ठेकों में सब लेट ठेकेदार के रूप में काम करती है। अगस्त महीने में पुणे के एक प्रोजेक्ट में इसी तरह से मजदूर हादसे का शिकार होकर मौत के मुंह में चले गए थे। इस कंपनी के हादसों और मजदूरों की मौत का रिकॉर्ड बना हुआ है। कम पैसे में ठेके लेकर यह सुरक्षा उपायों पर कोई ध्यान नहीं देती है, जिसका खामियाजा मजदूरों को जान–माल देकर चुकाना पड़ता है। राजनीतिक गठजोड़ के चलते बड़े–बड़े ठेके बड़े–बड़े नामी गिरामी कंपनियां लेती हैं। उन ठेकों से भारी मुनाफा काटकर सब लेट कर देती हैं।

पैरामिलिट्री सर्विसेज में बढ़ती मांग, अवसर और संभावनाएं

देश की आंतरिक सुरक्षा और सीमाओं पर तैनात रक्षा सेनाओं को अतिरिक्त सहायता प्रदान करने के लिए पैरामिलिट्री सर्विसेज (अर्धसैन्य सेवाएं) अर्थात सीआरपीएफ, बीएसएफ, आईटीबीपी और सीआईएसएफ का गठन कई दशक पहले किया गया था. रक्षा सेवा की ये इकाइयां राष्ट्रीय आपदा के वक्त बचाव में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं.

अंदरूनी सुरक्षा और सीमाओं पर घुसपैठ रोकने में अर्धसैन्य बलों की जरूरत हमेशा बनी रहती है. इसी के मद्देनजर इनमें नियुक्तियां भी खूब होती हैं बाहरी आक्रमणों से देश की सीमाओं की सुरक्षा की जिम्मेदारी डिफेंस सर्विसेज की होती है. हालांकि देश की आंतरिक सुरक्षा और सीमाओं पर तैनात रक्षा सेनाओं को अतिरिक्त सहायता प्रदान करने के लिए पैरामिलिट्री सर्विसेज (अर्धसैन्य सेवाएं) अर्थात सीआरपीएफ, बीएसएफ, आईटीबीपी और सीआईएसएफ का गठन कई दशक पहले किया गया था. रक्षा सेवा की ये इकाइयां राष्ट्रीय आपदा के वक्त बचाव में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं. अर्धसैनिक बल गृह मंत्रालय की एजेंसी हैं जो सशस्त्र सेना की इकाई के रूप में कार्य करती हैं. इसे भारतीय सशस्त्र सेना का हिस्सा माना जाता है.

अवसर

एक बार पैरामिलिट्री में चयन होने के बाद कैंडीडेट द्वारा चयन किये गये पैरामिलिट्री ऑर्गनाइजेशन में ट्रेनिंग की शुरुआत होती है. हालांकि महिलाएं भी पैरामिलिट्री ज्वाइन करती हैं लेकिन इनका स्कोप सीमित है. फिर भी अवसरों की कमी नहीं है. घरेलू सुरक्षा की बढ़ती जरूरत के कारण इनकी सर्विस की मांग भी बढ़ी है.

इंडियन पैरामिलिट्री फोर्स

इंडियन पैरामिलिट्री फोर्स दुनिया की दूसरी बड़ी पैरामिलिट्री है. पैरामिलिट्री ऑग्रेनाइजेशंस रक्षा-संबंधी सेवा है जिसका गठन देश की आंतरिक सुरक्षा को बनाये रखने के साथ-साथ सीमा पर तैनात सैन्य बल को सपोर्ट करने के उद्देश्य से किया गया है. पैरामिलिट्री फोर्स से संबंधित सर्विस केंद्र सरकार के अन्तर्गत आती है. हालांकि इनका सांगठनिक ढांचा, पदक्रम (हैरारकी) और ट्रेनिंग में भिन्नता हो सकती है लेकिन काम करने का मूल उद्देश्य, अनुशासन और प्रतिबद्धता रक्षा सेवाओं जैसी होती है.

फोर्स के रोल और सर्विस के आधार पर वर्गीकृत किया गया है, वे हैं - असम राइफल्स, बॉर्डर सिक्यु रिटी फोर्स, इंडो-तिब्बतन बॉर्डर पुलिस, स्पेशल फंटियर फोर्स, सेंट्रल रिजर्व पुलिस फोर्स, सेंट्रल इंडस्ट्रियल सिक्युरिटी फोर्स, नेशनल सिक्युरिटी गार्ड. सीआरपीएफ सीआरपीएफ यानी सेंट्रल रिजर्व पुलिस बल.

इसकी जिम्मेदारी राज्य की सुरक्षा व्यवस्था और दंगों पर नियंत्रण करना है. सीआरपीएफ की स्पेशलाइज्ड ब्रांच को 'रेपिड एक्शन फोर्स' कहते हैं. इस फोर्स को दो महिला बटालियन का गौरव प्राप्त है.

बीएसएफ

बीएसएफ यानी बॉर्डर सिक्युरिटी फोर्स. नाम के अनुसार इसका मुख्य कार्यक्षेत्र देश की सीमा की सुरक्षा है. शांति के दौरान फोर्स का काम सीमा पर अपराध, सीमा में प्रवेश करना या बाहर जाना पर निगरानी, तस्करी रोकना और सीमा के करीब के लोगों में सुरक्षा की भावना जगाये रखना होता है. युद्ध के दौरान बीएसएफ उस क्षेत्र के लोगों की सुरक्षा और राहत पहुंचाने का कार्य करता है.

आईटीबीपी

इंडो-तिब्बतन बॉर्डर पुलिस वह फोर्स है जिसका गठन मुख्य रूप से देश की सीमा को तिब्बत से जोड़ने वाले क्षेत्र की सुरक्षा के लिए किया गया. हालांकि वर्तमान में ये आंतरिक सुरक्षा की ड्यूटी और वीआईपी सुरक्षा में लगायी जाती है. बीएसएफ और सीआरपीएफ की तुलना में यह संख्या में बहुत छोटी फोर्स है.

सीआईएसएफ

सेंट्रल इंडस्ट्रियल सिक्योरिटी फोर्स का गठन औद्योगिक परिसर की सुरक्षा और उनमें कर्मचारियों के असंतोष को हैंडल करने के उद्देश्य से किया गया. सीआईएसएफ के जवान देश के मुख्य एयरपोर्ट और आंतरिक सुरक्षा के मामलों में भी तैनात किये जाते हैं.

योग्यता

किसी भी स्ट्रीम से ग्रेजुएट कैंडीडेट, जो लिखित परीक्षा के साथ-साथ फिजिकल फिटनेस क्राइटेरिया पर खरे उतरते है, पैरामिलिट्री में उनका चयन आसानी से हो जाता है. यहां कैंडिडेट का चयन सब-इंस्पेक्टर स्तर पर होता है, चाहे शैक्षिक योग्यता उच्च ना भी हो लेकिन फिजिकल फिटनेस आवश्यक है. इसी तरह पैरामिलिट्री में टेक्निकल ग्रेजुएट्स, एजुकेशन ऑफीसर्स और मेडिकल ऑफीसर्स और दूसरे विशेषज्ञता प्राप्त लोगों के लिए भी संभावनाएं हैं. इन कैंडीडेट्स के अतिरिक्त दसवीं या बारहवीं पास भी जवान की पोस्ट के लिए आवेदन कर सकते हैं. इसमें चार विभिन्न स्तरों में भर्तियां होती हैं जिनमें जवान, टेक्निकल प्रोफेशनल जैसे रेडियो ऑपरेटर, सब इंस्पेक्टर्स और ऑफीसर्स होते हैं. हालांकि जवान बनने के लिए फिजिकल फिटनेस क्राइटेरिया के तहत लंबाई, वजन और सीने का साइज बहुत जरूरी होता है. इन्हें लिखित परीक्षा भी उत्तीर्ण करनी होती है. अधिकारी के पद के लिए लिखित परीक्षा होती है, जिससे यूपीएससी लेता है.

आयु सीमा

पैरामिलिट्री के लिए आवेदन करने के लिए कैंडीडेट्स की न्यूनतम आयु 18 वर्ष और अधिकतम 26 वर्ष होनी चाहिए. अनुसूचित जाति और जनजाति के लोगों के लिए छूट है.

करियर का एक और आयाम डेवलपमेंट स्टडीज

डेवलपमेंट स्टडीज में विकास से जुड़ी योजनाओं को कैसे अमल में लाया जाए या फिर पुरानी योजनाएं क्यों फ्लॉप हुईं, इनका अध्ययन किया जाता है. पिछले कुछ दशकों से विकास का मुद्दा काफी अहम होता जा रहा है. इसके दायरे में सिर्फ विकासशील देश ही नहीं आते बल्कि विकसित देशों में काम करने वाले तमाम संस्थान भी हैं.

जॉब - इससे संबंधित कोर्स करने के बाद छात्र एकेडमिक रिसर्च, टीचिंग, एनजीओ के अलावा संयुक्त राष्ट्र, वर्ल्ड बैंक और प्लानिंग कमीशन जैसे संगठनों में काम कर सकते हैं. रिसर्च कर सकते हैं.

विकास से जुड़ी योजनाओं को कैसे अमल में लाया जाए या फिर पुरानी योजनाएं क्यों फ्लॉप हुई, इनका अध्ययन जरूरी होता है. यही कारण है कि द्वितीय वियुद्ध के बाद तीसरी दुनिया के देशों के विकास पर अध्ययन करने पर विशेषज्ञों का ध्यान गया है. शुरुआती दौर में इसके तहत डेवलपमेंट इकोनोमिक्स का अध्ययन किया जाता था, जो बाद में बदलकर डेवलपमेंट स्टडीज के रूप में परिवर्तित हो गया. इस विषय से संबंधित कोर्स में इकोनोमिक्स भी होता है लेकिन इसके साथ इतिहास, सोशियोलॉजी, एंथ्रोपोलॉजी आदि भी जुड़े होते हैं. रिसर्च मेथड, इकोनोमिक थ्योरी और इंडियन इकोनोमिक डेवलपमेंट मुख्य तौर पर पढ़ाया जाता है. इसके अलावा, डिजर्टेशन भी पूरा करना होता है. हालांकि टाटा इंस्टीटयूट ऑफ सोशल साइंस, मुंबई जैसे संस्थान में तो छात्रों को इकोनोमिक्स, सोशियोलॉजी, पॉलिटिकल साइंस, साइकोलॉजी, कल्चरल के साथ मीडिया स्टडीज का अध्ययन करना होता है.

कोर्स - डेवलपमेंट स्टडीज ऐसी ब्रांच हैं जहां सोशियोलॉजी, इकोनोमिक्स, हिस्ट्री, एंथ्रोपोलॉजी आदि विषयों की पढ़ाई एक साथ की जाती है. मास्टर लेवल कोर्स करने के बाद एमफिल और पीएचडी भी की जा सकती है.साथ ही स्कूल और कॉलेज में पढ़ा सकते हैं. देश के बाहर स्थित संस्थानों मसलन लंदन स्कूल ऑफ इकोनोमिक्स, ऑक्सफोर्ड विवि जैसे संस्थानों की मास्टर डिग्री भी काफी लोकप्रिय हैं.

संस्थान - सेंटर फॉर डेवलपमेंट स्टडीज, त्रिवेंद्रम टाटा इंस्टीटयूट ऑफ सोशल साइंट, मुंबई मद्रास इंस्टीटयूट ऑफ डेवलपमेंट स्टडीज, चेन्नई इंदिरा गांधी इंस्टीटयूट ऑफ डेवलपमेंट रिसर्च, मुंबई इंस्टीटयूट ऑफ डेवलपमेंट स्टडीज, जयपुर इंस्टीट्यूट ऑफ डेवलपमेंट स्टडीज, कोलकाता आईआईटी मद्रास दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनोमिक्स, नई दिल्ली

विदेशों में पढ़ने वाले कैसे मैनेज करें अपना खर्च...

विदेशों में अध्ययन करने वालों को इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि उन्हें कहां से स्कॉलरशिप और आर्थिक मदद मिल सकती है.

विदेशी कॉलेजों और संस्थानों में पढ़ने की चाहत हर किसी की होती है और ज्यादातर छात्र अपने सपने को साकार करने में सफल भी हो जाते हैं. भारत की तुलना में विदेशों में रहकर पढ़ाई के दौरान दूसरे तमाम खर्च भी काफी होते हैं. हर छात्रों में अलग-अलग तरीके की आदतें होती हैं और वे उसी के मुताबिक काम भी करते हैं. ऐसे में, तय करना पड़ता है कि उनके पास कितने पैसे हैं और कितनी आमदनी होती है. सभी छात्रों को इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि जब वे स्वदेश से इतनी दूर रहेंगे तो वहां उन्हें अपनी सहायता खुद ही करनी होगी, स्वतंत्र रहना होगा. दूसरे देश में रहना एक अनोखा और लाइफ चेंजिंग अनुभव है. विदेश में शिक्षा युवाओं को एक मौका देता है चाहे वह कल्चर की बात हो, सामाजिकता की बात हो या फिर एकेडमिक या पर्सनली.

विदेश जाने के लिए जहां आपको जाने से कई महीने पहले से तैयारी करनी पड़ती है, वहीं वहां जाने के बाद आपकी आर्थिक दिक्कत भी कम नहीं होती. गौरतलब है कि स्वतंत्र रहने पर ही जिम्मेदारी महसूस होती है लेकिन अकसर वे अपने कल्चर में बदलाव ले आते हैं जिस कारण उनका फिट बैठना दांव पर लगा होता है. ऐसे में, उनका खर्च बढ़ जाता है. हालांकि विदेश में पढ़ने के लिए भारतीय छात्रों के लिए तमाम स्कॉलरशिप और फेलोशिप मौजूद हैं, बावजूद इसके सभी को बाहर जाने से पहले और बाद में बजट तैयार करना चाहिए और उसके मुताबिक चलना भी चाहिए. विदेश में अध्ययन के दौरान एक-एक पैसे का हिसाब रखना जहां आवश्यक हो जाता है, वहीं हमेशा सतर्क रहना होता है.

बजट - अपने बजट से अधिक कभी भी खर्च न करें. यह न भूलें कि आप एक छात्र हैं और विदेश में अध्ययन करना काफी खर्चीला है और चीजें मुफ्त में नहीं मिलतीं. विदेशों में आपकी इच्छा दोस्तों के साथ बाहर खाना खाने, फिल्म देखने या फिर लोकल बार में जाने की हो सकती है, ऐसे में खुद पर कंट्रोल रखना जरूरी है. यदि जरूरी हो, तभी जाएं.

मासिक/ साप्ताहिक बजट - अपने बजट को संतुलित रखने के लिए आप अपना मासिक बजट बनाएं और हर हफ्ते उसे चेक करते रहें कि उनका खर्च मासिक बजट से अधिक न हो. यदि संभव हो तो हर दिन अपने खर्च को लिखें. हमेशा इस बात का ख या ल रखें कि पूरे महीने के लिए आपके पास कितना पैसा है और कितना खर्च होगा. यदि किसी हफ्ते अधिक खर्च हो गया तो अगले हफ्ते इस खर्च का ख्याल रखें. इससे आपका बजट काफी संतुलित रहेगा.

डेबिट और क्रेडिट को करें मैनेज - अपनी रूटीन लाइफ को हमेशा मैनेज करें और याद रखें कि आप अपने घर पर नहीं रह रहे हैं. आकस्मिक खर्च के लिए हमेशा कुछ न कुछ पैसा अपने पास जरूर रखें. हमेशा क्रेडिट कार्ड का प्रयोग न करें. डेबिट कार्ड का प्रयोग करते समय इस बात का ख्याल रखें कि आपके पास कितने पैसे हैं और कितने पैसे खर्च कर रहे हैं.

जॉब करें - अपने बजट को मैनेज करने के लिए कोई न कोई जॉब करें. ऐसा विदेश में पढ़ने वाले ज्यादातर छात्र करते हैं. एजुकेशन कंसल्टेंट द चोपड़ा'ज के मुताबिक, पार्टटाइम जॉब तो हमेशा मिल जाता है जिससे आप अपने मासिक बजट को संतुलित कर सकते हैं. विदेश में पढ़ाई के दौरान एक्स्ट्रा खर्च काफी होता है, ऐसे में पार्टटाइम जॉब काफी राहत देता है. इससे जहां आप पढ़ाई के दौरान काम सीख सकते हैं, वहीं आपमें जिम्मेदारी की भावना भी आती है.

स्कॉलरशिप भी अहम - विदेशी संस्थानों में अध्ययन करने वालों को हमेशा इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि उन्हें कहां-कहां से स्कॉलरशिप के साथ आर्थिक सहायता मिल सकती है. यह सहायता आपके बजट को नियंत्रित रखता है. इस बात को भी सुनिश्चित करें कि आपको स्कॉलरशिप के तहत मिले फंड में से कितना अंश कोर्स को देना है और खुद पर कितना खर्च कर सकते हैं. इस संबंध में तमाम जानकारी मसलन लोन, ग्रांट, स्कॉलरशिप आदि की जानकारी होनी चाहिए.

क्या होता है खर्च - लिविंग एक्सपेंसेज हाउसिंग, मील एकेडमिक एक्सपेंसेज टयूशन, बुक्स ट्रेवल एक्सपेंसेज एयरफेयर, पासपोर्ट, वीजा, लोकल ट्रांसपोर्टेशंस कम्युनिकेशन एक्सपेंसेज इंटरनेट एक्सेस, सेल फोन प्रोग्राम एक्सपेंसेज एप्लीकेशन फी, ग्रुप एक्सकुर्सन हेल्थ एंड सेफ्टी एक्सपेंसेज इंश्योरेंस, इम्युनिजाइशन पर्सनल एक्सपेंसेस सोवेनियर्स, इंटरटेनमेंट

एक्सचेंज रेट ध्यान रखें - अपने बजट को संतुलित रखने के लिए हमेशा एक्सचेंज रेट को ध्यान में रखें. जब आप विदेश जाने की तैयारी करें तो बजट तय कर लें. फुड, ट्रेवलिंग, लॉजिंग, सोवेनियर, एक्स्ट्रा कैश आदि को लेकर करें. विदेश जाने के प्रोसेस, आवेदन, वीजा, कॉ लेज टयूशन फीस के अलावा रहने के बजट को भी ध्यान देना चाहिए. बैलेंस्ट लाइफ बिताने के लिए बजट को मैनेज करने की कला सीखें. यदि पढ़ाई के दौरान कैंपस में न रहकर बाहर रहना सस्ता होता हो, तो बाहर रहें. कैंपस से सटे इलाके में रहें. अकेले रहने में अधिक खर्च होता हो, तो अपने दोस्तों के साथ शेयर में रहें. इससे जहां आप सामाजिकता सीख पाएंगे, वहीं लोगों के साथ कैसे तालमेल बिठाया जाता है, जान पाएंगे. यदि आप किसी प्रोजेक्ट पर काम कर रहे हैं तो उसका कुछ पैसा आप स्थानीय बैंक में फिक्स डिपॉजिट के तौर पर जमा कर सकते हैं. जब आपको जरूरत हो तो उस पैसे को निकाल भी सकते हैं.

सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई के बाद अडानी ग्रुप के शेयरों में जबरदस्त उछाल

नई दिल्ली।
सुप्रीम कोर्ट के 24 नवंबर को अडानी-हिंडनबर्ग मामले में अपना फैसला सुरक्षित रखने के बाद मंगलवार को समूह के शेयरों में 20 फीसदी तक की तेजी आई। अडानी टोटल गैस 19 फीसदी, अडानी एनर्जी 17 फीसदी, अडानी ग्रीन 14 फीसदी, अडानी पावर 13 फीसदी और अडानी एंटरप्राइजेज 10 फीसदी ऊपर है। शीर्ष अदालत ने कहा था कि भारतीय प्रतिभूति विनिमय बोर्ड (सेबी) से यह उम्मीद नहीं की जा सकती कि वह अपने निष्कर्ष निकालने के लिए समाचार पत्रों की रिपोर्टों का पालन करेगा। चीफ जस्टिस ने याचिकाकर्ताओं द्वारा संगठित अपराध और भ्रष्टाचार रिपोर्टिंग परियोजना और हिंडनबर्ग रिसर्च जैसे संगठनों की रिपोर्टों की जानकारी के उपयोग पर भी नाराजगी व्यक्त की। भारत के सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने ओसीसीआरपी रिपोर्ट (संगठित अपराध और भ्रष्टाचार रिपोर्टिंग परियोजना) के संबंध में नए तथ्य सुप्रीम कोर्ट के संज्ञान में लाए थे। सॉलिसिटर जनरल के अनुसार, जब सेबी ने ओसीसीआरपी को पत्र लिखकर 31 अगस्त की रिपोर्ट में अडानी समूह के खिलाफ आरोप लगाते समय संगठन द्वारा भरोसा किए गए विवरण और दस्तावेजों की मांग की, तो ओसीसीआरपी ने आरोपों का विवरण साझा नहीं किया और कहा कि वह भारत में एक गैर सरकारी संगठन से प्राप्त किया जा सकता है, जिसने उसे जानकारी प्रदान की थी। सॉलिसिटर जनरल के मुताबिक, इस एनजीओ को प्रशांत भूषण चलाते हैं। सुनवाई के दौरान भारत के सॉलिसिटर जनरल ने कोर्ट को बताया कि अडानी ग्रुप के खिलाफ आरोपों से जुड़े 24 में से 22 मामलों की जांच पूरी हो चुकी है।

टाटा मोटर्स के वाहन जनवरी से हो सकते हैं महंगे

मुंबई । देश की प्रमुख वाहन विनिर्माता कंपनी टाटा मोटर्स के एक प्रवक्ता ने कि हम अगले साल जनवरी से अपने यात्री और इलेक्ट्रिक वाहनों की कीमतें बढ़ाने पर विचार कर रहे हैं। किन वाहनों की कीमत कितनी बढ़ेगी इसकी घोषणा अगले कुछ सप्ताह में की जा सकती है। टाटा मोटर्स के वाहनों में हैचबैक कार टियागो से लेकर एसयूवी (स्पोर्ट्स यूटिलिटी व्हीकल) सफारी तक शामिल हैं। इनकी कीमत 5.6 लाख रुपये से लेकर 25.94 लाख के बीच है। इसके साथ ही कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया और ऑडी जैसी कंपनियों में शामिल हो गयी है, जिसने अपने वाहनों के दाम बढ़ाने की योजना बनाई है।

एसएंडपी ने भारत की जीडीपी ग्रोथ का अनुमान बढ़ाया

नई दिल्ली। एसएंडपी रेटिंग्स ने चालू वित्त वर्ष के दौरान भारत की जीडीपी वृद्धि का अनुमान पहले के 6 फीसदी से बढ़ाकर 6.4 फीसदी कर दिया है।एसएंडपी ग्लोबल रेटिंग्स के एशिया-प्रशांत के मुख्य अर्थशास्त्री लुइस कुइज़ ने एक शोध नोट में कहा, हमने इस वित्तीय वर्ष के लिए अपने अनुमान को संशोधित किया है। मजबूत घरेलू मांग ने उच्च खाद्य मुद्रास्फीति और कमजोर निर्यात से होने वाली बाधाओं को दूर कर दिया है। हालांकि, रेटिंग एजेंसी ने अगले वित्तीय वर्ष (2024-25) में विकास के लिए अपने दृष्टिकोण को पहले के 6.9 प्रतिशत से घटाकर 6.4 प्रतिशत कर दिया है। चालू वित्तीय वर्ष (2023-24) के लिए एसएंडपी का अनुमान अन्य एजेंसियों की तरह ही है, लेकिन फिर भी सरकार और आरबीआई के 6.5 प्रतिशत के अनुमान से कम है। आईएमएफ, विश्व बैंक, एडीबी और फिच को लगता है कि चालू वित्त वर्ष में भारत की जीडीपी ग्रोथ 6.3 प्रतिशत रहेगी। वित्तीय वर्ष 2022-23 में भारतीय अर्थव्यवस्था 7.2 प्रतिशत और अप्रैल-जून तिमाही में 7.8 प्रतिशत बढ़ी। दूसरी तिमाही के जीडीपी आंकड़े इस सप्ताह के अंत में जारी किए जाएंगे। अर्थशास्त्रियों को उम्मीद है कि इस साल अनियमित मानसून के कारण जुलाई-सितंबर तिमाही में जीडीपी वृद्धि धीमी रहेगी। मुद्रास्फीति पर, एसएंडपी ने कहा कि दूसरी तिमाही के दौरान उछाल का समग्र मुद्रास्फीति पर असर पड़ने की संभावना नहीं है। एसएंडपी ने कहा, फिर भी मुद्रास्फीति आरबीआई के 4 प्रतिशत के लक्ष्य से ऊपर बनी हुई है, जिससे पता चलता है कि दर चक्र बदलने में कुछ समय लगेगा।

भौतिक व रासायनिक विश्लेषण को तैयार है पनियाला

लखनऊ। पानीदार पनियाला अब भौतिक और रासायनिक विश्लेषण के लिए तैयार है। लखनऊ रहमान स्थित भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद से संबद्ध केन्द्रीय उपोष्ण बागवानी संस्थान के वैज्ञानिकों ने गोरखपुर और पड़ोसी जिलों के पनियाला बाहुल्य क्षेत्रों का सर्वेक्षण किया। जल्द ही इन पौधों का वैज्ञानिक परीक्षण शुरू होगा। न सिर्फ इनके स्वस्थ्य संबंधी गुणों की पहचान होगी। बल्कि अन्य गुण भी सामने आयेंगे। इसे जीआई में शामिल करने के प्रयास तेज हैं।संस्थान के प्रधान वैज्ञानिक डा. दुष्यंत मिश्र एवं डा. सुशील कुमार शुक्ल ने कुछ स्वस्थ पौधों से फलों के नमूने लिए। दोनों वैज्ञानिकों ने बताया कि अब संस्था की प्रयोगशाला में इन फलों का भौतिक एवं रासायनिक विश्लेषण कर उनमें उपलब्ध विविधता का पता किया जा जाएगा। उपलब्ध प्राकृतिक वृक्षों से सर्वोत्तम वृक्षों का चयन कर उनको संरक्षित करने के साथ कलमी विधि से नए पौधे तैयार कर इनको किसानों और बागवानों को उपलब्ध कराया जाएगा। उल्लेखनीय पनियाला को इंडियन कॉफी प्लम और पानी आंवला के नाम से भी जाना जाता है। इनके पेड़ उत्तर प्रदेश के गोरखपुर, देवरिया, महाराजगंज क्षेत्रों में पाये जाते हैं। पांच छह दशक पहले इन क्षेत्रों में बहुतायत में मिलने वाला पनियाला अब लुप्तप्राय है। केंदीय उपोष्ण बागवानी संस्थान के निदेशक टी दामोदर ने बताया कि इसके पत्ते, छाल, जड़ों एवं फलों में एंटी बैक्टिरियल प्रापर्टी होती है। इसके नाते पेट के कई रोगों में इनसे लाभ होता है। स्थानीय स्तर पर पेट के कई रोगों, दांतों एवं मसूढ़ों में दर्द, इनसे खून आने, कफ, निमोनिया और खरास आदि में भी इसका प्रयोग किया जाता रहा है। फल लीवर के रोगों में भी उपयोगी पाए गए हैं। उन्होंने बताया कि पनियाला का फल विभिन्न एंटीक्क्सीडेंट्स भी मिलते हैं।

यस बैंक ने एफडी के ब्याज दरों में बड़ा बदलाव किया

नई दिल्ली । यस बैंक ने अपनी फिक्स्ड डिपॉजिट (एफडी) के ब्याज दरों में बड़ा बदलाव कर दिया है। यस बैंक के लिए संशोधित एफडी दरें 21 नवंबर, 2023 से लागू हो गई हैं। नई ब्याज बढ़ोतरी के मुताबिक यस बैंक अब सात दिनों से दस साल में परिपक्व होने वाली एफडी पर सामान्य नागरिकों को 3.25 फीसदी से 7.75 फीसदी के बीच ब्याज दरों की पेशकश कर रहा है। इसी के साथ यस बैंक वरिष्ठ नागरिकों को 3.75 फीसदी से 8.25 फीसदी के बीच ब्याज दरों की पेश कर रहा है। यह सूचना बैंक की आधिकारिक वेबसाइट पर दी गई है। एफडी दरों में संशोधन में कहा गया है कि निजी क्षेत्र के बैंक एक साल में परिपक्व होने वाली एफडी पर 7.25 फीसदी, एक वर्ष से 18 महीने से कम पर 7.50 फीसदी और 18 महीने से 24 महीने में परिपक्व होने वाली जमा पर 7.75 फीसदी की दर से भुगतान करेंगे।

सरकार अरहर दाल की खरीदी बढ़ाकर इसकी कीमतें नियंत्रित करेगी

नई दिल्ली ।

केंद्र सरकार दाल की कीमतों की रोकथाम करने के लिए बड़ा कदम उठाने जा रही है। सरकार अरहर दाल की अपनी खरीद को बढ़ाकर 8-10 लाख टन करने की तैयारी में है। पहले कुछ ही लाख टन अरहर दाल खरीदने की योजना थी। अरहर दाल की खरीद को बढ़ाकर सरकार इसकी कीमतों को काबू में रखना चाहती है। अरहर दाल के रिटेल प्राइस पिछले साल के मुकाबले 40 फीसदी से ज्यादा बढ़ गए हैं। पिछले साल अरहर दाल की कीमत 112 रुपए किलो थी, जो कि इस साल बढ़कर 158 रुपए प्रति किलो पर पहुंच गई है। बतौर कैटेगरी दलहन में रिटेल इनफ्लेशन बढ़कर सालाना आधार पर अक्टूबर में 18.79 फीसदी पर पहुंच गई थी। सरकार ने अरहर दाल की खरीद बढ़ाने की तैयारी ऐसे समय में की है, जब अरहर के पैदावार क्षेत्र में गिरावट आई है और इसका उत्पादन कम रह सकता है। अरहर दाल की यह खरीद बाजार के भाव पर होगी। अरहर दाल की यह खरीद नेशनल एग्रीकल्चरल कोऑपरेटिव मार्केटिंग फेडरेशन ऑफ इंडिया (नैफेड) और नेशनल कोऑपरेटिव कंज्यूमर्स फेडरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड के जरिए की जाएगी। सूत्रों के अनुसार यह सरकारी एजेंसियां सीधे किसानों से खरीद करेंगी। अरहर दाल खरीदने की शुरुआत खरीफ की फसल आने के साथ शुरू होगी।

विदेशी पूंजी का निवेश से बाजार में लौटी रौनक...सेंसेक्स 204.16 अंक बढ़ा

मुंबई ।

विदेशी पूंजी का निवेश होने के बीच वाहन, बिजली और धातु शेयरों में अंतिम दौर की बंपर खरीदारी आने से मंगलवार को घरेलू मानक सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी दो सत्रों की गिरावट से उभरकर बढ़त के साथ बंद हुआ। उतार-चढ़ाव भरे कारोबार में बीएसई का 30 शेयरों वाला सूचकांक सेंसेक्स 204.16 अंक बढ़कर 66,174.20 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 66,256.20 के ऊपरी और 65,906.65 के निचले स्तर पर रहा। वहीं नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का मानक सूचकांक निफ्टी 95 अंक बढ़कर 19,889.70 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स की कंपनियों में टाटा मोटर्स, बजाज फिनसर्व, अल्ट्राटेक सीमेंट, भारती एयरटेल, बजाज फाइनेंस, एनटीपीसी, टाइटन और एक्सिस बैंक प्रमुख रूप से हरे निशान पर बंद हुए। दूसरी ओर आईटीसी, हिंदुस्तान यूनिलीवर, आईसीआईसीआई बैंक और पावर ग्रिड के शेयरों में गिरावट का रुख रहा। एशिया के अन्य बाजारों में दक्षिण कोरिया का कॉस्पी और चीन का शंघाई कंपोजिट चढ़कर बंद हुए जबकि जापान का निक्की और हांगकांग का सूचकांक हैंगसेंग गिरावट के साथ बंद हुए। यूरोप के प्रमुख बाजार गिरावट के साथ कारोबार कर रहे थे। वहीं सोमवार को अमेरिकी बाजार मामूली गिरावट के साथ बंद हुए थे।

इस बीच अंतरराष्ट्रीय तेल मानक ब्रेंट क्रूड 1.19 प्रतिशत चढ़कर 80.93 डॉलर प्रति बैरल पर पहुंच गया।

गुरु नानक जयंती के मौके पर शेयर बाजार बंद रहे थे। शेयर बाजार के आंकड़ों के मुताबिक, विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने शुक्रवार को 2,625.21 करोड़ रुपए मूल्य की इक्विटी खरीदी थी। पिछले कारोबारी दिवस शुक्रवार को सेंसेक्स 47.77 अंक की गिरावट के साथ 65,970.04 पर बंद हुआ था जबकि निफ्टी 7.30 अंक फिसलकर 19,794.70 अंक पर रहा था।

सप्लाई चेन की दिक्कतों से थम सकती है एक चौथाई विमानों की रफ्तार!

- वर्तमान में 789 में से करीब 160 विमान उड़ान की स्थिति में नहीं

नई दिल्ली ।

एविएशन सेक्टर की मुश्किलें और बढ़ सकती हैं। सप्लाई चेन की दिक्कतों के कारण देश के एक चौथाई विमानों के पे हिए अगले साल मार्च के ओ खिर तक थम सकते हैं। सीएपीए इंडिया की हाल ही में जारी की गई एक रिपोर्ट में यह कहा गया है। इसके मुताबिक अभी 789 में से करीब 160 विमान उड़ान नहीं भर पा रहे हैं लेकिन मार्च के ओ खिर तक यह संख्या 200 तक पहुंच सकती है। इसकी वजह यह है कि सप्लाई चेन की दिक्कतें सुधरने के बजाय लगातार बिगड़ रही हैं। सीएपीए की रिपोर्ट के मुताबिक दिवंगत इन्वेस्टर राकेश झुनझुनवाला के निवेश वाली आकासा एयरलाइन को भी विमानों की डिलीवरी में देरी हो सकती है। रिपोर्ट के मुताबिक देश की सबसे बड़ी एयरलाइन इंडिगो के 90 से अधिक विमानों के पे हिए थम सकते हैं। इसी तरह टाटा ग्रुप के निवेश वाली एयर इंडिया और स्पाइसजेट में भी प्रत्येक के 25 से 30 विमान उड़ान भरने की स्थिति में नहीं होंगे। गोफर्स्ट के 54 विमान पहले से ही उड़ान भरने की स्थिति हैं।

कंपनी ने मई से ही अपनी फ्लाइट्स को सस्पेंड कर रखा है। साथ ही इंडिगो के 55 विमान भी उड़ान नहीं भर रहे हैं। इसी महीने इंडिगो ने कहा था कि चौथी तिमाही में उसके 35 विमान ग्राउंडेड हो सकते हैं। इसकी वजह प्रैट एंड विटनी इंजन में नया पाउडर मेटल डिफेक्ट है। इस बीच 2023-24 में घरेलू ट्रैफिक के पिछले साल के मुकाबले 15 फीसदी की तेजी के साथ 15.5 करोड़ पहुंचने का अनुमान है। इसी तरह अंतरराष्ट्रीय हवाई यो त्रियों की संख्या भी सात करोड़ पहुंचने की उम्मीद है। एयरपोर्ट्स अथॉरिटी ऑफ इंडिया और डायरेक्ट्रेट जनरल ऑफ सिविल एविएशन के मुताबिक वित्तीय वर्ष 2023 में घरेलू ट्रैफिक 13.6 करोड़ और इंटरनेशनल ट्रैफिक 5.7 करोड़ रहा। रिसर्च फर्म का कहना है कि कैपेसिटी में कमी के बावजूद हवाई किराया सामान्य स्थिति में आ गया है। सितंबर तिमाही में औसत किराये में 12.7 परसेंट की गिरावट आई है। मार्च तिमाही में इसमें और गिरावट की उम्मीद है।

रेपो रेट 6.5 फीसदी पर बरकरार रखेगा आरबीआई : एक्सपर्ट्स

चेन्नई। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) रेपो रेट को 6.5 फीसदी पर बरकरार रखेगी और अगले महीने होने वाली बैठक में अपना रुख नहीं बदलेगी। मुद्रास्फीति औसतन पूरे साल के लिए 5.5 फीसदी रहेगी। ऐसा विशेषज्ञों ने कहा है। उन्होंने कहा, अक्टूबर में मुद्रास्फीति दर घटकर 4.7 प्रतिशत हो गई है, लेकिन फिर भी केंद्रीय बैंक रेपो दर में संशोधन नहीं करेगा। वह महंगाई को लेकर चौकन्ना है। बैंक ऑफ बड़ौदा के मुख्य अर्थशास्त्री मदन सबनवीस ने आईएएनएस को बताया, ÷हम आगामी नीति में रेपो रेट और रुख दोनों पर यथास्थिति की उम्मीद करते हैं। मुद्रास्फीति चिपचिपी विकेट पर है, विशेष रूप से खाद्य मुद्रास्फीति चिंता का विषय बनी हुई है। अनाज और सब्जी दोनों के दाम बढ़ रहे हैं। पूरे साल के लिए मुद्रास्फीति औसतन 5.5 प्रतिशत होगी। इसलिए रेपो दर में बदलाव की कोई गुंजाइश नहीं है। उनके मुताबिक, राहत देने वाली बात ये है कि कोर इंफ्लेशन कम रहेगी। इस साल नवंबर के लिए आरबीआई के अर्थव्यवस्था की स्थिति मासिक बुलेटिन का हवाला देते हुए श्रीराम फाइनेंस के कार्यकारी उपाध्यक्ष उमेश रेवनकर ने कहा कि इससे कम दर व्यवस्था की वापसी की उम्मीद जगी है। रेवनकर ने कहा, लेकिन सिस्टम में तरलता को नियंत्रित करने के लिए आरबीआई द्वारा उपभोक्ता ऋण, क्रेडिट कार्ड प्राप्य और एनबीएफसी एक्सपोजर पर जोखिम भार 25 प्रतिशत अंक बढ़ाकर 125 प्रतिशत तक कर दिया गया है।

बाइनेंस के फाउंडर को जेल की सजा से पहले अमेरिका में ही रहने का आदेश

सैन फ्रांसिस्को।

बाइनेंस के संस्थापक चांगपेंग झाओ (जिन्हें सीजेड के नाम से भी जाना जाता है), जिन्होंने क्रिप्टोकरेंसी एक्सचेंज से जुड़े आपराधिक आरोपों में खुद को दोषी माना, को एक संघीय न्यायाधीश ने अस्थायी रूप से अमेरिका में ही रहने का आदेश दिया है। झाओ को पिछले सप्ताह 175 मिलियन डॉलर के मुचलके पर रिहा किया गया था और 23 फरवरी को सजा पर सुनवाई होनी है। सीएनबीसी की रिपोर्ट के अनुसार, अभियोजकों ने कहा कि झाओ को सजा से पहले देश छोड़ने से रोका जाए, लेकिन उनके वकीलों ने तर्क दिया कि उसे यात्रा करने की अनुमति दी जाए। सरकार ने एक फाइलिंग में लिखा, ज्यादातर मामलों में, एक बहु-अरबपति प्रतिवादी जिसने अपना अपराध स्वीकार कर लिया है, उसे जेल की सजा का सामना करना पड़ सकता है और वह ऐसे देश में रहता है जो अपने नागरिकों को अमेरिका में प्रत्यर्पित नहीं करता है, उसे हिरासत में लिया जाएगा। अभियोजकों ने कहा कि उन्होंने पहले ही एक असाधारण सिफारिश प्रस्तुत कर दी है कि झाओ को सजा सुनाए जाने तक स्वतंत्र रहने की अनुमति दी जाए। रिपोर्ट में कहा गया है कि उन्होंने कहा कि झाओ के देश से बाहर जाने का खतरा है, लेकिन इसे उन्हें अमेरिका में रहने की आवश्यकता और उसे संयुक्त अरब अमीरात के सुरक्षित ठिकाने पर लौटने से रोककर प्रबंधित किया जा सकता है। पिछले हफ्ते, संघीय आरोपों में दोषी ठहराए जाने और 4.3 बिलियन डॉलर का जुर्माना भरने पर सहमत होने के बाद, झाओ ने दुनिया के सबसे बड़े क्रिप्टोकरेंसी एक्सचेंज के सीईओ के रूप में पद छोड़ दिया।

न्याय विभाग ने एक बयान में कहा, कनाडाई नागरिक झाओ ने भी बैंक गोपनीयता अधिनियम (बीएसए) का उल्लंघन करते हुए एक प्रभावी मनी-लॉन्ड्रिंग (एएमएल) कार्यक्रम को बनाए रखने में विफल रहने में खुद को दोषी माना और बाइनेंस के सीईओ पद से इस्तीफा दे दिया। अदालती दस्तावेजों के अनुसार, बाइनेंस ने अमेरिकी कानून के अनुपालन पर विकास और मुनाफे को प्राथमिकता देने की बात स्वीकार की।

शेयर बाजार को एग्जिट पोल का इंतजार

नई दिल्ली।

यह सप्ताह शेयर बाजार के लिए उतार-चढ़ाव भरा होने की संभावना है लेकिन जल्द ही इसमें तेजी की भी उम्मीद है। एफआईआई पहले ही खरीदार बन चुके हैं। जियोजित फाइनेंशियल सर्विसेज के मुख्य निवेश रणनीतिकार वी.के. विजयकुमार का कहना है कि एफआईआई और डीआईआई धन प्रवाह लार्ज-कैप रैली को गति दे सकते हैं।वैश्विक और घरेलू कारकों की मदद से बाजार की संरचना अनुकूल हो रही है। उन्होंने कहा कि वैश्विक स्तर पर इस महीने अब तक एसएंडपी 500 में 8.7 फीसदी की बढ़ोतरी के साथ अमेरिकी बाजार से प्रतिकूल हवा मिल रही है, जिसे बदले में अमेरिकी बांड यील्ड में गिरावट से समर्थन मिला है। घरेलू स्तर पर, मैक्रो संकेतक अर्थव्यवस्था में मजबूत विकास गति का संकेत देते हैं। पूंजीगत सामान कंपनियों के लिए रिकॉर्ड ऑर्डर प्रवाह और मजबूत ऋण वृद्धि अर्थव्यवस्था में विकास की गति के मजबूत संकेतक हैं। अब राज्य चुनाव परिणाम एक अज्ञात कारक है। उन्होंने कहा कि गुरुवार को आने वाले एग्जिट पोल से चुनाव नतीजों और 2024 के महत्वपूर्ण आम चुनाव पर इसके प्रभाव के संकेत मिलने की संभावना है।मंगलवार को बीएसई सेंसेक्स 10 अंक गिरकर 65,960 अंक पर है। सुप्रीम कोर्ट द्वारा शुक्रवार को अडानी-हिंडनबर्ग मामले में अपना फैसला सुरक्षित रखने के बाद अडानी समूह के शेयरों में 20 फीसदी तक की तेजी आई है। अदानी टोटल गैस 19 फीसदी ऊपर, अदानी एनर्जी 17 फीसदी ऊपर, अदानी ग्रीन 14 फीसदी ऊपर, अदानी पावर 13 फीसदी ऊपर, अदानी एंटरप्राइजेज 10 फीसदी ऊपर है।

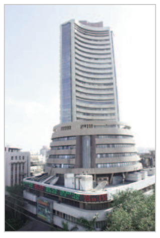

केंद्रीय मंत्री ने सीओपी28 से पहले पूर्वोत्तर में 2000 मेगावाट की जलविद्युत परियोजना का लिया जायजा

नई दिल्ली।

केंद्रीय बिजली और नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री आर.के. सिंह ने अरुणाचल प्रदेश/असम में 2000 मेगावाट की सुबनसिरी लोअर हाइड्रोइलेक्ट्रिक परियोजना का जायजा लेने के बाद काम की गति पर संतोष जताया और एनएचपीसी अधिकारियों से इसे तय समय पर पूरा करने का आग्रह किया।मंत्री का जल विद्युत परियोजना स्थल का दौरा जलवायु परिवर्तन से लड़ने के लिए अबू धाबी में सीओपी28 बैठक से पहले हो रहा है। उन्होंने पत्रकारों से कहा कि जलविद्युत परियोजनाओं का महत्व बढ़ गया है। जल विद्युत के बिना चौबीसों घंटे नवीकरणीय ऊर्जा संभव नहीं है।उन्होंने कहा, मैंने सभी विवरणों पर गौर किया और मेरा मानना है कि कुल मिलाकर, सुबनसिरी परियोजना उसी तरह आगे बढ़ रही है जैसे बढ़नी चाहिए। चूंकि हमें ऊर्जा परिवर्तन करने, उत्सर्जन कम करने और नवीकरणीय ऊर्जा की ओर बढ़ने की जरूरत है, इसलिए पनबिजली परियोजनाओं का महत्व बढ़ गया है। हमारे पास नवीकरणीय ऊर्जा के बीच सौर और पवन भी हैं, लेकिन पनबिजली के बिना चौबीसों घंटे नवीकरणीय ऊर्जा संभव नहीं है। हमारी पनबिजली क्षमता बढ़ रही है। मंत्री ने चल रही निर्माण गतिविधियों का जायजा लिया और सोमवार को उन्हें प्रगति के बारे में जानकारी दी गई। उन्होंने एक समीक्षा बैठक ली जिसमें उन्हें परियोजना में चुनौतियों से निपटने के लिए उठाए गए विभिन्न कदमों के बारे में जानकारी दी गई। एनएचपीसी के अधिकारियों और प्रमुख कार्यों के ठेकेदारों के प्रतिनिधियों को संबोधित करते हुए, सिंह ने सभी को परियोजना को निर्धारित समय पर पूरा करने के लिए उत्साह के साथ काम करने का निर्देश दिया।

सिंह ने कहा, इस तरह की परियोजनाओं से राज्य में लगभग 1.4 लाख करोड़ रुपये का निवेश आएगा, जिसके चलते प्रति व्यक्ति आय चार गुना हो जाएगी। और देश को स्वच्छ बिजली मिलेगी। इसी प्रकार, जम्मू और कश्मीर में पांच जल विद्युत परियोजनाएं निर्माणाधीन हैं। मंत्री ने देश की उपलब्ध जलविद्युत क्षमता का बेहतर दोहन करने के लिए किए जा रहे प्रयासों के बारे में बात की। आज, हमारी जल विद्युत क्षमता 47,000 मेगावाट है, जो हमारी उपलब्ध जल विद्युत क्षमता का 35 फीसदी है। सिंह ने कहा कि भारत की बिजली की मांग बढ़ रही है और इसके लिए तेज गति से बिजली क्षमता बढ़ाने की जरूरत है।

त्योहारी अवधि के दौरान ऑटोमोबाइल की बिक्री में 19 प्रतिशत की वृद्धि

चेन्नई।

फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन (एफएडीए) ने कहा कि ऑटोमोबाइल सेक्टर ने 42 दिनों की त्योहारी अवधि के दौरान खुदरा बिक्री में 19 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की है। फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन (एफएडीए) ने मंगलवार को 42 दिनों की त्योहारी अवधि के लिए वाहन खुदरा डेटा जारी किया, जो नवरात्रि के पहले दिन से शुरू हुआ और धनतेरस के 15 दिन बाद समाप्त हुआ। एफएडीए के अध्यक्ष, मनीष राज सिंघानिया के अनुसार, वाहन की बिक्री 37.93 लाख तक पहुंचने के साथ एक नया मील का पत्थर पहुंच गया, जो पिछले साल की त्योहारी अवधि 31.95 लाख से 19 प्रतिशत अधिक है। दोपहिया, तिपहिया, वाणिज्यिक वाहनों और यात्री वाहनों में क्रमशः 21प्रतिशत, 41प्रतिशत, 8 प्रतिशतऔर 10प्रतिशत की वृद्धि के साथ महत्वपूर्ण वृद्धि देखी गई। इसके विपरीत, ट्रैक्टर सेगमेंट में 0.5प्रतिशत की मामूली गिरावट देखी गई। कई श्रेणियों में रिकॉर्ड तोड़ बिक्री दर्ज की गई, जिसमें ग्रामीण क्षेत्रों ने विशेष रूप से दोपहिया वाहनों की खरीद में वृद्धि में योगदान दिया। नवरात्रि के दौरान शुरुआती ख़राब प्रदर्शन के बावजूद, विशेषकर यात्री वाहन क्षेत्र में, दीपावली तक स्थिति में सुधार हुआ और 10प्रतिशत की विकास दर के साथ समाप्त हुई। एफएडीए ने कहा कि जबकि स्पोर्ट्स यूटिलिटी वाहन (एसयूवी) सबसे अधिक मांग वाले वाहन थे, यात्री वाहनों के लिए इन्वेंट्री स्तर एक महत्वपूर्ण चिंता का विषय बना हुआ है क्योंकि वाहन निर्माता आगे के डिस्पैच को आगे बढ़ा रहे हैं, जिससे इन्वेंट्री दर अब तक के उच्चतम स्तर पर बनी हुई है। ट्रैक्टरों की बिक्री में नवरात्रि के दौरान 8.3 प्रर्तो शत की कमी देखी गई, लेकिन इसमें उल्लेखनीय सुधार हुआ और त्योहारी अवधि केवल 0.5 प्रर्तो शत की कमी के साथ समाप्त हुई। एफएडीए ने कहा, यह बदलाव ग्रामीण भारत में मजबूत क्रय शक्ति को उजागर करता है।

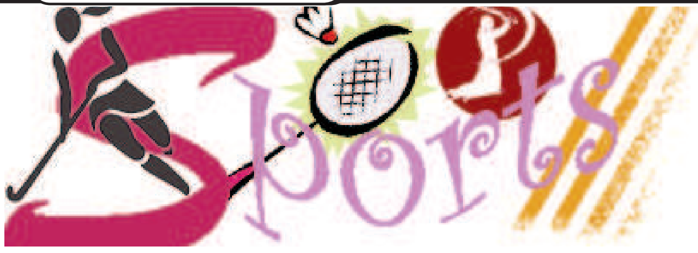

हैरी ब्रुक और नट शिवर ब्रंट ने जीता बॉब विलिस पुरस्कार

लंदन, इंग्लैंड के क्रिकेटर हैरी ब्रूक को 2023 क्रिकेट राइटर्स क्लब अवाड्र्स में बॉब विलिस ट्रॉफी से सम्मानित किया गया है। हरफनमौला नट शिवर-ब्रंट ने लगातार दूसरे वर्ष महिला क्रिकेट पुरस्कार जीता। एक शानदार वर्ष के बाद, जिसमें ब्रुक ने तीन अलग-अलग प्रारूपों में इंग्लैंड के लिए महत्वपूर्ण भूमिका निभाई, ब्रुक को बॉब विलिस ट्रॉफी प्रदान की गई, जो इंग्लैंड के वर्ष के पुरुष या महिला खिलाड़ी को दी जाती है। सीडब्ल्यूसी यंग क्रिकेटर ऑफ द ईयर जीतने के तुरंत बाद, 24 वर्षीय ब्रुक ने वर्ष के समग्र क्रिकेटर की ट्रॉफी अपने घर ले ली। इंग्लैंड को टी20 विश्व कप जीतने में मदद करने और अपने पहले 12 टेस्ट मैचों में चार शतक बनाने के बाद ब्रूक नवंबर 2022 में गेंदों का सामना करने के मामले में 1,000 टेस्ट रन तक पहुंचने वाले सबसे तेज खिलाड़ी बन गए। इसके अलावा, ब्रुक ने 41 गेंदों पर शतक बनाकर नॉर्दर्न सुपरचार्जर्स को द हंड्रेड जीतने में मदद की, जिससे उनके लिए इंग्लैंड के विश्व कप रोस्टर में शामिल होने का द्वार खुल गया। ब्रुक ने कहा, ÷ईमानदारी से कहूं तो मुझे लगता है कि टी20 विश्व कप इसमें सबसे ऊपर है।÷ ÷विश्व कप जीतना, एशेज श्रृंखला में खेलना और इस वर्ष मेरे पास जो कुछ चीजें हैं उनमें से कुछ का अनुभव करना एक सपने के सच होने जैसा है।

भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम कनाडा से भिड़ने के लिए तैयार

नई दिल्ली।

भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम बुधवार को चिली के सैंटियागो में एफआईएच हॉकी महिला जूनियर विश्व कप 2023 के शुरुआती मैच में कनाडा से भिड़ेगी। 2022 संस्करण में चौथा स्थान हासिल करने के बाद अपनी छाप छोड़ने के लिए उत्सुक भारत पूल सी में अपनी यात्रा शुरू करने के लिए तैयार है। भारत का एक चुनौतीपूर्ण समूह है, जिसमें 2022 उपविजेता जर्मनी, बेल्जियम और उनके पहले प्रतिद्वंद्वी कनाडा शामिल हैं। कनाडा के खिलाफ शुरूआती मुकाबले में भारत का लक्ष्य शुरुआत से ही लय कायम करना है। कनाडाई टीम के खिलाफ उनके पिछले मुकाबलों में भारत ने तीनों मैचों में जीत हासिल की है। यह एक ऐसा आंकड़ा है, जो उनकी प्रेरणा में उत्साह जोड़ता है। इसके अलावा इस साल की शुरुआत में जापान के काकामिगाहारा में महिला जूनियर एशिया कप 2023 के खिताब पर भारत का विजयी कब्जा एफआईएच महिला जूनियर विश्व कप 2023 में कदम रखने के लिए एक महत्वपूर्ण मनोवैज्ञानिक लाभ के रूप में खड़ा है। भारतीय जूनियर महिला हॉकी टीम की कप्तान प्रीति ने अपने शुरुआती गेम से पहले आत्मविश्वास दिखाया और कहा, हम दृढ़ संकल्प और फोकस के साथ टूर्नामेंट में प्रवेश कर रहे हैं। हमारी टीम की तैयारी गहन रही है और हम इसे मैदान पर अपने प्रदर्शन में बदलने के लिए उत्सुक हैं। शुरुआती मैच में कनाडा के खिलाफ खेलना हमारे लिए अपने अभियान की गति निर्धारित करने का एक मौका है। कोच तुषार खांडकर ने टीम की तत्परता पर जोर देते हुए इस भावना को दोहराया, हमारे खिलाड़ियों ने कड़ी ट्रेनिंग की है और आने वाली चुनौतियों के लिए मानसिक रूप से तैयार हैं। हम हर प्रतिद्वंद्वी का सम्मान करते हैं और कनाडा के खिलाफ मजबूत शुरुआत की उम्मीद कर रहे हैं। टूर्नामेंट का प्रारूप क्वार्टर-फ़ाइनल में सीधे प्रवेश के लिए पूल चरण में शीर्ष-दो में रहने की मांग करता है। कनाडा के बाद, भारत को 30 नवंबर को जर्मनी के खिलाफ एक कठिन चुनौती का सामना करना पड़ेगा, जिसके बाद 2 दिसंबर को बेल्जियम के खिलाफ एक महत्वपूर्ण मुकाबला होगा, जो ग्रुप चरण की लड़ाई का समापन होगा।

टूर्नामेंट का क्वार्टर-फ़ाइनल, सेमी-फ़ाइनल और फ़ाइनल क्रमशः 6, 8 और 10 दिसंबर को होंगे। गौरतलब है कि भारत का लक्ष्य अपना पहला एफआईएच हॉकी महिला जूनियर विश्व कप खिताब सुरक्षित करना है।

कैरेबियन खिलाड़ी को उम्मीद रोहित और कोहली खेल सकते हैं टी-20 सीरिज

नई दिल्ली ।

वर्ल्ड कप के मुकाबले जून 2024 में वेस्टइंडीज और अमेरिका में संयुक्त रूप से खेल जाने हैं। पिछले दिनों वर्ल्ड कप में 2023 में टीम इंडिया ने बेहतरीन प्रदर्शन कर लगातार 10 मैच जीते थे, लेकिन उस फाइनल में ऑस्ट्रेलिया से हार मिली थी। इसके बाद सवाल उठ रहें कि क्या रोहित शर्मा और विराट कोहली जैसे दिग्गज टी20 वर्ल्ड कप में खेलने वाले हैं या फिर नहीं। वेस्टइंडीज के पूर्व कप्तान ब्रायन लारा ने कहा, मुझे लगता है कि भारत जो भी टीम चुनेगा, वह मजबूत होगी। लेकिन आप अनुभव की जगह नहीं ले सकते। कोहली और रोहित अपने साथ अनुभव लेकर आते हैं। वे कैरेबियन स्थितियों को जानते हैं, वे वहां खेल चुके हैं। मालूम हो कि कप्तान रोहित ने वर्ल्ड कप में ताबड़तोड़ बल्लेबाजी कर 597 रन बनाए थे।वहीं कोहली ने 3 शतक के सहारे 700 से अधिक रन बनाने में सफल रहे थे। विराट कोहली को प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट भी चुना गया था। लारा ने कहा कि मुझे लगता है कि दोनों ही दिग्गज जिस तरह के खिलाड़ी, यकीन है कि उन्हें पता है वे क्या करना

चाहते हैं, कितना करना चाहते हैं। इसके बाद उम्मीद है कि रोहित और विराट टी20 वर्ल्ड कप में उतर सकते हैं। मालूम हो कि टीम इंडिया ने अंतिम बार 2007 में टी20 वर्ल्ड कप का खिताब जीता था। भारतीय टीम को 2013 से आईसीसी ट्रॉफी का इंतजार है। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सीरीज के बाद भारतीय टीम को साउथ अफ्रीका और अफगानिस्तान से टी20 सीरीज खेलनी है। इसके बाद आईपीएल 2024 है। टी20 लीग का प्रदर्शन भी टीम सेलेक्शन के लिए अहम होगा। 35 साल के कोहली ने टी20 इंटरनेशनल में एक शतक और 37 अर्धशतक के सहारे 4008 रन बनाए हैं। वे ओवरऑल टी20 में 8 शतक और 91 अर्धशतक के दम पर 11965 रन बना चुके हैं।

सीरी एः क्रुज़ेइरो ने गोइयास को 1-0 से दी मात

रियो डी जेनेरो

युवा रॉबर्ट सिल्वा के गोल की मदद से क्रुज़ेइरो ने सोमवार को ब्राजील की सीरी ए चैंपियनशिप में गोइयास को 1-0 से मात दी। शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार 83वें मिनट में लुइज़ मचाडो की जगह लेने वाले रॉबर्ट (90+6%) ने शानदार प्रदर्शन करते हुए एक गोल दागा और अपनी टीम की जीत पक्की की ।परिणाम के कारण क्रुज़ेइरो 35 मैचों में 44 अंकों के साथ 20-टीम सीरी ए स्टैंडिंग में 13वें स्थान पर है। तीन मैच दिवस शेष रहते हुए ड्रॉप जोन से तीन अंक पीछे है। गोइयास 18वें स्थान पर है और अगले साल टॉप पर बने रहने का कोई भी मौका पाने के लिए उसे अपने बाकी बचे सभी मैच जीतने होंगे। दोनों टीमें गुरुवार को फिर से खेलेंगी क्योंकि ब्राज़ीलियाई सीरी ए सीज़न ख़त्म होने वाला है। क्रुज़ेइरो माइनिराओ एथलेटिको पैरानेंस की मेजबानी में रहेंगे जबकि गोइयास का सामना पोर्टो एलेग्रे में ग्रेमियो से होगा।

यशस्वी जायसवाल का बल्ला दिखा रहा कमाल, टी20 में बना डाले 1173 रन

नई दिल्ली ।

टीम इंडिया के युवा खिलाड़ियों में 21 साल के युवा ओपनर बैटर यशस्वी जायसवाल का बल्ला इन दिनों खूब धूम मचा रहा है। उन्होंने दूसरे टी20 में ताबड़तोड़ अर्धशतक जड़ा था। वे 6 ओवर के पावरप्ले में टीम इंडिया की ओर से सबसे अधिक 53 रन बनाने वाले बैटर भी बन गए हैं। यशस्वी आज शुभमन गिल का बड़ा रिकॉर्ड तोड़ सकते हैं। सीरीज में पहली बार सूर्यकुमार यादव टीम इंडिया की कप्तानी कर रहे हैं। आईपीएल टीम राजस्थान रॉयल्स से खेलने वाले यशस्वी जायसवाल साल 2023 में ओवरऑल टी20 में अब तक 31 पारियों में 42 की औसत से 1173 रन बना चुके हैं। उन्होंने 2 शतक और 9 अर्धशतक लगाये है। उन्होंने 11 बार 50 से अधिक रन की पारी खेली है। इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 162 का रहा है, जो बेहतरीन है। वे 151 चौके और 51 छक्के भी लगा चुके हैं। यशस्वी आज 22 रन और बना लेते हैं, तो साल 2023 में टीम इंडिया की ओर सबसे अधिक रन बनाने वाले खिलाड़ी बन जाएंगे। मालूम हो कि पिछले दिनों टीम इंडिया ने एशियन गेम्स में गोल्ड मेडल जीता था। उस टीम में भी यशस्वी शामिल थे। साल 2023 में टीम इंडिया की ओर ओवरऑल टी20 में अब तक शुभमन गिल ने सबसे अधिक 1194 रन बनाए हैं। उन्होंने 28 मैच की 28 पारियों में 4 शतक और 5 अर्धशतक जड़ा है। स्ट्राइक रेट 155 का है। 129 रन बेस्ट प्रदर्शन रहा है। औसत 148 का है। यशस्वी जायसवाल 1173 रन के साथ दूसरे तो सूर्यकुमार यादव 1137 रन के साथ तीसरे नंबर पर हैं। ऋतुराज गायकवाड़ भी 26 पारियों में 1034 रन बना चुके हैं। एक शतक और 7 अर्धशतक लगाया है। भारत की ओर से टी20 में एक साल में सबसे अधिक रन बनाने का रिकॉर्ड विराट कोहली के नाम है। उन्होंने 2016 में 31 मैच में 90 की औसत से 1614 रन बनाए थे। 4 शतक और 14 अर्धशतक जड़ा। स्ट्राइक रेट 147 का रहा। यशस्वी इस रिकॉर्ड तक पहुंच सकते हैं। मुंबई के यशस्वी जायसवाल ने

2020 में पहला टी20 मैच खेला था। ओवरऑल टी20 में उन्होंने अब तक 72 पारियों में 31 की औसत से 2126 रन बना चुके हैं। 2 शतक और 13 अर्धशतक लगाया है। स्ट्राइक रेट 148 का है। 124 रन बेस्ट प्रदर्शन है। टीम इंडिया की ओर से यशस्वी ने अब तक 10 टी20 मैच की 9 पारियों में 38 की औसत से 306 रन बनाए हैं। एक शतक और 2 अर्धशतक भी जड़ा है।

संक्षिप्त समाचार

पीकेएल 10ः तमिल थलाइवाज ने सागर राठी को बनाया कप्तान

चेन्नई। तमिल थलाइवाज ने मंगलवार को प्रो कबड्डी लीग के आगामी 10वें सीजन के लिए सागर राठी को कप्तान घोषित किया।उनके साथ टीम ने अजिंक्य पवार और साहिल गुलिया को भी उप-कप्तान घोषित किया, जिससे इस बहुप्रतीक्षित सीज़न के लिए एक शक्तिशाली नेतृत्व तिकड़ी बन गई। सागर राठी जो अपने रणनीतिक कौशल और तकनीक के लिए जाने जाते हैं, वो तमिल थलाइवाज का नेतृत्व करने के लिए बेस्ट खिलाड़ी साबित होंगे। उप-कप्तान नियुक्त किए गए अजिंक्य पवार और साहिल गुलिया टीम को अमूल्य समर्थन देते हुए ताकत के स्तंभ के रूप में कप्तान का साथ देंगे। खेल के प्रति उनकी दक्षता और प्रतिबद्धता उन्हें कप्तान सागर राठी के नेतृत्व के लिए आदर्श विकल्प बनाती है। प्रशंसकों और समर्थकों के बीच उत्साह स्पष्ट है क्योंकि टीम कप्तान सागर राठी के मार्गदर्शन में एक रोमांचक यात्रा के लिए तैयार है। वीवो प्रो कबड्डी का 9वां संस्करण तमिल थलाइवाज के लिए सबसे अच्छा सीजन था। वे कुछ शुरुआती झटकों के बाद अच्छी तरह से उबरे और सीजन का अंत शानदार प्रदर्शन के साथ किया। वे वीवो प्रो कबड्डी के 2023 संस्करण में धीमी शुरुआत करने वालों में से थे और इसका एक कारण सीज़न के पहले मैच में उनके स्टार रेडर पवन सहरावत का चोटिल होना था। थलाइवाज ने मैट पर शानदार प्रदर्शन किया और सीजन का समापन सेमीफाइनलिस्ट के रूप में किया। उनके युवा खिलाड़ी टीम प्रबंधन की उम्मीदों पर खरे उतरे और अपनी टीम के लिए दमदार काम किया। सागर और अजिंक्य पवार ने नेतृत्व की भूमिका में शानदार काम किया जबकि, कोच के रूप में आशान कुमार शुरुआती निराशा के बाद टीम को पुनर्जीवित करने में कामयाब रहे और खिलाड़ियों से सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कराया।

फीबा ने पुरुषों के बास्केटबॉल ओलंपिक क्वालीफायर के लिए ड्रा निकाला

मीस (स्विट्जरलैंड)। 2024 ओलंपिक बास्केटबॉल क्वालीफाइंग टूर्नामेंट के लिए ड्रा सोमवार को यहां निकाला गया, क्योंकि चार शहर अंतिम चार स्थानों के लिए कुल 24 टीमों की मेजबानी करेंगे। शिन्हुआ की रिपोर्ट के अनुसार 24 टीमों को आठ समूहों में विभाजित किया गया है, प्रत्येक चार स्पर्धाओं में दो समूह होंगे, जो 2 से 7 जुलाई, 2024 तक होंगे। अंतर्राष्ट्रीय बास्केटबॉल एसोसिएशन (फीबा) के अनुसार, प्रत्येक टूर्नामेंट का केवल विजेता ही क्वालीफाई करेगा। ग्रीस का पीरियस, लातविया का रीगा, प्यूर्टो रिको का सैन जुआन और स्पेन का वालेंसिया टूर्नामेंट की मेजबानी करेंगे। कार्यक्रम की घोषणा बाद में की जाएगी। दक्षिण सूडान बास्केटबॉल महासंघ के अध्यक्ष लुओल डेंग ने ड्रा की अध्यक्षता की। जर्मनी, सर्बिया, कनाडा, संयुक्त राज्य अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, जापान और मेजबान देश फ्रांस के साथ दक्षिण सूडान एकमात्र अफ्रीकी टीम है जो पहले ही खेलों के लिए क्वालीफाई कर चुकी है।

मैच के अंत में कभी-कभी दो ओव्हर ही खेलने को मिलेंगे : रिंकू सिंह

-तेजतर्रार बल्लेबाज ने मैच फिनिशर की भूमिका पर दिया अपना रिएक्शन

तिरुअनंतपुरम ।

भारतीय टीम के तेजतर्रार बल्लेबाज रिंकू सिंह ने मैच फिनिशर की भूमिका पर अपना रिएक्शन दिया है। उन्होंने कहा कि अंत में या तो पांच- छह ओव्हर या फिर दो ओव्हर ही खेलने को मिलेंगे। हालों कि उन्होंने यह भी कहा कि में अपनी पोजीशन को लेकर शांत हूं। बता दें कि भारत ने दूसरे टी20 अंतरराष्ट्रीय में ऑस्ट्रेलिया को 44 रन से करारी शिकस्त देकर पांच मैचों की सीरीज में 2-0 की बढ़त बना ली। ऋतुराज गायकवाड़ (43 गेंद में 58 रन), यशस्वी जायसवाल (25 गेंद में 53 रन) और ईशान किशन (32 गेंद में 52 रन) ने शानदार अर्धशतक लगाए। बाद में रिंकू सिंह ने नौ गेंद में ताबड़तोड़ नाबाद 31 रन बनाए। उन्होंने अपनी आतिशी पारी में चार चौके और दो छक्के लगाए जिससे भारत ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ इस फॉर्मेट का अपना सबसे बड़ा स्कोर चार विकेट पर 235 रन बनाया। जवाब में भारत रवि बिश्नोई की अगुवाई में गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन की बदौलत ऑस्ट्रेलिया की पारी को 20 ओवर में नौ विकेट पर 191 रन पर रोक दिया। अर्धशकीय पारी के अलावा दो शानदार कैच लपकने वाले यशस्वी जायसवाल प्लेयर ऑफ द मैच बने। मैच के बाद तेजतर्रार पारी खेलने वाले रिंकू सिंह ने फिनिशर की भूमिका पर रिएक्शन दिया। कप्तान सूर्यकुमार यादव ने भी रिंकू सिंह की दिल खोलकर तारीफ की। ऑस्ट्रेलिया की ओर से मार्कस स्टोइनिस (25 गेंद में 45 रन) और टिम डेविड (22 गेंद में 37 रन) ने पांचवें विकेट के लिए 38 गेंद में 81 रन जोड़कर एक समय भारतीय टीम की धड़कने बढ़ा दी

थीं लेकिन लगातार ओवरों में दोनों के आउट होते ही कंगारूओं के हौंसले पस्त हो गए। कप्तान मैथ्यू वेड ने नाबाद 42 रन बनाए लेकिन टीम को जीत नहीं दिला सके।

मैं निश्चित रूप से कबड्डी खेल को आजमाना पसंद करूंगा : डेविड वार्नर

मुंबई, ऑस्ट्रेलिया के बल्लेबाज स्टीव स्मिथ कबड्डी खिलाड़ी पवन सहरावत से बेहद प्रभावित हुए और जब उन्हें आईसीसी वनडे विश्व कप 2023 के बीच में प्रो कबड्डी लीग टूर्नामेंट की झलकियां दिखाई गईं तो उन्होंने कहा, मुझे यह लड़का पसंद है। इस बीच, दक्षिण अफ्रीकी बल्लेबाज डेविड मिलर ने कहा, इस खेल में बहुत अधिक चपलता और शक्ति की आवश्यकता है। मैं इस खेल के लिए एडेन मार्करम को नामांकित करूंगा। यह पूछे जाने पर कि क्या वह यह खेल खेलना चाहेंगे, ऑस्ट्रेलियाई सलामी बल्लेबाज डेविड वार्नर ने कहा, मैं निश्चित रूप से इस खेल को आजमाना चाहूंगा। इसके अलावा, वार्नर ने अपने साथियों स्टीव स्मिथ और पैट कमिंस के साथ मिलकर मार्कस स्टॉयनिस को कबड्डी के लिए नामांकित किया। दक्षिण अफ्रीका के स्पिन गेंदबाज केशव महाराज पवन सहरावत से बहुत प्रभावित हुए और उन्होंने कहा, मुझे उनकी हाई-फ्लाई पसंद है, अगर मौका मिला तो मैं उनसे सीखना पसंद करूंगा।

पहले की तुलना में अधिक पदक प्राप्त कर रहे हमारे खिलाड़ी : मुख्यमंत्री योगी

लखनऊ। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को सैयद मोदी इंडिया इंटरनेशनल बैडमिंटन टूर्नामेंट 2023 का शुभारंभ किया। विधानसभा के शीतकालीन सत्र के बीच प्रतियोगिता के उद्घाटन के लिए पहुंचे सीएम योगी ने सभी खिलाड़ियों का परिचय प्राप्त किया और बैडमिंटन खेलकर प्रतियोगिता का शुभारंभ किया।मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि हम सब जानते हैं कि 2014 के बाद प्रधानमंत्री मोदी की पहल पर नए भारत में खेलकूद की गतिविधियों ने एक नई गति पकड़ी है। 'खेलो इंडिया खेलो' के अभियान को गति देने के बाद 'फिट इंडिया मूवमेंट' हो, ग्रामीण स्तर पर सांसद खेलकूद प्रतियोगिताओं को आगे बढ़ाने का कार्यक्रम हो, पूरे देश के अंदर इसके परिणाम हम सबके सामने आए हैं। आज इसी का परिणाम है कि ओलंपिक में हमारे खिलाड़ी पहले की तुलना में कई गुना अधिक पदक प्राप्त करते हैं।उन्होंने कहा कि एशियन गेम्स में हमने भारत के खिलाड़ियों के प्रदर्शन को देखा है। पहली बार एशियन गेम्स में हमारे खिलाड़ियों ने 100 पदकों का आंकड़ा पार किया है। पैरा एशियन गेम्स में भी हमारे खिलाड़ियों ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए 100 से अधिक पदक देश के लिए जीते हैं। उत्तर प्रदेश के खिलाड़ियों ने भी इसमें उल्लेखनीय प्रदर्शन किया है। वर्ल्ड चैंपियनशिप की यह बैडमिंटन प्रतियोगिता न केवल खिलाड़ियों के प्रोत्साहन के लिए बल्कि उत्तर प्रदेश के खिलाड़ियों के लिए भी एक मंच प्रदान कर रही है। मुख्यमंत्री योगी ने उत्तर प्रदेश में खिलाड़ियों को हर तरह के सहयोग के प्रति आश्वस्त किया। उन्होंने कहा कि खेलकूद की गतिविधियों के प्रति केंद्र और राज्य का जो सकारात्मक रुख है, वो हमारे खिलाड़ियों के लिए एक नया प्लेटफॉर्म भी है और उनके भविष्य को उज्ज्वल बनाने के लिए सरकार हरसंभव सहयोग देने के लिए काम कर रही है। हम सब जानते हैं कि उत्तर प्रदेश में बैडमिंटन का एक अच्छा केंद्र हो, जहां खिलाड़ियों के प्रशिक्षण के साथ-साथ राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं को भी संपन्न किया जा सके।सीएम योगी ने कहा कि पूर्व केंद्रीय मंत्री अखिलेश दास ने इसकी शुरुआत की और 10 एकड़ क्षेत्र में फैला हुआ यह क्षेत्र उत्तर प्रदेश के अंदर बैडमिंटन खिलाड़ियों के लिए न केवल प्रशिक्षण का बल्कि किसी भी प्रकार के नेशनल और इंटरनेशनल चैंपियनशिप का एक नया केंद्र बिंदु बना है।

आर्यना सबालेंका और एलेना रिबाकिना ब्रिस्बेन इंटरनेशनल 2024 में खेलेंगी

ब्रिस्बेन, ग्रैंड स्लैम चैंपियन आर्यना सबालेंका, एलेना रिबाकिना और यूएस ओपन सेमीफाइनलिस्ट बेन शेल्टन ने मंगलवार को पुष्टि की कि वे क्वींसलैंड टेनिस सेंटर में 31 दिसंबर से 7 जनवरी तक होने वाले ब्रिस्बेन इंटरनेशनल के लिए विश्व स्तरीय लाइन-अप में शामिल होंगे।चार बार की ग्रैंड स्लैम चैंपियन नाओमी ओसाका का नाम टेनिस में वापसी के लिए पहले ही फील्ड में उतारा जा चुका है। सबालेंका ने एक बयान में कहा,÷मैं ब्रिस्बेन में अपना 2024 ऑस्ट्रेलियाई सीज़न शुरू करने को लेकर उत्साहित हूं। अपना पहला ग्रैंड स्लैम जीतने के बाद ऑस्ट्रेलिया मेरे दिल में एक विशेष स्थान रखता है।' मैं ब्रिस्बेन इंटरनेशनल में पदार्पण करने और क्वींसलैंड टेनिस प्रशंसकों के सामने खेलने का इंतजार नहीं कर सकती। यह एक ऐसा टूर्नामेंट है जिसने अतीत में कई अच्छे खिलाड़ियों को आकर्षित किया है और मुझे उम्मीद है कि यह मुझे एक और सफल गर्मियों के लिए तैयार करेगा। विश्व नंबर 17 बेन शेल्टन पुरुषों के एटीपी 250 क्षेत्र में भाग लेंगे। 21 वर्षीय अमेरिकी ने पिछले महीने अपना पहला एटीपी टूर एकल खिताब जीता था। मैं 2024 में पहली बार ब्रिस्बेन इंटरनेशनल में खेलने के लिए रोमांचित हूं। ऑस्ट्रेलिया की मेरी पहली यात्रा पिछले जनवरी में थी, और यह एक अद्भुत अनुभव था। शेल्टन ने कहा कि प्रशंसक बहुत स्वागत कर रहे थे। मैं ब्रिस्बेन की खोज करने और स्थानीय प्रशंसकों के सामने खेलने के लिए उत्सुक हूं। उम्मीद है कि मेरी यात्रा के दौरान कुछ दर्शनीय स्थलों की यात्रा करने का भी मौका मिलेगा। संयुक्त डब्ल्यूटीए 500 और एटीपी 250 टूर्नामेंट में ग्रैंड स्लैम चैंपियन एंडी मरे, विक्टोरिया अजारेंका, विश्व नंबर 8 होल्गर रूण और विश्व नंबर 14 ग्रिगोर दिमित्रोव भी शामिल होंगे। ब्रिस्बेन इंटरनेशनल टूर्नामेंट के निदेशक कैम पियर्सन ने कहा, ब्रिस्बेन इंटरनेशनल महिला और पुरुष दोनों क्षेत्रों में अब तक देखे गए सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों में से एक बन रहा है। दुनिया की नंबर 2 और दुनिया की नंबर 4, सबालेंका और रिबाकिना, दोनों महिलाओं के क्षेत्र में शीर्ष पर हैं और युवा खिलाड़ी बेन शेल्टन ने भी इसकी पुष्टि की है, जो टूर्नामेंट को एक प्रीमियम इवेंट के रूप में और मजबूत करता है। पियर्सन ने कहा कि अगर ऑस्ट्रेलियाई निक किर्गियोस समय पर चोट से उबर जाते हैं तो वह टूर्नामेंट में उनका स्वागत करेंगे। उन्होंने कहा, हम उसे यहां देखना पसंद करेंगे, वह एक पूर्व चैंपियन और प्रशंसकों का पसंदीदा है, लेकिन उसे वह करने की जरूरत है जो उसके और उसकी रिकवरी के लिए सबसे अच्छा हो।

अगर इसका मतलब है कि वह जनवरी में खेल रहा है, तो यह शानदार है। किर्गियोस की जनवरी में घुटने की सर्जरी हुई थी और फिर कलाई में लिगामेंट फटने के बाद उन्होंने विंबलडन में वापसी की योजना रद्द कर दी थी।

शिक्षा राज्य मंत्री प्रफुल्लभाई पानशेरिया द्वारा सरकार की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का लाभ वितरित किया गया

सूरत।

केंद्र सरकार और राज्य सरकार की कल्याणकारी योजनाओं का लाभ जन-जन तक पहुंचे इस उद्देश्य से सूरत के शहरी क्षेत्र में 'विकसित भारत संकल्प यात्रा' की शुरुआत राज्य मंत्री द्वारा की गई शिक्षा के लिए सूरत के सचिन शहर में स्थित सामुदायिक भवन में श्री प्रफुल्लभाई पानशेरिया। इस मौके पर संकल्प यात्रा रथ का भव्य स्वागत किया गया और विकसित भारत का संकल्प लिया गया। सरकारी योजना स्टालों के माध्यम से नागरिकों को विभिन्न केंद्र और राज्य सरकार की योजनाओं के साथ-साथ नए लाभार्थियों के पंजीकरण के बारे में जानकारी दी गई।

इस मौके पर शिक्षा राज्य मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 2047 में विकासशील भारत के नाम पर पूरे देश में भारत संकल्प यात्रा शुरू कर एक नई दिशा दी है। देश के सभी नागरिक सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं के लाभ से वंचित न रहें, इसके लिए संकल्प यात्रा शुरू की गई है। सरकार सदैव गरीबों, मध्यम वर्ग के लोगों के कल्याण के लिए प्रयासरत रही है। कोराना की कठिन परिस्थिति में घर-घर खाद्यान्न पहुंचाकर एक भी व्यक्ति भूखा न रहे, इसकी चिंता सरकार को थी। सरकारी योजनाएं हमारे लिए ही हैं जिसका सभी से लाभ उठाने का अनुरोध है।

आगे मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गरीबों, शोषितों, वंचित महिलाओं, युवाओं और नागरिकों के जीवन में रोशनी लाने का काम किया है. सरकार की आवास योजना से शहरी झुग्गियों में रहने वाले लोगों को अपना ईंट का मकान मिल गया है। चूल्हे पर खाना बनाने वाली महिलाएं प्रतिष्ठित योजना के तहत वर्षों से गैस पर खाना बना रही हैं। जहां लाखों लोग आयुष्मान कार्ड के जरिए इलाज करा रहे हैं, वहीं राज्य सरकार ने स्वास्थ्य सेवाओं के लिए आयुष्मान भारत कार्ड पर खर्च की कुल राशि बढ़ाकर 10 लाख कर दी है. जिससे गरीब परिवार के लोगों को भी शहर के उन्नत अस्पतालों में मुफ्त इलाज मिल रहा है। सरकार की कल्याणकारी योजनाओं को शत-प्रतिशत लागू करने की मंशा से विकसित की गई भारत संकल्प यात्रा शुरू की गई है।

इस अवसर पर महापौर श्री दक्षेशभाई मवानी ने कहा कि सरकार की विभिन्न योजनाओं की जानकारी लोगों तक पहुंचाने का एकमात्र माध्यम विकसित भारत संकल्प यात्रा है। सरकार गरीब-मध्यमवर्गीय परिवारों के विकास के लिए प्रतिबद्ध है। प्रधानमंत्री उज्ज्वला योजना के माध्यम से 38 लाख बीपीएल कार्ड धारकों को मुफ्त एलपीजी गैस कनेक्शन, सुकन्या समृद्धि योजना के माध्यम से 18 लाख से अधिक खाते खोले गए। पोषण अम्बियन के अंतर्गत 37 लाख से अधिक महिलाएं एवं बच्चे लाभान्वित हुए हैं। उन्होंने कहा कि विकसित भारत संकल्प यात्रा के माध्यम से जरूरतमंद लोगों को विभिन्न योजनाओं का लाभ उनके घर-द्वार पर दिया जा रहा है और उन्होंने जन-उन्मुख योजनाओं का लाभ जन-जन तक पहुंचाने के लिए राज्य सरकार की प्रतिबद्धता व्यक्त की।

इस अवसर पर राज्य मंत्री द्वारा विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को सहायता राशि वितरित की गयी। उपस्थित सभी लोगों ने भारत को आत्मनिर्भर एवं विकसित राष्ट्र बनाने का संकल्प भी लिया।

विधायक श्री संदीपभाई देसाई, उपमहापौर श्री नरेंद्रभाई पाटिल, स्थायी समिति के अध्यक्ष श्री राजनभाई पटेल, एसएमसी आयुक्त श्रीमती शालिनी अग्रवाल, सत्तारूढ़ दल की नेता श्रीमती शशिबेन त्रिपाठी, दंडकश्री धर्मेशभाई वानियावाला, प्रकाश और अग्नि समिति के अध्यक्ष श्री चिरागभाई सोलंकी, वार्ड सदस्य रीनाबेन, एसोसिएशन के अध्यक्ष दीपकभाई चौधरी, सूरत महानगर पालिका के अधिकारी और कर्मचारी सहित बड़ी संख्या में नागरिक उपस्थत थे।

किसानों को एसडीआरएफ के नियमानुसार सहायता राशि का भुगतान किया जायेगा: प्रवक्ता मंत्री ऋषिकेश पटेल

सूरत।

प्रवक्ता मंत्री श्री ऋषिकेष पटेल ने कहा कि मौसम विभाग ने जो पूर्वानुमान लगाया है उसके अनुसार प्रदेश में बारिश होगी 26 एवं 27 नवंबर को 1 मिमी. (मिलीमीटर) से 151 मिमी. बेमौसम बारिश हुई है. मौसम विभाग की ओर से जारी बारिश के सटीक पूर्वानुमान के बाद कृषि विभाग ने पहले ही किसानों को फसलों और विपणन यार्डों को भीगने से बचाने के इंतजाम करने का निर्देश दिया था। जिससे हम अधिकांश फसल क्षति को बचाने में सफल रहे हैं।

मंत्री ने कहा कि राज्य में करीब 86 लाख हेक्टेयर में खरीफ फसलें लगायी गयी हैं. जिसमें कपास, अरंडी, तुवर मुख्य रूप से हैं। हालाँकि, अधिकांश फसलों की कटाई हो चुकी है। अनुमान है कि राज्य में अभी भी 10 से 15 लाख हेक्टेयर में कपास की फसल खड़ी है. जिसमें मुख्य फाल बुना जा चुका है जबकि अंतिम छोटा फाल बुना जाना बाकी है। कुल मिलाकर, लगभग 20 से 25 लाख हेक्टेयर में कपास, अरंडी और तुवर की फसलें लगाई गईं। हालांकि फसल की मुख्य कटाई, निराई का काम पूरा हो जाने से मावठा खराब होने की संभावना कम है। इसके बावजूद प्रारंभिक अनुमान है कि राज्य में तीन से चार लाख हेक्टेयर में खड़ी कपास, डिवेला, तुवर की फसल प्रभावित हुई है।

मंत्री ने कहा कि राज्य के अधिकांश हिस्सों में माहौल साफ होने लगा है. बेमौसम बारिश के बादल छंटने लगे हैं। कृषि विभाग ने कृषि विभाग के अधिकारियों को आज से जिलेवार फसल क्षति का सर्वेक्षण करने और इस काम को जल्द से जल्द पूरा करने का निर्देश दिया है. फसल क्षति की रिपोर्ट मिलने के बाद राज्य सरकार किसानों को एसडीआरएफ के नियमानुसार सहायता राशि का भुगतान करेगी।

राज्य सरकार ने पिछले 09 वर्षों में प्रदेश के 89 लाख किसान लाभार्थियों को राज्य निधि के अलावा 7777.8 करोड़ रु. इस प्रकार कुल 2966.9 करोड़ रु. उन्होंने कहा कि 10,740 करोड़ रुपये की सहायता का भुगतान किया जा चुका है।

उन्होंने कहा कि राज्य में रबी सीजन में 45 लाख हेक्टेयर में बुआई होती है. अब तक 15 से 16 लाख हेक्टेयर में रोपाई हो चुकी है। जिसमें गेहूं, चना, गन्ना, धनिया, जीरा, सौंफ, सब्जी समेत अन्य फसलें अभी बढ़वार की स्थिति में हैं। ऐसे में दो दिन में नुकसान की आशंका नगण्य है।

सूरत जिले के महुवा तालुका के वेलनपुर और सणवल्ला गांवों ने भारत संकल्प यात्रा का उत्साह के साथ स्वागत किया

सूरत।

सूरत जिले के महुवा तालुक के वेलानपुर और सांवला गांवों द्वारा विकसित भारत संकल्प यात्रा का आधुनिक रथ गांव में ग्रामीणों द्वारा भव्य स्वागत किया गया।

वेलानपुर गांव के सुजीतभाई परमार ने कहा कि 2047 तक भारत को आत्मनिर्भर और विकसित राष्ट्र बनाने और देश की समृद्धि का एहसास कराने की कहानी सुनाई गई. इसके अलावा तालुका विकास अधिकारी पीसी महला सहित अधिकारियों ने पोषण अभियान, कुपोषण मुक्त भारत एवं एनीमिया, पीएम किसान वय योजना, किसान क्रेडिट कार्ड योजना, आयुष्मान कार्ड, जल जीवन मिशन योजना, अटल पेंशन योजना, प्राकृतिक खेती आदि योजनाओं की जानकारी दी. दिया गया था बाजरा और टीएचआर का उपयोग करने वाले विभिन्न व्यंजनों का प्रदर्शन किया गया और आईईसी को विशेष रूप से जानकारी दी गई।

इस अवसर पर जिला सम्पर्क अधिकारीश्री डॉ. सुजीतभाई परमार, अतिरिक्त जिला स्वास्थ्य अधिकारी, महुवा तालुक के टीडीओएस श्री पी. सी। महला सर, नोडल अधिकारी श्रीमती विंकेलबेन, तालुका पंचायत अध्यक्ष श्रीमती शीलाबेन पटेल और उपाध्यक्ष श्री चेतनभाई मिस्त्री, ग्राम सरपंच श्रीमती नयनाबेन पटेल के साथ टीएचओ चिकित्सा अधिकारी श्री मनोज सर, सेंट्रल बैंक मैनेजर श्री रमिज़ अली सैयद, तालुका पंचायत कर्मचारी, मुख्य सेविका चंपाबेन, कैयेकर, टेडगर और स्वास्थ्य कर्मचारियों के साथ-साथ अन्य विभागों के अधिकारी और कर्मचारी उपस्थित थे। साथ ही कार्यक्रम में मौजूद सभी लोगों ने भारत को विकसित करने के प्रयासों को लेकर शपथ भी ली.

जिला पंचायत स्वास्थ्य शाखा के प्रशासनिक अधिकारी श्री एमके गमीत, प्रशासनिक स्वास्थ्य, तालुका वित्त सहायक अधिकारी श्री विपुलभाई चौधरी, नोडल अधिकारी सुश्री विंकेलबेन, तालुका पंचायत अध्यक्ष सुश्री शीलाबेन एस पटेल, और ग्राम सरपंच सुश्री रीताबेन अमितभाई पटेल, सेंट्रल बैंक अधिकारी श्री सुश्रुत महापात्र, ग्राम पंचायत कर्मचारी, मुख्य सेविका चंपाबेन, सांख्यिकी सहायक श्री महेंद्रभाई पटेल उपस्थित थे।

वेस स्थित बलर फार्म में आयोजित होगा दिक्षा समारोह

सूरत।

सूरत शहर के वेसु इलाके में प. पू. भक्तियोगाचार्य श्री यशोविजय सूरीश्वरजी म.सा. साथ ही पद्म विभूषण सरस्वतीनंदन प. पू.आ. श्री रत्नसुंदर सूरीश्वरजी म.सा. आदि विशिष्ट श्रमण श्रमणी भगवंत के सम्मान में आने वाले दिनों में रोम रोम परम स्पर्श दीक्षा महोत्सव का आयोजन होने जा रहा है और इसे विरति रथ का नाम दिया गया है। 23 दीक्षा एवं इसके अंतर्गत तीन दिवसीय महोत्सव यशोकृपा नगरी - बलर फार्म वेसु में आयोजित किया जाएगा एवं महोत्सव का संपूर्ण लाभार्थी कोरडिया भारमलभाई मालजीभाई परिवार यशोकृपा परिवार द्वारा आयोजन किया जाएगा।

" रुडा ने राजमहल छोड़ दिया... ऐसा ही है, वैरागी... " 23 ऐतिहासिक दीक्षा महोत्सव दरअसल, राजमहल जैसे घर-परिवार का त्याग करने वाले 23 धर्मात्मा लोग राजोहरण लेने जा रहे हैं। उत्सव की रूपरेखा इस प्रकार है: 29 नवंबर, कार्तिक वद बीज के शुभ दिन, बुधवार को सुबह 8:30 बजे। भगवंत प्रवेश - प्रात: 9:00 बजे व्याख्यान एवं यंत्र उठाव अंकुर भाई एवं हार्दिक भाई द्वारा किया जायेगा। दोपहर 2:00 बजे उपकरण वंदन एवं मुद्रा भराई समारोह में हर्षित भाई एवं ईशान भाई उपस्थत रहेंगे। शाम 7:30 बजे संयम शंगार के तहत पारसभाई और विराजभाई का विदाई समारोह और मुमुक्षु बहनों का स्तवन लोग सुनेंगे।

कार्तक वद तृतीया - गुरुवार, 30 नवंबर प्रात: 6:00 बजे शांतिनाथ दादा अभिषेक प्रात: 9:00 बजे राजसी वर्षिदनयात्रा जिसमें देश भर से विभिन्न मंडलियाँ, हाथी, घोड़े, इसके अलावा, यह दीक्षार्थियों के राजसी उद्यानों को देखने का कोई और समय नहीं है। *तीन लोकों के नाथ का रथ जब चतुर्विध श्रीसंघ के साथ वेसु के विभिन्न मार्गों पर चढ़ेगा तो देखने लायक होगा। और 4:00 बजे मुमुक्षु का पार्थिव शरीर के साथ अंतिम संस्कार शाम 7:00 बजे महाआरती एवं 7:30 बजे मननभाई - भाविकभाई और मौलिकभाई द्वारा संयम तड़पन के तहत मुमुक्षु बंधुओं का विदाई समारोह और उनकी दूरी का उद्घोष।

कार्तक वद चौथ - 1 दिसंबर शुक्रवार को यशोकृपा नगरी में सुबह 5:04 बजे दीक्षा विधि प्रारंभ और 8:01 बजे राजोहरण परहनम। इस शुभ दिन पर शनिभाई-उमंगभाई और प्रफुल्लभाई अपने अनोखे अंदाज से माहौल को खुशनुमा बना देंगे।

कभी नहीं देखा...कभी मजा नहीं आया...कभी सोचा नहीं था...1,50,000 वर्ग फुट से अधिक के विशाल स्थान में दीक्षा मंडप -भोजन मंडप। कितना अद्भुत दृश्य निर्मित होगा जब प्रवचन प्रभावक श्रीजी लगभग 25,000 वर्ग फुट के दीक्षा मंडप में दीक्षार्थियों को दीक्षा देंगे। इन मुमुक्षुओं और उससे भी अधिक इन परिवारों की खुशी और सराहना कितनी होगी। इस दीक्षा समारोह को देखना जीवन भर याद रहेगा। जो लोग इसे चूकेंगे वे सचमुच बहुत कुछ चूकेंगे।

आपको ऐसी ऐतिहासिक 23वीं दीक्षा में चुकना नहीं चाहिए। ऐसी अद्भुत दीक्षाओं को देखने और अनुभव करने के लिए और ऐसे क्षणों रोमी रोमी परम स्पर्श दीक्षा मोहोत्सव का गवाह बनने के लिए इन सभी अवसरों पर सभी से मिलने के लिए विरति रथ वेसु बलर फार्म पर जाएँ यशोकृपा परिवार के माध्यम से लाभार्थी कोरडिया भारतमलभाई मलजीभाई परिवार एक निमंत्रण है।

'आयुष्मान कार्ड योजना' बारडोली की लीलाबेन माह्यावंशी के लिए वरदान: पैर की मुफ्त सर्जरी से 8 साल की बच्ची दर्द से मुक्त

सूरत। गरीबों या पिछड़े वर्गों को समान आधार पर जीवन की सभी बुनियादी सुविधाएं प्रदान करने के लिए केंद्र और राज्य सरकार की कई प्रमुख योजनाएं चल रही हैं। जिसमें च्आयुष्मान कार्डज् योजना के माध्यम से कई गरीब परिवारों को सर्वोत्तम स्वास्थ्य सुविधाएं नि:शुल्क उपलब्ध कराई जा रही हैं, जिससे स्वास्थ्य संबंधी खर्चों में राहत मिलती है। बारडोली तालुक के मंगरोलिया गांव में रहने वाली लीलाबेन मह्यावंशी इसका जीता जागता उदाहरण पेश करती हैं।

लीलाबेन के पति धीरूभाई मह्यावंशी एक मिल में काम करते हैं। उनकी बेटी की शादी हो चुकी है. और वे बहुत ही साधारण जीवन जीते हैं। लीलाबेन कहती हैं कि 2015 में जब मेरा एक्सीडेंट हुआ तो मेरे पैरों में चोटें आईं। जो अस्थायी उपचार के बाद ठीक हो गया। लेकिन समय बीतने के साथ मुझे चलने, बैठने, उठने जैसी दैनिक गतिविधियों में कठिनाई होने लगी। एमआरआई करने पर पता चला कि पैर के जोड़ में घिसाव के कारण सर्जरी करनी पड़ेगी।

जब एक निजी डॉक्टर ने इलाज में तीन लाख रुपये का खर्च बताया तो हमें चिंता हुई. इतनी बड़ी रकम किसी भी सामान्य परिवार के लिए जुटाना मुश्किल है. तभी गांव के एक डॉक्टर से आयुष्मान कार्ड योजना के बारे में पता चला। जिसमें हमें 5 लाख रुपए तक के मुफ्त इलाज की जानकारी दी गई तो हमें उम्मीद जगी। जैसे ही हमने आयुष्मान कार्ड जारी करने के लिए आवश्यक आवेदन किया, हमारा कार्ड आ गया। बाएं पैर की सर्जरी जनवरी 2023 में और दाहिने पैर की सर्जरी अप्रैल 2023 में की गई।

तो मुझे 8 साल पुरानी पैर की समस्या से राहत मिल गई। तो अब मैं बहुत स्वस्थ और आसान जीवन जी सकता हूँ। सरकार की ऐसी हर कल्याणकारी योजना ने मेरे जैसे अनेक गरीबों और परिवारों को आर्थिक संबल दिया है। उन्होंने गरीबों के लिए देवदूत बनकर ऐसी योजनाओं का लाभ देने के लिए सरकार को बधाई देते हुए अन्य लोगों से भी ऐसी योजनाओं का लाभ उठाने का आग्रह किया।

09 दिसंबर को सूरत शहर-जिले की सभी अदालतों में लोक अदालत आयोजित की जाएगी: नागरिकों से अधिकतम लाभ उठाने का अनुरोध किया जाता है

सूरत।

गुजरात राज्य कानूनी सेवा प्राधिकरण के मार्गदर्शन में सूरत जिला कानूनी सेवा प्राधिकरण और जिला कानूनी सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष द्वारा चौथी राष्ट्रीय लोक अदालत 9/12/2023 को आयोजित की जाएगी।

लोक अदालत में आपराधिक मध्यस्थता योग्य अपराध, परक्राम्य लिखत अधिनियम की धारा 138, धन की वसूली, श्रम विवाद, बिजली और पानी के बिल (गैर-शमन योग्य मामलों को छोड़कर), शमन के अलावा अन्य वैवाहिक विवाद, भूमि अधिग्रहण संदर्भ, रोजगार संबंधी वेतन, भत्ते और सेवानिवृत्ति लाभ, राजस्व के साथ-साथ अन्य नागरिक मामलों (किराया विवाद, सूदखोरी, निषेधाज्ञा, विशिष्ट अनुपालन दावे) का निपटारा किया जाएगा।

सीसीटीवी नियंत्रण कक्ष-सूरत के माध्यम से, यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालक लोक अदालत में मोटर वाहन अधिनियम के अनुसार दिए गए ई-चालान का भुगतान ऑनलाइन और ऑफलाइन मोड के माध्यम से कर सकते हैं और व्यक्तिगत रूप से संभव पहल और जिला कानूनी सेवा प्राधिकरण के माध्यम से ई-चालान का भुगतान कर सकते हैं। और टेलीफोनिक रूप से। लोगों को भरने के लिए मार्गदर्शन किया जाएगा। इस लोक अदालत का लाभ उठाकर बकाया ई-मुद्रा का पैसा चुकाने के साथ भविष्य में कोई कानूनी कार्रवाई न होने पर भी लोग इसका लाभ उठा सकते हैं।

राष्ट्रीय लोक अदालत में मामलों का निपटारा करने से दोनों पक्षों के हित में मामले का फैसला होता है। ताकि यदि कोई पक्ष लोक अदालत में अपना मामला दायर करना चाहता है, तो वह जिला विधिक सेवा प्राधिकरण-सूरत और तालुका कानूनी सेवा समिति से संपर्क करके अगली राष्ट्रीय लोक अदालत में अपना मामला दायर कर सके। यह बात सूरत जिला कानूनी सेवा सतमंडल के सचिव की सूची में कही गई है।

छुट्टियों के इस सीज़न अपने रिश्तों का जश्न मनाएं प्लेटिनम लव बैण्ड्स के साथ

सर्दियों और छुट्टियों के इस सीज़न पीजीआई प्लेटिनम लव बैण्ड्स लेकर आए हैं, खासतौर पर शादियों के लिए डिज़ाइन किया गया एक्सक्लुज़िव कलेक्शन जो रिश्तों को नई परिभाषा देगा। साल खत्म होने जा रहे है, इस मौके पर कपल्स इन खास प्लेटिनम बैण्ड्स के साथ अपने हंसी-खुशी के पलों को फिर से तरोताज़ा कर सकते हैं। त्योहारों एवं सर्दियों के रोमांस के इस सीज़न ये बैण्ड उनके दुर्लभ प्यार की अभिव्यक्ति करेंगे। तो आपके प्यार की तरह कीमती प्लेटिनम के साथ अपने दुर्लभ प्यार का जश्न मनाने के लिए तैयार हो जाएं।

माना जाता है कि 2 बिलियन साल पहले एक उल्कापिण्ड के टूटने से धरती में प्लेटिनम आया। यह कीमती धातु दुनिया भर में कुछ चुनिंदा स्थानों पर ही पाया जाता है और सोने की तुलना में 30 गुना दुर्लभ है। इसकी बेजोड़ क्षमता सुनिश्चित करती है कि इसमें कोई बदलाव न आए, यह अपनी सफेद प्राकृतिक चमक कभी नहीं खोता, और इसीलिए इसे कपल्स के अटूट प्यार की ताकत और क्षमता के समान माना जाता है। ये कपल्स अच्छे-बुरे हर समय में मजबूती से एक दूसरे का साथ निभाते हैं। प्लेटिनम डायमण्ड और अन्य कीमती रत्नों पर भी मजबूत पकड़ बना लेता है और प्राकृतिक सफेद चमक के साथ शानदार लुक देता है। 95 फीसदी शुद्ध और दुर्लभ प्लेटिनम से बने प्लेटिनम लव बैण्ड्स प्यार का प्रतीक हैं। ऐसा प्यार जो आधुनिक मूल्यों के साथ एक दूसरे की जीत का जश्न मनाता है, जो उन्हें पारम्परिक भूमिकाओं के दायरे से आगे बढ़कर एक साथ मिलकर सभी ज़िम्मेदारियों को निभाने के लिए प्रेरित करता है।

जीवन के खास पलों में एक दूसरे के लिए प्रतिबद्धता का जश्न हो या सालगिरह का खास मौका या कोई अन्य पल, कपल्स अपने जीवन की हर उपलब्धि को विशेष महत्व देते हैं। आप साल के अंत के नज़दीक जा रहे हैं, ऐसे में प्लेटिनम लव बैण्ड्स की ओर से सीज़न के नए कलेक्शन के साथ अपने रिश्तों का जश्न मनाने के लिए तैयार हो जाएं।

जब भी आप एक दूसरे के इम्परफेक्शन यानि खामियों को अपना लेते हैं, तो आपको अपना प्यार मिल जाता है। ये प्लेटिनम लव बैण्ड्स एसिमिट्रिकल तरीके से डिज़ाइन किए गए हैं, जो आपको इम्परफेक्शन में भी खूबसूरती की तलाश में सक्षम बनाते हैं। वे आपको याद दिलाते हैं कि आपको हमेशा एक दूसरे को अपनाना है फिर चाहे समय कितना भी इम्परफेक्ट हो। दुर्लभ धातु प्लेटिनम से ने इन लव बैण्ड्स में जड़े हीरे इन्हें और भी खूबसूरत बना देते हैं। तो प्लेटिनम लव बैण्ड्स के साथ अपने प्यार का जश्न मनाने के लिए तैयार हो जाएं।

जब भी आप महसूस करते हैं कि आपका प्यार आपको जीवन की चुनौतियों को झेलने की क्षमता देता है, आप जान जाते हैं कि आपको कुछ दुर्लभ मिल गया है। ये लव बैण्ड्स चमकदार सेंटर के साथ इस बात की अभिव्यक्ति करते हैं कि किस तरह से आपका प्यार आपकी दुनिया को जगमगा देता है। असाधारण प्लेटिनम से बने ये लव बैण्ड प्यार की क्षमता का प्रतीक हैं।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, सम्पादकः संजय रमाशंकर मिश्रा द्वारा ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सुरत (गुजरात) प्रिन्टर्स- भूनेश्वरा प्रिन्टर्स, प्लाट नं. 29, परमानन्द इण्डस्ट्रीयल सोसायटी, चौकसी मील के पास, उधना मगदल्ला रोड़ (गुजरात) से मुद्रित एवं ११४, न्यू प्रियंका टाउनशीप अपार्टमेन्ट, डिंडोली, उधना, सूरत (गुजरात) से प्रकाशित। कार्यालय फोनः 0261-2274271, (न्यायिक क्षेत्र सूरत रहेगा)